@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 24 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 111 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राष्ट्रपति भवन में राजाजी की प्रतिमा का अनावरण

राष्ट्रपति ने कहा- आत्मगौरव का सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन परिसर में आजाद भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती सी. राजगोपालाचारी (राजाजी) की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने राजाजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी 24 फरवरी से 1 मार्च तक राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान में आने वाले आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। अशोक मंडप के समीप ग्रैंड ओपन सीढ़ी पर स्थापित राजाजी की यह प्रतिमा पहले वहां लगी एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर लगाई गई है। इसे औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को समाप्त करने और भारत की सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय आत्मगौरव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति भवन में स्थापित की गई

राजाजी की प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए ऐतिहासिक अवसर है। राजाजी को सम्मानित कर देश ने अपने आत्मगौरव का सम्मान किया है। उन्होंने स्मरण कराया कि जब राजाजी गवर्नमेंट हाउस (अब राष्ट्रपति भवन) पहुंचे थे, तब उन्होंने अपने कक्ष में रामकृष्ण परमहंस और महात्मा गांधी के चित्र लगाए थे। इससे उन्होंने यह संदेश दिया कि भारत भले ही औपचारिक रूप से डोमिनियन रहा हो, लेकिन भारतीयों के हृदय में स्वराज स्थापित हो चुका था। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की विरासत पर गर्व करने और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का जो राष्ट्रीय अभियान चल रहा है, उसमें राजाजी के आदर्श स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान शासक जनता से दूरी बनाए रखते थे, लेकिन स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र का मूल सिद्धांत जन-जन से जुड़ाव है। राष्ट्रपति भवन राष्ट्र का भवन है और इसके द्वार सभी देशवासियों के लिए खुले हैं।

इस अवसर पर आयोजित 'राजाजी उत्सव' को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि राजाजी की प्रतिमा का अनावरण औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्ति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रक्रिया एक सतत परिवर्तन है, जो शासन, कानून, शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान के क्षेत्रों में दिखाई दे रही है।

भारत टैक्सी से जुड़े चालकों के लिए न्यूनतम आधार किराया तय होगा : अमित शाह

'भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा भारत टैक्सी अपने मंच से जुड़े सभी 'सारथियों' (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी।

शाह ने यहां भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए चालकों के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है, जबकि भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा। यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी। अमित शाह ने कहा, 'भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के जरिए हर जानकारी देने से 'भारत टैक्सी' दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी। भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफ़िट को मिलाकर एक बेस रेट

बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं चलेगी। 'उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव में सारथियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी, ताकि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें। शाह ने कहा कि भारत टैक्सी की आय का 20 प्रतिशत पूंजी के रूप में संस्था के खाते में रखा जाएगा, जबकि 80 प्रतिशत राशि सारथियों को उनके द्वारा चलाए गए किलोमीटर के आधार पर लौटाई जाएगी। शुरुआती तीन वर्षों में विस्तार पर ध्यान दिया जाएगा, इसके बाद लाभ का वितरण इसी अनुपात में होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन सालों में देश के प्रत्येक नगर निगम में 'भारत टैक्सी' मौजूद होगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के सिद्धांत को समझने की आवश्यकता है और उदाहरण देते हुए अमूल का उल्लेख किया, जहां लाखों महिलाओं ने छोटे निवेश से बड़ी सहकारी संस्था खड़ी की है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी भी इसी प्रकार का एक बड़ा सहकारी आंदोलन बनेगी और आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक नगर निगम क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। महिला सशक्तीकरण के तहत 'सारथी दीदी' की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि ऐप में ऐसा प्रावधान किया जाएगा कि एकल महिला यात्री को प्राथमिकता से महिला सारथी उपलब्ध कराई जाए, जिससे सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों सुनिश्चित हों।

आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में मिलावटी दूध से पांच लोगों की मौत, मुख्यमंत्री ने किया मुआवज़े का ऐलान

एजेंसी

राजमुंदरी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राजमुंदरी के चौदेश्वरी नगर और स्वरूप नगर में स्थानीय लोगों के बीमार पड़ने की घटना पर विधानसभा में बयान दिया। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि लाला चेरुवु इलाके में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि आठ लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में वरलक्ष्मी डेयरी के मिलावटी दूध के सेवन से लोगों के बीमार पड़ने की पुष्टि हुई है। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्वी गोदावरी की जिलाधिकारी कीर्ति चेकुरी ने बताया कि कुल 106 परिवारों को दूध की आपूर्ति की गई थी। इनमें से 12 लोगों में किडनी से जुड़ी समस्या पाई गई और पांच लोगों की मौत हो गई।

दरभंगा जा रही रही डबल डेकर बस लखनऊ में पलटी

● पांच यात्रियों की मौत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को

एकडबल डेकर बस सड़क पर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई है। हादसे में करीब 10 से 12 लोग घायल भी हुए हैं।बस बिहार के दरभंगा जा रही थी। घटना की जानकारी पर पुलिस के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत बचाव शुरू किया। पुलिस मृतकों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं है। मृतकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर लुधियाना से दरभंगा जा रही थी।जिले के गोसाईगंज थाना क्षेत्र स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के खेमा खेड़ा गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकरसड़क पर पलट गई। दुर्घटना होते ही सवारियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिसको सूचना दी। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि हादसे में चार से पांच लोगों की मौत की आशंका है।इसके अलावा हादसे में 10 से 12 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान की जा रही है, इसके बाद ही मौतों का सही आकड़ा मिल सकेगा। प्रथमदृष्टतया चालक की लापरवाही सामने आ रही है।

सीएम मान का ऐतिहासिक एलान, 'मेरी रसोई योजना' के तहत 40 लाख परिवारों को मिलेगा मुफ्त राशन

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 23 फरवरी। पंजाब में पहली बार व्यापक स्तर पर खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूती देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने आज 'मेरी रसोई' योजना की शुरुआत का ऐलान किया, जिसके तहत 40 लाख परिवारों को अप्रैल से तिमाही आधार पर मुफ्त फूड किट (भोजन किट) का वितरण शुरू किया जाएगा उल्लेखनीय है कि ये फूड किट राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दिए जाने वाले गेहूं से अलग तौर पर प्रदान की जाएंगी। इस योजना की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार जन कल्याण योजनाओं के लिए संसाधन जुटाना अच्छी तरह जानती है, जो पूरी ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ चलती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बच्चे के लिए पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करना सिर्फ एक वादा नहीं बल्कि हमारा नैतिक फर्ज है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले लोक-हितैषी बजट में भी समाज के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखते हुए लोक भलाई उपायों का दायरा और विस्तृत किया जाएगा। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पहल पंजाब के हर परिवार के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब के शानदार योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के मेहनती और जुझारू

किसानों ने अथक मेहनत से यह सुनिश्चित किया कि देश में कोई भी भूखा न सोए। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य ने देश का पेट भरने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हालांकि पंजाब में अभी भी कुछ परिवार ऐसे हैं, जो अपनी रोजी-रोटी के लिए रोज संघर्ष करते हैं, जिनकी मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह महत्वाकांक्षी %मेरी रसोई योजना% शुरू की है। इस योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत राज्य सरकार 40 लाख परिवारों को फूड किट प्रदान करेगी। प्रत्येक किट में मासिक खपत के लिए दो किलो दाल, दो किलो चीनी, एक किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर सरसों का तेल होगा। ये फूड किट राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत योग्य लाभार्थियों को पहले वितरित की जा रही गेहूं से अलग तौर पर प्रदान की जाएंगी। उन्होंने आगे बताया कि मार्कफेड इस पहल के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मार्कफेड इन किटों के वितरण के लिए नोडल एजेंसी होगी और ये किट खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा मुफ्त में सप्लाई की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था बनाई है। पंजाब की विरासत के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों ने पिछले समयों में देश को अनाज संकट से बाहर निकाला था और यह पहल हमारी सरकार द्वारा लोक भलाई के लिए की जा रही लोक-हितैषी नीतियों की श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह गारंटी न तो लिखी गई थी और न ही हमारी पार्टी के मेनिफेस्टो का हिस्सा थी, लेकिन यह पंजाब के लोगों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और हम इसे पूरा कर रहे हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

'कालनेमि का होगा पर्दाफाश,' यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तारी पर बोले अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

एजेंसी

वाराणसी । पॉक्सो मामले में फंसे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्यों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। अदालत ने खुद इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया, लेकिन अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का मानना है कि उन्हें गिरफ्तारी से डर नहीं लगता, लेकिन पुलिस गिरफ्तारी के लिए पुख्ता सबूत तो लाए। उन्होंने यह तक कह डाला कि रामचरितमानस में पहले ही कहा गया है कि कुछ धर्म के ठेकेदार शंकराचार्य और धर्म से जुड़े साधुओं को परेशान करने आएंगे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पॉस्को एक्ट में गिरफ्तारी के सवाल पर कहा, 'जो भी आएंगे उनका स्वागत किया जाएगा और जांच में पूरा सहयोग किया जाएगा। जितनी जल्दी पुलिस को मामले को विस्तारित करने की है, उतनी ही हमें है। हम भी इस कलंक का निपटान जल्द से जल्द करना चाहते हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर कहा, 'रामचरितमानस में लंका कांड के दौरान विभीषण ने रावण को सलाह देते हुए कहा था कि जो कोई भी धर्मधारी, कपटी और पाखंडी ज्यादा समय तक ठीक नहीं पाएगा और उसका जल्द ही पर्दाफाश होगा।

भारत-गुयाना संबंधों को बहुआयामी क्षेत्रों में विस्तार देने पर सहमति

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भारत जगदेव ने शिष्टाचार भेंट की।

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भारत जगदेव ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-गुयाना संबंधों को

विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में और मजबूत बनाने के उपायों पर व्यापक चर्चा की। डॉ. जगदेव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निर्णायक लीडरशिप और यूपीआई के जरिए डिजिटल गवर्नेंस और फाइनेंशियल इनक्लूजन में भारत की तेजी से हो रही प्रगति की सराहना की। दोनों पक्षों ने गुयाना में भी ऐसे ही डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। चर्चा में स्वास्थ्य प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन, कृषि अनुसंधान तथा दोनों देशों के बीच संपर्क और आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त सूचना प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, शिक्षा, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई के क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाश की गईं। गुयाना के प्रतिनिधिमंडल ने क्षमता निर्माण और कौशल विकास के तरीकों के तौर पर भारत के ई-माइग्रेट प्लेटफॉर्म और इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (आईटीईसी) प्रोग्राम में दिलचस्पी दिखाई। दोनों नेताओं ने क्रिकेट के प्रति अपने साझा उत्साह का उल्लेख किया और इस खेल में गुयाना के योगदान की सराहना की।

कांग्रेस के अंदर खानदानी समस्या

देश की जनता इलाज करेगी : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समिट में एक तरफ हमारी युवा शक्ति की शैक्षिक क्षमता का बहुत उच्च कोटि का प्रदर्शन हुआ, तो वहीं कांग्रेस की निम्नता और नग्नता का कुटिल प्रदर्शन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि अभी तक पूरा देश इस विषय को लेकर आक्रोशित है और अब कांग्रेस पार्टी के गठबंधन सहयोगियों की ओर से भी इस पर आपत्ति जताई गई है। अब कांग्रेस पार्टी के अंदर से भी यह स्वर गूंजने लगा है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। ऐसे आयोजनों में इस प्रकार का हल्का, छिछोरा और नग्न आचरण करना निहायत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रहीं और पूर्व केंद्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा ने भी कहा है कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों में गरिमा और अनुशासन बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। इसलिए हम यह कहना चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी को अब यह समझना चाहिए कि वह जिस प्रकार के विचारों के अनुसार चल रही है, उसे जनता नकार रही है, गठबंधन सहयोगी नकार रहे हैं और अब पार्टी के अंदर के वरिष्ठ एवं पुराने नेता भी उन्हें नकार रहे हैं। जनता उन्हें पूरी तरह ठुकरा रही है।

'राजाजी उत्सव' राष्ट्र के प्रति राजाजी के योगदान को उजागर करता है: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में सोमवार को 'राजाजी उत्सव' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का

● 'मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप इस उत्सव में अवश्य शामिल हों और इससे प्रेरणा लें!'

अनावरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'राजाजी उत्सव' को एक अद्भुत पहल बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति भवन से जुड़ी पोस्ट की रीपोस्ट करते हुए लिखा कि 'राजाजी उत्सव' एक अद्भुत पहल है, जो राष्ट्र के प्रति राजाजी के समृद्ध योगदान के विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप इस उत्सव में अवश्य शामिल हों और इससे प्रेरणा लें! इससे पहले 22 फरवरी को पीएम मोदी ने अपने 'मन की

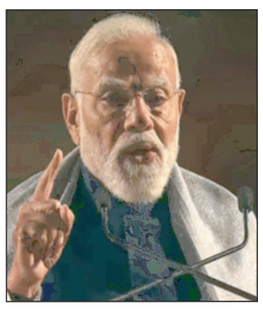

बात' कार्यक्रम में कहा कि देश गुलामी के प्रतीकों को पीछे छोड़कर भारत की संस्कृति से जुड़ी चीजों को महत्व देने लगा है। इस दिशा में 'राजाजी उत्सव' के रूप में हमारे राष्ट्रपति भवन ने भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मैंने लाल किले से पंच प्राणों की बात कही थी। उनमें से एक है गुलामी की मानसिकता से मुक्ति। आज देश गुलामी के प्रतीकों को पीछे छोड़कर भारत की संस्कृति से जुड़ी चीजों को महत्व देने लगा है। 'उन्होंने बताया कि सी. राजगोपालाचारी स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल थे। वे उन लोगों में थे, जिन्होंने सत्ता को पद की तरह नहीं, सेवा की तरह देखा। सार्वजनिक जीवन में उनका आचरण, आत्मसंयम और स्वतंत्र चिंतन आज भी हमें प्रेरित करता है। पीएम मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश प्रशासकों की मूर्तियां तो लगी रहने दी गईं, लेकिन देश के महान सपूतों को जगह नहीं दी गई। ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा भी राष्ट्रपति भवन में लगी हुई थी। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी 24 फरवरी से 1 मार्च तक चलेग। '

नामसाई घोषणा के बाद असम-अरुणाचल सीमा पर पहला बॉर्डर पिलर स्थापित

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में सोमवार को 'राजाजी उत्सव' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'राजाजी उत्सव' को एक अद्भुत पहल बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति भवन से जुड़ी पोस्ट की रीपोस्ट करते हुए लिखा कि 'राजाजी उत्सव' एक अद्भुत पहल है, जो राष्ट्र के प्रति राजाजी के समृद्ध योगदान के विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप इस उत्सव में अवश्य शामिल हों और इससे प्रेरणा लें! इससे पहले 22 फरवरी को पीएम मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि देश गुलामी के प्रतीकों को पीछे छोड़कर भारत की संस्कृति से जुड़ी चीजों को महत्व देने लगा है। इस दिशा में 'राजाजी उत्सव' के रूप में हमारे राष्ट्रपति भवन ने भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मैंने लाल किले से पंच प्राणों की बात कही थी। उनमें से एक है गुलामी की मानसिकता से मुक्ति। आज देश गुलामी के प्रतीकों को पीछे छोड़कर भारत की संस्कृति से जुड़ी चीजों को महत्व देने लगा है। 'उन्होंने बताया कि सी. राजगोपालाचारी स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल थे। वे उन लोगों में थे, जिन्होंने सत्ता को पद की तरह नहीं, सेवा की तरह देखा। सार्वजनिक जीवन में उनका आचरण, आत्मसंयम और स्वतंत्र चिंतन आज भी हमें प्रेरित करता है। पीएम मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश प्रशासकों की मूर्तियां तो लगी रहने दी गईं।

पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी, पांच की मौत, 7 घायल

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से सोमवार को धारणी तालुका के रानीगांव घाट मार्ग पर एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात गंभीर रूप से घायल हुए। सभी घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह दुर्घटना रानीगांव घाट सेक्शन में शिवाझिरी गांव पास हुई। जानकारी के मुताबिक पिकअप वैन संकरी और घुमावदार पहाड़ी सड़क से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण खो गया। संतुलन बिगड़ते ही वैन सड़क से फिसलकर सीधे गहरी खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा बेहद भीषण था। वाहन के खाई में गिरते ही उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। संकरी घाट सड़क और गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की। कई घंटों की मशक्कत के बाद घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी सात घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल भवन में आधी रात पहुंची दिल्ली पुलिस... हंगामे का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में रात को पुलिस की अचानक एंट्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे वहां ठहरे लोगों में हड़कंप मच गया था। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी बिना कोई स्पष्ट वारंट दिखाए हिमाचल भवन के कमरों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर मौजूद लोग विरोध कर रहे हैं और पूछ रहे कि सरकारी जगह पर बिना आदेश कैसे प्रवेश हो सकता है। एक महिला, जो खुद को एडवोकेट बता रही है, कैमरे के सामने यह भी पूछती दिखती हैं कि 卐सर, आपने मेरे कमरे में घुसने के लिए अनुमति कैसे दी? महिला पुलिसकर्मी कहां हैं?卐 और एक व्यक्ति समय बताकर कहता है कि यह सवा 12 बजे के करीब हुआ था। विरोध के बाद पुलिस वापस लौटती दिख रही है। इस घटना ने हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक सियासत भी गरमाई है। धर्मशाला से बीजेपी विधायक सुधीर शर्मा ने सवाल उठाया है कि हिमाचल सरकार दिल्ली किस उद्देश्य से गई थी, क्या यह रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) की बहाली की मांग के लिए था या किसी और मायने में? उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कुछ रिपोर्टों में यह भी चर्चा है कि दिल्ली पुलिस संभवत: एआई समिट के दौरान टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को खोजने के सिलसिले में हिमाचल भवन तक पहुंची थी, जहां पर कुछ प्रदर्शनकारी ठहरे हुए थे। लेकिन इस बारे में पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है।

छह महीने पहले ही जिसे किया डिपोर्ट वहीं बांग्लादेशी महिला फिर मुंबई में पकड़ाई

-पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था

कश्मीर (एजेंसी)। मुंबई में अवैध रूप से रह रही 46 साल की बांग्लादेशी नागरिक राबिया नासिर को बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन हाल ही में वह विले पार्ले इलाके से फिर गिरफ्तार की गई है। उसे छह महीने पहले ही मीरा-भायंदर से गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया था। मुंबई के अलग-अलग इलाकों से पिछले महीने पकड़ी गई जुलेखा जमाल शेख और बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर ने भी पुलिस को बताया कि उन्हें अगस्त 2025 में बांग्लादेश भेजा गया था, लेकिन वे अवैध तरीके से फिर भारत लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबिया पिछले 25 सालों से मीरा-भायंदर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी, उसने पुलिस को बताया कि वह जंगलों के रास्ते सीमा पार कर वापस भारत में दाखिल हुई। आरोप है कि कुछ लोग सीमा सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देकर दोबारा भारत में घुस रहे हैं। राज्य में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ-साथ पूरे राज्य में गिरफ्तारियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुंबई के सभी 93 पुलिस थानों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2025 में एक हजार से ज्यादा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया गया था। 2026 में भी सैकड़ों लोगों को पकड़ा है, जिन्हें जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा। बता दें राबिया नासिर को 8 अगस्त 2025 को मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने डिपोर्ट किया था। हाल ही में उन्हें विले पार्ले (पश्चिम) से एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया। इसके अलावा, पिछले सप्ताह वर्सोवा पुलिस ने अंधेरी (पश्चिम) से 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया था, जिनमें 18 ट्रांसजेंडर शामिल थे। पुलिस ने बताया कि सभी के खिलाफ एफआरओ को रिपोर्ट भेज दी गई है ताकि जल्द से जल्द डिपोर्टेशन की कार्रवाई की जा सके।

पुलिसकर्मियों ने वायुसेना के जवान के साथ की मारपीट, कान का पर्दा फटा

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के घाटमपुर क्षेत्र में भारतीय वायुसेना में तैनात एक जवान के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पिटाई के दौरान जवान के कान का पर्दा फट गया। वह पिछले तीन दिनों से एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित की मां ने डीसीपी साउथ कार्यालय में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के देवमनपुर गांव निवासी रेखा सचान के अनुसार, उनका बेटा नितीश सचान भारतीय वायुसेना में कार्यरत है। वह 19 फरवरी को नौरंगा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। देर रात करीब साढ़े 11 बजे, जब वह मूसानगर रोड स्थित एक गेस्टहाउस से पैदल घर लौट रहा था, तभी पुलिस की गश्ती टीम ने उसे रोक लिया।

मैं कांग्रेस नेता की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं, अगर गलत लगे तो मुझ पर केस करें

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई पर किया बड़ा हमला

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर बड़ा हमला बोला उन्होंने कांग्रेस गोगोई पर पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए। एक इंटरव्यू में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी लड़ाई गौरव गोगोई से नहीं, बल्कि पाकिस्तान से है। उन्होंने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को पाकिस्तानी एजेंट बताते हुए कहा कि ऐसे एजेंट भारत में नहीं चाहिए। उन्होंने चुनौती दी कि अगर उनके आरोप गलत हैं, तो गौरव गोगोई उन पर मुकदमा कर दें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में सरमा ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं गौरव गोगोई की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं। अगर किसी को यह गलत लगे तो वह मुझ पर केस कर सकता है। अगर मेरे पास कुछ गैरकानूनी है तो वह भी ले लो। वह कोर्ट नहीं जाएंगे क्योंकि वह खुद गलत हैं। अगर उन्होंने झूठा आरोप लगाया है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। सरमा ने जोर देकर कहा कि अगर वह कांग्रेस में बने रहते और 'जी-हुजूरी' करते, तो शायद सीएम बन जाते, लेकिन उनके लिए आत्मसम्मान और असम की जनता का हित सबसे ऊपर है। उन्होंने असम में घुसपैठियों के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य की डेमोग्राफी को बदलने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरमा ने कहा कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन सरकार' ने ही असम का उद्धार किया है, जिससे विकास की रफ्तार तेज हुई और घुसपैठ पर लगाम लगी।

हिमंत सरमा ने कांग्रेस के शासन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में कोई इंजन नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय विकास कार्य नहीं होते थे। कांग्रेस के समय तुलना के लिए कुछ नहीं था। मोदी सरकार के 11 साल में काम नजर आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उन्हें 'असामान्य' बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी असामान्य हैं। चैट जीपीटी भी राहुल को असामान्य बता देगा। इतनी ठंड में हाफ टी-शर्ट कैसे पहन सकता है? ठंड में हाफ टी-शर्ट नॉर्मल व्यवहार नहीं है। साधु-संतों के कम कपड़े समझ में आते हैं, लेकिन राहुल असामान्य हरकतें करते हैं।

वहीं, घुसपैठियों के मुद्दे पर सीएम सरमा ने कहा कि घुसपैठियों को बांग्लादेश भेजना जरूरी है। घुसपैठियों ने असम की जमीन पर कब्जा किया है। असम समझौते के बाद घुसपैठिए बढ़ गए। वो फैसला करें कि जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे। वह फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी। मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि असम की अस्मिता और जनता की सुरक्षा उनके लिए प्राथमिकता है, और वे किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। असम समझौते के बाद घुसपैठिये बढ़ गए. वो फैसला करें कि जमीन कब्जा नहीं करेंगे, वो फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी. मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं।

रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक और तेजस, वायुसेना ने 30 विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का एक तेजस लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एक अग्रिम एयरबेस पर लैंडिंग के वक्त संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण विमान रनवे से आगे निकल गया। इस घटना में विमान के ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। यह घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है, जिस पर अभी तक वायुसेना की ओर से कोई औपचारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने एहतियाती कदम उठाते हुए लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट विमानों के पूरे बेड़े को अस्थायी रूप से उड़ान भरने से रोक दिया है। सूत्रों का कहना है कि विमानों की तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा पूरी होने तक यह बेड़ा जमीन पर ही रहेगा। तेजस विमान से जुड़ी यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मार्च 2024 में जैसलमेर के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और दूसरी घटना नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान सामने आई थी। हादसों के बीच वायुसेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक विमानों को शामिल करने पर जोर दे रही है। वायु शक्ति अभ्यास से पूर्व एक प्रेस वार्ता में वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा कि बल अपने बेड़े में नई पीढ़ी के और भी अधिक विमानों को शामिल करने का इच्छुक है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में राफेल की भूमिका की सराहना करते हुए उसे चर्चा का केंद्र बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वायुसेना और अधिक बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, चाहे वह राफेल हो या कोई अन्य विमान। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

2021 से जनवरी 2026 तक केंद्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 4,405 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के मुताबिक दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं।

रिपोर्ट में विभाग के मुताबिक जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। करीब 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय का अहम योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का अहम योगदान रहा।

वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है। जनवरी 2026 में बनाई गई कुल फाइलों में से करीब 93.81 फीसदी ई-फाइलें हैं। प्राप्त रसीदों में से करीब 95.29 फीसदी ई-रसीदें थीं और 65 मंत्रालयों और विभागों ने उल्लेखनीय स्तर पर कम से कम 90 फीसदी ई-फाइलों को अपनाया है। 26 जनवरी के लिए पंद्रह मंत्रालयों व विभागों की ई-रसीदों में 100 फीसदी हिस्सेदारी है।

राज्यसभा चुनाव में तेलंगाना से कांग्रेस को लग सकता है झटका... केसीआर एक सीट पर दावा करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। बिहार में 5 सीटों पर चुनाव में एनडीए की जीत तय मानी जा रही है। वहीं तेलंगाना में भी 2 सीटों पर वोटिंग होनी है। इन दो सीटों पर कांग्रेस की जीत अब तक तय मानी जा रही थी, लेकिन अब खेल बदलता नाराज आ रहा है। इस राज्य में भाजपा इस स्थिति में नहीं है कि कांग्रेस को चुनौती दे, लेकिन भारत राष्ट्र समिति के नेता के. चंद्रशेखर राव ने एक उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला लिया है। इन खबरों से कांग्रेस नेतृत्व को झटका लगाना लाजिमी है, जो पहले ही ज्यादातर राज्यों में सीटें जीतने की स्थिति में नहीं है। अप्रैल में दो सीटें खाली हो रही हैं। अब तक कांग्रेस तेलंगाना में मानकर चल रही थी कि इन दोनों सीटों पर आसानी से जीत मिल जाएगी।

लेकिन केसीआर ने जिस तरह से राज्य में राज्यसभा चुनाव को लेकर समीकरण बदलने की कोशिश की है, इससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अब कांग्रेस के लिए स्पष्ट हो गया होगा कि मुकाबला गणित, गठबंधन और अन्य तमाम चीजों से तय होगा। मीडिया में खबरें हैं कि केसीआर किसी चर्चित व्यक्ति को उतारना चाहते हैं। विधानसभा रिकॉर्ड्स के अनुसार केसीआर के पास कुल 37 विधायक हैं। इसमें से 10 विधायक हैं, जो कांग्रेस के पास जा चुके हैं और उनकी अयोग्यता को लेकर मामला चल रहा है। इस मामले में 8 विधायकों पर बीआरएस की आपत्ति को स्पीकर ने खारिज किया है। वहीं दो पर अभी ट्राइब्यूनल में मामला लंबित है।

यदि एक राज्यसभा सीट जीतनी है, तब किसी भी दल को 41 विधायकों की जरूरत है। कुल 37 विधायकों का दावा करने वाली बीआरएस के साथ यदि उसके अपने सभी विधायक बने रहते हैं, तब बीआरएस को अलग से सिर्फ 4 विधायकों की ही जरूरत होगी। फिलहाल खबर है कि बीआरएस की ओर से उन दलों से वार्ता हो रही है, जिनके समर्थन से इस आंकड़े को हासिल कर सकते है। राज्य में कांग्रेस के पास 66 विधायक हैं। इसके अलावा सीपीआई के भी एक विधायक का कांग्रेस को समर्थन है। अब तक वह मान रही थी कि बीआरएस मुकाबले से दूर रहेगी। लेकिन जब एक राज्यसभा सीट हासिल करने की स्थिति केसीआर को दिखी, तब उन्होंने मुकाबले में उतरना ही ठीक समझा है।

फिलहाल पूरा मामला इस बात पर अटक गया है कि आखिर वे 10 विधायक किसके साथ जाते हैं, जो बीआरएस से बागी हुए हैं। इसके अलावा भाजपा और ओवैसी के एआईएमआईएम पर भी नजरें टिक गई हैं। राज्य में ओवैसी के पास कुल 7 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास भी 8 का समर्थन है। इस तरह से मुकाबला काफी पेंचीदा हो सकता है। साफ है कि एक सीट भले कांग्रेस आसानी से पा जाए, लेकिन दूसरी सीट जीतना टेढ़ी खीर बन सकता है। दरअसल कांग्रेस की आंतरिक कलह भी उसके लिए हालात मुश्किल कर रही है। दो सीटों में से एक पर अभिषेक मनु सिंघवी को फिर से भेजा जा सकता है। अब रही बात दूसरी सीट की, तब उसके लिए सीएम के सलाहकार वी. नरेंद्र रेड्डी का नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा रिटायर्ड जज जस्टिस सुदर्शन रेड्डी भी मुकाबले में हैं।

बिहार में शराबबंदी पर एनडीए में बगावत, भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान शराबबंदी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। इस बार विपक्ष के हमले से ज्यादा सत्ताधारी दल भाजपा के अपने ही विधायक विनय बिहारी के बयानों ने सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। पश्चिमी चंपारण के लौरिया से विधायक विनय बिहारी ने राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल बताते हुए इसे हटाने या सख्ती से लागू करने की मांग की है। उनके इस बयान ने न केवल एनडीए के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है, बल्कि राजद और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का एक बड़ा मौका भी दे दिया है।

बेतिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विनय बिहारी ने अपनी क्षेत्रीय भाषा भोजपुरी में तंज कसते हुए कहा कि शराब मिलअता, तबे ना लोगवा हिलअता, जिसका अर्थ है कि शराब मिल रही है, तभी लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि आज राज्य में शराब धड़ल्ले से बिक रही है और पीने वाले तथा बेचने वाले दोनों ही जेल जा रहे हैं, लेकिन आपूर्ति नहीं रुक रही। विधायक ने यहां तक कह दिया कि शादियों और बारातों में जाने पर अक्सर लोग नशे की हालत में मिल जाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कानून केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि या तो इस कानून को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए या फिर इसे खत्म कर पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी जाए ताकि राज्य को हो रहे आर्थिक नुकसान और जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2016 में बड़े दावों के साथ बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। तब से अब तक लाखों लीटर शराब जब्त की गई है और लाखों लोग जेल की हवा खा चुके हैं, लेकिन समय-समय पर जहरीली शराब कांड में होने वाली मौतों ने इस कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं। विनय बिहारी से पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और रालोमो विधायक माधव आनंद भी इस कानून की समीक्षा की वकालत कर चुके हैं, लेकिन किसी एनडीए विधायक द्वारा इसे सीधे तौर पर हटाने की बात कहना पहली बार देखा गया है। इस बयान के बाद राज्य की सियासत में उबाल आ गया है। जहाँ एक ओर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा और भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने बचाव की मुद्रा अपनाते हुए कहा कि विधायक की बातों को गंभीरता से लेकर कानून को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार की नाकामी करार दिया है। राजद और कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि सरकार के भीतर ही इस कानून को लेकर एकराय नहीं है, जिसका सीधा फायदा माफिया और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों को मिल रहा है। विपक्ष के अनुसार, पुलिस शराबबंदी को कमाई का जरिया बना चुकी है और आम जनता इसका खामियाजा भुगत रही है।

अजित पवार विमान हादसे की रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले आ जाएगी: मोहोल

-भतीजे रोहित पवार ने कई बार हादसे को लेकर साजिश का अंदेशा जताया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार की मौत के मामले में कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। उनके भतीजे रोहित पवार ने कई बार साजिश का अंदेशा जताया है। वहीं केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और सांसद मुरलीधर मोहोल ने कहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की शुरूआती रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहोल ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट घटना के दिन से एक महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।। इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई बार विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं

और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। शनिवार को कर्जत-जामखेड के विधायक ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने तक नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए।

रोहित पवार ने पत्र में कहा कि वीएसआर कंपनी और राममोहन नायडू की पार्टी से इसके संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन संबंधों की जांच एक स्वतंत्र और सक्षम प्राधिकार द्वारा की जानी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से। पत्र की एक कापी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। मोहोल ने कहा कि एजेंसी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि शुरुआती रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले जारी कर दी जाएगी। जांच से जुड़ी हर जानकारी सबके सामने रखी गई है और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। मैं किसी की भी टिप्पणी पर कुछ नहीं कहना चाहता। नागर विमानन मंत्रालय ने 19 फरवरी को कहा था कि दुर्घटना के 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी कर दी जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पिछले महीने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की सीबीआई से जांच का आदेश देने का अनुरोध किया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी। महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फडणवीस ने कहा कि महायुति सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि विमान दुर्घटना के संबंध में सभी संदेह दूर हो जाएं

कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर कोर्ट हुआ सख्त, चार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए हंगामे पर दिल्ली की एक अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रवि की कोर्ट ने विरोध प्रदर्शन के तरीके की तीखी आलोचना करते हुए इसे असहमति जताने का अनुचित तरीका करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया यह शर्टलेस विरोध प्रदर्शन सार्वजनिक व्यवस्था पर एक सीधा हमला था, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की कूटनीतिक छवि को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार कार्यकर्ताओं को कोर्ट ने शनिवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों में बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार के प्रदेश सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना के नरसिंह यादव शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की हिरासत संबंधी अर्जी को स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी की कि आरोपी देश के विभिन्न दूर-दराज के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं, जिससे उनके फरार होने की आशंका प्रबल है। कोर्ट ने जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए बताया कि इस घटना के पीछे किसी बाहरी साजिश के संकेत मिल रहे हैं, जो मामले की गंभीरता को और अधिक बढ़ा देते हैं।

अदालत के आदेश के अनुसार, इन आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने वैश्विक प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी वाले हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र भारत मंडपम में घुसने की एक सुनियोजित साजिश रची। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ऐसी टी-शर्ट पहन रखी थीं, जिन पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लिखे थे। पुलिस रिकॉर्ड और मेडिको-लीगल मामलों (एमएलसी) के आधार पर यह भी सामने आया है कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डाली गई और पुलिसकर्मियों पर शारीरिक हमले किए गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि लोकतंत्र में असहमति जताने का अधिकार सबको है, लेकिन ऐसा आचरण वैध विरोध की सीमाओं का उल्लंघन करता है। समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान इस तरह की हरकतें विदेशी हितधारकों के समक्ष देश की छवि को धूमिल करती हैं। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपियों के कई सहयोगी फिलहाल फरार हो सकते हैं, जो डिजिटल सबूतों और वित्तीय सुरागों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। गहन जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए अदालत ने कहा कि ये अपराध अंतरराष्ट्रीय मंच पर सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 121 (लोक सेवक

को कर्तव्य से रोकने के लिए चोट पहुंचाना) और धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब चारों आरोपियों को 25 फरवरी तक पुलिस हिरासत में रहकर पूछताछ का सामना करना होगा। इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि राजनीतिक विरोध के गिरते स्तर पर भी एक नई बहस छेड़ दी है।

आरोपी महिला ने बच्चे की मां से दोस्ती बढ़ाकर की वारदात, दो गिरफ्तार, मासूम सकुशल बरामद

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। नॉर्थ रोहिणी स्थित बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड से मंगलवार सुबह एक नवजात चोरी हो गया। मासूम के माता-पिता ने अपना बच्चा गायब पाया तो फौरन पुलिस को खबर दी। बच्चा चोरी होने की शिकायत मिलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कई टीमों का गठन कर दिया। महज 12 घंटे के भीतर पुलिस ने मंगलवार को एक महिला व उसके कम उम्र के कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर मासूम को सकुशल बरामद कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसपुर, दिल्ली निवासी इंदू देवी (40) और इसके प्रेमी अहिबरन सक्सेना (20) के रूप में हुई है। दरअसल महिला दावा कर रही है कि उसने अहिबरन से शादी कर ली है। उसके घर वालों को दिखाने के लिए नवजात की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने नवजात की मां से अस्पताल में नजदीकियां बढ़ाकर मंगलवार को बच्चा चोरी कर लिया। हैरत की बात यह है कि अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड में भारी सुरक्षा होने के बावजूद महिला बच्चा ले जाने में कामयाब हो गई। पुलिस की तत्परता से नवजात सकुशल बरामद हो गया। रोहिणी जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने बताया कि नरेला निवासी जाकिर अली ने 12 फरवरी को प्रसव पीड़ा के बाद अपनी पत्नी शाहीन को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया था। पेशे से वेल्डर जाकिर के यहां 6 और 2 साल के दो बेटे पहले हैं। 14 फरवरी को शाहीन ने लड़के को जन्म दिया। शाहीन अस्पताल में भर्ती थी। इस बीच जच्चा-बच्चा वार्ड में इंदू देवी नामक महिला आकर शाहीन से नजदीकियां बढ़ाने लगी। शाहीन से उसने कहा कि उसकी बहन के यहां बच्चा हुआ है, वहीं अस्पताल की नर्स और बाकी सुरक्षा स्टाफ को वह चुपचाप शाहीन को ही अपनी बहन बताकर आने-जाने लगी। सोमवार को पत्नी के बेड पर बैठा देखकर जाकिर ने इंदू को टोका भी था। इस बीच मंगलवार तड़के शाहीन वार्ड में बच्चे के साथ थी। उसने सुबह चार बजे बच्चे को दूध पिलाया। इंदू भी पांच बजे तक उसके साथ वार्ड में थी। इंदू ने कभी उसे अपनी पहचान नहीं बताई। पांच बजे उसने शाहीन से आराम करने के लिए कहा और बच्चे को गोद में लेकर खिलाने लगी। शाहीन सो गई। आठ बजे पति के आने पर शाहीन की आंख खुली तो बच्चा और महिला गायब थे। जाकिर ने पुलिस को खबर दी। फौरन करीब 10 टीमों का गठन कर उनको अलग-अलग दिशा में भेजा गया। सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल हुई। उसके आधार पर महिला की पहचान कर उसकी तलाश में टीम को भेजा गया। शाम के समय नोएडा के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे आरोपियों को दबोच लिया गया। पुलिस की जांच में पता चला है कि इंदू देवी अपने पति मोती पासवान से अलग सिरसपुर में रहती थी। मोती ने उसे छोड़ दिया है, वह अलग नोएडा में रहता है। इस बीच इंदू की अहिबरन से नजदीकियां बढ़ गईं। इंदू का दावा है कि दोनों ने शादी भी कर ली है। अहिबरन उन्नाव का रहने वाला है। उसके परिजनों को शादी का सबूत देने के लिए इन लोगों ने अस्पताल से किसी नवजात को चोरी करने की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। कई दिनों तक इंदू ने अस्पताल में रेकी की। बाद में उसने शाहीन का बच्चा चोरी करने की ठानी और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। अंबेडकर अस्पताल में बच्चा चोरी होने की यह कोई पहली वारदात नहीं है। अक्तूबर और दिसंबर में भी ठीक इसी तरह अंबेडकर अस्पताल से दो बच्चे चोरी हुए थे। अच्छी बात यह रही कि पुलिस ने चंद ही घंटों बाद दोनों बच्चों को बरामद कर लिया था। मंगलवार को जब अस्पताल से बच्चा चोरी हुआ, उस समय जच्चा-बच्चा वार्ड में पांच महिला गार्ड थीं। वहीं गेट पर एक पुरुष गार्ड भी था। उन सबको चकमा देकर महिला बच्चा चुराकर ले गई। अस्पताल प्रशासन दबी जुबान में इस पर बात कर रहा है। वहीं इंदू लगातार अस्पताल के वार्ड में आ रही थी। अटेंडेंट का पास बना होता है, किसी ने उसका पास क्यों नहीं देखा? इससे अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं।

लाल किले के पास खड़ी कार से नाबालिग समेत दो संदिग्ध कश्मीरी पकड़े

नई दिल्ली। आई कार्ड देखने से नकली लग रहा था। शक के आधार पर दोनों को फौरन हिरासत में लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचित किया गया। जांच में कार का रजिस्ट्रेशन भी खत्म मिला। मामला बेहद संदिग्ध लगने पर उत्तरी जिला पुलिस ने फौरन स्पेशल सेल के अलावा बाकी जांच एजेंसियों को खबर दी। देर शाम तक स्पेशल सेल, आईबी और एनआईए की टीम संयुक्त रूप से दोनों लड़कों से पूछताछ कर रही थीं। पकड़े एक आरोपी की पहचान परिगाम, पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर निवासी मुदस्सर अहमद मीर (36) और बांगुड, पुलवामा निवासी 16 साल के नाबालिग के रूप में हुई। मुदस्सर के पास से एनआईए का नकली आईकार्ड मिला। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी मुदस्सर अहमद कश्मीर से लड़कों को नौकरी लगवाने के बहाने दिल्ली लाता है। बदले में वह पीड़ितों या उनके परिवार से पैसे ऐंठता है। अभी तक की जांच में उसके धोखेबाज होने का पता चला है। देर रात तक दोनों से पूछताछ जारी थी। फिलहाल कोतवाली थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी के पास से बरामद आईडी और काले रंग की सेंट्रो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी मुदस्सर अपना गैराज चलाता है और फिलहाल घाटे में चल रहा है। 15 साल पूरे कर चुकी पुरानी कार को उसने जम्मू कश्मीर से खरीदा था। पुलिस जम्मू कश्मीर के पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर रही है। अभी तक की जांच में पता चला है कि 16 साल के नाबालिग का परिवार पुलवामा में रहता है। इसके पिता राजमिस्त्री का काम करते थे। तीन-चार माह पूर्व ऊंचाई से गिरने से उनको लकवा हुआ है। उसकी मां पुलिस को एसपीओ हैं। मुदस्सर परिवार से तीन हजार रुपये लेकर नौकरी दिलवाने की बात कर नाबालिग को अपने साथ दिल्ली लाया था। उसने परिवार से कहा था कि नौकरी लग जाने पर वह 10 हजार रुपये लेगा। 12 फरवरी को दोनों सेंट्रो से दिल्ली के लिए निकले। 13 फरवरी की रात को यह दिल्ली पहुंचे और जामा मस्जिद के बशीर गेस्ट हाउस में रुके। मुदस्सर ने रिश्तेदार शाकिर को भी नौकरी के लिए दिल्ली बुलाया हुआ था। 14 फरवरी को मुदस्सर शाकिर व नाबालिग को लेकर सनम बंगाल उर्फ सनम रैना के पास जम्मू एवं कश्मीर हाउस पहुंचा। सनम ने कश्मीर हाउस में नौशेरा के कुलदीप सिंह मिन्हास की मदद से यहां कमरा बुक कराया हुआ था। सनम ने दोनों को नौकरी दिलवाने से मना कर दिया। सनम एक एनजीओ चलाता है। पुलिस की पूछताछ में मुदस्सर ने बताया कि बिजेंद्र और किरणपाल तोमर नामक लोगों ने उसे सनम से मिलवाया था। किरण पाल खुद को पीएमओ और एनआईए में तैनात बताता था।

कमेटी डालकर मुनाफा देने का झांसा देकर ठगे थे दो करोड़

नई दिल्ली। निवेश के बाद अच्छा मुनाफा देने का वादा कर दो करोड़ की ठगी करने वाले एक दंपती को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान चंदरदीप उर्फ मास्टरजी और इसकी पहचान सरिता चमोली के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। आरोपी चंदरदीप दिल्ली के इंद्रपुरी, पूसा, टोडापुर इलाके में बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। यहां उसने स्थानीय लोगों का विश्वास जीता। बाद में उसने लोगों से कमेटी डालकर अच्छे मुनाफे का झांसा दिया। शुरुआत में उसने कुछ लोगों को मुनाफा भी दिया। बाद में मोटी रकम हो जाने पर आरोपी रातों-रात दिल्ली से फरार हो गया। करीब 48 लोगों की शिकायत के बाद 2025 में आर्थिक अपराध शाखा ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। छानबीन के बाद दंपती को शौकत अली रोड, रामपुर, यूपी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ठगी में शामिल बाकी आरोपियों की जानकारी जुटाकर उनकी तलाश कर रही है। आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त अमित वर्मा ने बताया कि 16 अक्तूबर 2025 को कुलदीप सिंह व 47 अन्यों की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ था। कुलदीप ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि चंदरदीप चमोली नामक आरोपी इंद्रपुरी, पूसा इलाके में एक दुकान में बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। इस बीच 2013-14 में आरोपी ने एरिया के लोगों को कमेटी के बारे में बनाकर अच्छे मुनाफे का झांसा दिया। शुरुआत में लोगों ने थोड़ी-थोड़ी रकम की कमेटियां डाली, जिस पर आरोपी ने अच्छा रिटर्न दिया। विश्वास होने के बाद आरोपी ने 52 किस्तों की बड़ी कमेटी डाली और दो करोड़ समेटकर फरार हो गया। गिरफ्तार होने के बाद आरोपी ने बताया कि उसने पुलिस से बचने के लिए हिसाब-किताब वाले रजिस्टर जला दिए।

सीएम मान का ऐतिहासिक एलान, 'मेरी रसोई योजना' के तहत 40 लाख परिवारों को मिलेगा मुफ्त राशन

प्रथम पृष्ठ का शेष

बच्चों और परिवारों पर इस योजना के सकारात्मक प्रभाव को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पहल यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के हर बच्चे को पौष्टिक भोजन मिले, जो पंजाब भर में खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूती देगा। उन्होंने ऐलान किया कि इन किटों का वितरण अप्रैल में शुरू होगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अप्रैल महीने से शुरू होकर हर तिमाही के बाद इन किटों का मुफ्त वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिया कि किसी भी हालत में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पंजाब सरकार सप्लाई की जाने वाली सभी खाद्य वस्तुओं की सख्त गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता या अनियमित सप्लाई संबंधी किसी भी शिकायत से सख्ती से निपटा जाएगा। अपनी सरकार की लोक-हितैषी सोच का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमारी सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का आगामी लोक-हितैषी बजट पंजाब के लोगों के लिए भलाई उपायों को और मजबूत करेगा।

NAME CHANGE

I, KRANTI BAGHEL is legally Wife of No. 15679884A Rank- HAV Name- RUPNATH presently residing at VILL-KAPSI, PO-MARKATOLA, TEH-KANKER, DIST-KANKER, (CHHATTIGARH)-494670 have changed my name from KRANTI BAGHEL TO KRANTI BAI BAGHEL for all future purposes. Vide Affidavit Dated 23/02/2026 before Notary Public New Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रामविनेश और श्रीमती मुन्नी देवी, निवासी के-2-114/1, हरिजन बस्ती, संगम विहार, नई दिल्ली-110080 ने अपनी पुत्री सुश्री रिंकी पाल को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उनसे सभी संबंध तोड़ लिए हैं, क्योंकि रिंकी ने आशीष पुत्र श्री राकेश कुमार, निवासी टी-265एफ/2, चिराग, दिल्ली-110017 से बिना हमारे मुवक्किलों की सहमति और अनुमति के विवाह कर लिया है। जो भी व्यक्ति उनसे लेन-देन करेगा, वह अपने स्वयं के जोखिम, खर्च और जिम्मेदारी पर करेगा।

विनोद यादव
LL.M, एडवोकेट
चैंबर नंबर 606, लॉयर्स चैंबर ब्लॉक
साकेत कोर्ट्स कॉम्प्लेक्स
नई दिल्ली-110017
ईमेल:advocatevinodyadav@gmail.com
M: 9999561580

NAME CHANGE

I Girish Kumar S/o Gobardhan, R/o 2477 First Floor, 190, Onkar Nagar-A, Tri Nagar, Onkar Nagar, North West Delhi-110035 Have changed my name to Girish for all future purposes

NAME CHANGE

I,IVAAN AHMAD, S/O MOHD AFTAB AHMAD R/O H 19/5 1ST FLOOR, NEAR SAHAB MASJID BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR OKHLA 110025,HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHMEER AHMAD FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, NIRMALA, is legally spouse of Army No. 2803685H, Rank – Hav (Chefcom), Name – MADIWALAPPA HOSAMANI, presently residing at At – Hosur, Post – Hosur, Teh – Parasgad, Dist – Belgaum, State – Karnataka – 591111, have changed my name from NIRMALA to NIRMALA MADIWALAPPA HOSAMANI and my date of birth from 10/06/1986 to 01/01/1990 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, LILABAI, is legally mother of Army No. 2813403M, Rank – Sep, Name – BHOIR OMPRAKASH BABU, presently residing at Vill – Veluk, Post – Kasara, Teh – Shahapur, Dist – Thane, State – Maharashtra – 421602, have changed my name from LILABAI to LILABAI BABU BHOIR and my date of birth from 06/08/1960 to 01/06/1940 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, RAMDAS, is legally father of Army No. 2810217L, Rank – Hav, Name – AVHAD SURESH RAMDAS, presently residing at Vill – Chapadgaon, Post – Dapur, Tal – Sinnar, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 422606, have changed my name from RAMDAS to RAMDAS MOHAN AVHAD and my date of birth from 01/06/1963 to 01/08/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Pinki W/o Mr. Jitendra Pratap Singh is the owner of Freehold Residential Plot No. 136, land area measuring 56.38 Sq. Yds., i.e. 47.14 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 948, situated at Preet Vihar, in Village Chhapraula, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P., by virtue of Sale Deed dated 13.09.2024, As Doc No. 48885, Vol No. 28--0 Book No. 1 on Pages 51-70 in SR- Dadri, Gautam Budh Nagar. Till dated lost/misplaced his Original Sale Deed dated 22.12.2009, executed by Mrs. Hemlata Verma W/o Mr. Vinod Kumar Verma in favour Mrs. Sheela W/o Mr. Deshraj Upadhyay As Doc No. 14053, Vol No. 2424 Book No. 1 on Pages 339-360 in SR- Dadri., and online FIR Reference So no. 430/2014 LR no. 121601/2026 dated 22.02.2026 Crime Branch Delhi is also available now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property., will be Sale to Mrs. Phul Kumari W/o Mr. Ravi Kumar and same will be finance by Roha Housing Finance Pvt. Ltd. Branch: 2nd Floor, A-45, Block A, Sector 4, Noida, Uttar Pradesh - 201 301. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, hitherto Known as Bhupendra Kumar S/O kunwarpal Singh R/O Barauli PO: Shikarpur Dist- Bulandshahr Uttar Pradesh-202395 have changed my name and shall hereafter be known as Shailendra Singh.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as Sunny Kumar S/O Surendra Singh R/O Karansinghpur PO: Daugvan Dist: Bulandshahr Uttar Pradesh-202393, have changed my name and shall hereafter be known as Sani.

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री संदीप कालशन, ओम वाटिका, कस्बा दादरी, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-203207 में स्थित पुराने खसरा संख्या 505/1 (नया संख्या 1123) में से प्लॉट संख्या 96 के भाग, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है, के पूर्ण स्वामी हैं। दिनांक 19.08.2008 को श्री शिवेंद्र पाल सिंह द्वारा श्रीमती रन पाली के पक्ष में उक्त भूखंड, यानी भूखंड संख्या 96, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है और जो खसरा संख्या 505/1 का हिस्सा है, के संबंध में निष्पादित विक्रय विलेख, जिसका दस्तावेज़ संख्या 9949, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 1437, पृष्ठ संख्या 177 से 196 तक दिनांक 19.08.2008 को हुआ था और जो दादरी के उप रजिस्ट्रार कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, श्री संदीप कैशन द्वारा गुम कर दिया गया है। उपरोक्त दस्तावेज़ के गुम होने के संबंध में एफआईआर (पत्र संख्या 114578/2026, दिनांक 19.02.2026) पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। दिनांक 19.08.2008 के उपरोक्त मूल विक्रय विलेख को अपने कब्जे में रखने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था से अनुरोध है कि वे इसे जल्द से जल्द लौटा दें। कृपया इस नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर एडवोकेट **दीपक मलिक से +91-9540419009/95404190091** पर संपर्क करें।

दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता-दुकान-2
कटारिया कॉम्प्लेक्स,
दयानंद कॉलोनी गुड़गाँव

NAME CHANGE

I KAVITA KUMARI W/O MOTI LAL GUPTA R/O WZ-1256 BADIYAL PALAM VILLAGE DELHI-110045,I have changed my name to KAVITA GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, URVINDER SINGH BHASIN S/O RAJPAL SINGH BHASIN R/O D-2/1B FIRST FLOOR, NEAR ARDEE SCHOOL, ARDEE CITY, SECTOR-52, GURGAON, HARYANA-122003 HAVE CHANGED MY NAME TO URVINDER SINGH S/O RAJPAL SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, RAMANDEEP KAUR BHASIN W/O URVINDER SINGH R/O D-2/1B FIRST FLOOR, NEAR ARDEE SCHOOL, ARDEE CITY, SECTOR-52, GURGAON, HARYANA-122003 HAVE CHANGED MY NAME TO RAMANDEEP KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, PRIYANKA BHATIA W/O ABHINAV SHARMA R/O IREO SKYON,D1-801, GOLF COURSE EXTION ROAD, SECTOR-60, NATHUPUR (67), GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM "ATHARV TO ATHARV SHARMA" FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DEEPA D/O LAXMAN SINGH R/O GALI NO-2, DHARUHERA, NEAR KHOLA STEEL, MALPURA (295), REWARI, HARYANA-123110,HAVE CHANGED MY NAME DEEPA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I. Rajeev Kumar Arora s/o Hira Lal R/o House no- 1834/10 second floor front side Govindpuri Extension Kalkaji New Delhi 110019 have changed my name to Rajeev Arora

NAME CHANGE

I, Nikhil Kumar S/o Rakesh Kumar R/o Ward No.16, Gali No.5, Santosh Colony, Dharuhera, Rewari-123106 have changed my name to Nikhil Kumar Gupta.

NAME CHANGE

I, SHOBHA, is legally mother of Army No. 2814290F, Rank – Hav, Name – BHALEKARI RAJPAL UMARAO, presently residing at Vill – Sangavi (Je), Post – Nadihattraga, Teh – Nilanga, Dist – Latur, State – Maharashtra – 413521, have changed my name from SHOBHA to SHOBHA UMARAO BHALEKARI for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, UMARAO, is legally father of Army No. 2814290F, Rank – Hav, Name – BHALEKARI RAJPAL UMARAO, presently residing at Vill – Sangavi (Je), Post – Nadihattraga, Teh – Nilanga, Dist – Latur, State – Maharashtra – 413521, have changed my name from UMARAO to UMARAO MADHAV BHALEKARI for all future purposes.Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SHANTA, is legally mother of Army No. 2817447F, Rank – Nk, Name – HOLKAR GOVIND SHIVAJI, presently residing at Vill – Bembli, Post – Bembli, Teh – Osmanabad, Dist – Osmanabad, State – Maharashtra – 413506, have changed my name from SHANTA to SHANTABAI SHIVAJI HOLKAR and my date of birth from 10/07/1956 to 01/01/1956 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Kajal Rani D/o Yogendra Kumar R/o Vill-Sadakpur Urf Bilaspur, Post-Narayanpur, Sadakpur, Bijnor, Uttar Pradesh - 246721, hereby undertake that I, Kajal Rani want to change my name to Krishraaj Chaudhary and gender as MALE.

NAME CHANGE

I KM Khasti Devi D/o Harish Chandra Joshi and W/o Navin Chandra Tiwari R/o 2-476, Polysheet, Haldwani, Nainital, Kathgodam, Uttarakhand - 263126, have changed my name to Deepa Tiwari.

NAME CHANGE

I hitherto known as Usha Devi W/o Kripal Singh R/o Rohi, Ranhera, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203155 have changed my name and shall hereafter be known as Madhu Raghav.

NAME CHANGE

I, Saurabh Agarwal S/o N K Agarwal R/o Flat No-508, A Block, 5th Avenue, Gaur City 1, Opp. City Plaza, Noida Extn, Greater Noida West, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor Daughter Pihu Agarwal, aged 13 years and She shall hereafter be known as Aakriti Agarwal.

Public Notice

It is for general information that I CHHAVI KASHYAP D/O PANNALAL KASHYAP R/O M 430 A, Sector 23, Sanjaynagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201002 declare that name of mine and my father have been Wrongly written as CHAVI KASHYAP and PANANALAL KASHYAP In my 10th Class Marksheet and Certificate. The actual name of mine and my father are CHHAVI KASHYAP and PANNALAL KASHYAP respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विरेन्द्र यादव पुत्र श्री जगदीश एवम् श्रीमती कश्मीरी पत्नी श्री जगदीश, निवासीगण मकान संख्या 119, हरसाव, गाजियाबाद, पोस्ट डासना, गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय प्लाट संख्या 01, क्षेत्रफल 130 वर्ग गज, खसरा संख्या 766, स्थित ग्राम हरसाव, अवंतिका, तहसील व जिला गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1428-1433 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किकल कथित सम्पत्ति को श्री राजीव कुमार शर्मा को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Urmila Devi purchasing Freehold Residential Plot, area measuring 33 Sq. Yds., Out of Total Area Measuring 200 Sq. Yds., Out of Khasra No. 1041, Situated at Waka Sivana Mauja Hall Colony Raj Nagar, Tehsil & Distt. Gurgaon Haryana. from Mr. Shailender Kumar & Mr. Jitendra & Mrs. Lalita & Mr. Usha & Mr. Shivang & Mrs. Garima., initially Mr. Ram Narayan S/o Mr. Bhoop Singh was the absolute owner in respect of Plot, area measuring 200 Sq. Yds. Out Khasra No. 1041. Thereafter Mr. Ram Narayn died on 08.11.2013 & his wife Mrs. Prem Lata Died on 21.11.2017 & her son Mr. Shankar Lal Died on 05.04.2021., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Finance Ltd. Branch: Dwarka, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Akash Mittal S/O Banwari Lal Mittal permanent resident of B/2, Mittal Colony, Shiv Marg, Dhaulpur, PO: Dholpur, DIST: Dholpur, Rajasthan - 328001, presently residing at 1st Floor, House Number 87, Yamaha Bihar, Sector-49, Noida, Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor daughter namely Ruhani Mittal aged 01 year in her birth certificate and she shall hereafter be known as Advika Mittal.

NAME CHANGE

I Harvinder Kaur Bedi W/O Gurcharan Singh Bedi R/O. H.No-B-13, Raja GArden, Mansarover Garden, Ramesh Nagar, Delhi-110015 have changed my name to Harvinder Kaur.

NAME CHANGE

I BALJIT SINGH S/O MEHARWAN SINGH R/O 1/2A PREM NAGAR DOUBLE STOREY JANAK PURI DELHI-110058,I have changed my name to BALJIT SINGH KHALSA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KRISHAN KUMAR SINGLA S/O PAWAN KUMAR R/O H.NO 156 WARD NO 21NEEMTALA MOHALLA NEAR CHUNNI LAL ID DHARAMSHALA PALWAL HARYANA -121102,I have changed my name to KRISHAN KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MANSHI DEVI W/O RADHEY SHYAM R/O H.NO- 152, GALI NO 11, M BLOCK PREM NAGAR-2 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086, I have changed my name to MANSA DEVI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I,VIVEK KUMAR PANDEY S/O VINOD KUMAR PANDEY R/O A-216, Opposite Vinayak Dairy, Shastri Nagar, Ashok Vihar, PO: Ashok Vihar, Dist: North West Delhi, Delhi-110052 have changed name of my minor daughter namely ASTUTI PANDEY aged 2 years and she shall hereafter be known as TRISHIKA PANDEY.

NAME CHANGE

I, SUPRIYA AWASTHI W/O PRASHANT DIXIT R/O R-806,8TH FLOOR, SISPAL VIHAR, SECTOR-49,SOUTH CITY-2, GURGAON, HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME "AHANA TO AHANA DIXIT" FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, ANIL KUMAR S/O MAHABIR SINGH R/O 583/34 JANTA COLONY ROHTAK HARYANA-124001 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KADYAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, NEERAJ S/O LAL BABU R/O HOUSE NO-341, DLF PHASE 3,GURJAR CHOWK, NEAR RK PUBLIC SCHOOL, NATHUPUR, GURAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO NIRAJ KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारी ग्राहक, वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड से श्रीमती आशा राणा, पत्नी श्री अजय कुमार उपाध्याय ने गृह ऋण के लिए संपर्क किया है। उनका पता है- एफ. नंबर 301/10165, मेजेनाइन, गुरुद्वारा रोड, पश्चिम विस्तार क्षेत्र, करोल बाग, दिल्ली 110005।

यह उल्लेख करना आवश्यक है कि पंजीकृत दस्तावेजों की श्रृंखला में दिनांक 23.02.2021 को पी.ओ.आई. द्वारा श्री करम सिंह सोलंकी पुत्र स्वर्गीय श्री खजान सिंह के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित विक्रय अभिलेख सा स्थानांतरण विलेख पीएम उदय डिड जिसका दस्तावेज़ संख्या 1969, पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 10689, पृष्ठ 180 से 184, एसआर-IX कपाशेरा में दर्ज है, उपलब्ध नहीं है/कहीं खो गया है। और उक्त संपत्ति जिसमें आवासीय इकाई संख्या डी-04, चौथी मंजिल, प्लॉट संख्या 905 पर निर्मित, क्षेत्रफल 71.07 वर्ग मीटर है। राज नगर-II एक्सटेंशन, पालम कॉलोनी, दिल्ली-110077 में स्थित खसरा संख्या 48/4 में से एक संपत्ति वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एफ नंबर 301/10165, मेजेनाइन गुरुद्वारा रोड वेस्ट एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, दिल्ली-110005 के पास गिरवी रखी जा रही है। यदि किसी व्यक्ति, जिसमें बैंक, वित्तीय संस्थान या कोई अन्य पक्ष शामिल हैं, का उक्त संपत्ति या उसके किसी भाग पर विरासत, आवंटन, गिरवी, प्रभार, कब्ज़ा, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप में कोई दावा (खसरा संख्या पर आपत्ति), मांग, अधिकार या हित है, तो उन्हें प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर दस्तावेजी साक्ष्य सहित लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी, अन्यथा उक्त व्यक्ति/व्यक्तियों का कोई दावा माफ और निपटा हुआ माना जाएगा।

सुश्री रानी शिल्पी (अधिवक्ता)
कार्यालय पता- मकान नंबर टी/181, यूजीएफ,
शूकर बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाइल नंबर- 9717780057

NAME CHANGE

I Jagdeep S/0 Vijender Singh Dagar R/0 Gali No 3 Near Gyan Deep School Shankar Garden Linepar Bahadurgarh Jhajjar Haryana Changed my Name to Jagdeep Dagar

NAME CHANGE

I Ravneet Singh Bakshi S/0 Harminder Singh R/0 6768/10 Dev Nagar Karol bagh Delhi 110005 Changed my name to Ravneet Singh

Lost and Found

I, Pradeep Jumar Sandhu s/o Late Sh. Ram Asra R/O E- 157, Ashok Vihar phase 1, Delhi 110052 . My original documents have been Lost above said Property i.e. Allotment letter, site possession slip, office possession letter, C form, perpetual Lease deed. An FIR to this effect has been lodged in the police station . If any person found these above mentioned documents then please contact at 9810378830.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ABHAY SHARMA S/o VIRENDRA SWAROOP SHARMA, R/o H NO-26-B, GANDHI PARK, HAUZ RANI, DELHI-110017, declare that name of mine has been wrongly written as ABHYA SHRMA in my 10th class Educational Documents and name of mine has been wrongly written as ABHYA SHARMA in my Service Book and ABHEY SHARMA in my Service Record. The actual name of mine is ABHAY SHARMA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Ravinder Kumar S/o Arjun Kumar R/o H.No.D-134, UGF Phase-1, Vivek Vivek Vihar, Shahdara, Delhi-110095 have changed my name to Ravinder Kumar Nagpal.

NAME CHANGE

I SANYAM S/O KAMAL GARG R/O H.NO B-20 GALI NO 1, PHASE 1 SHIV VIHAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 I have changed my name to SANYAM AGRAWAL Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the public at large that my clients Smt. Uganti Devi, W/o Sh. Babulal Sharma, & Sh. Babulal Sharma, S/o Sh. Kishan Lal Sharma, both R/o WZ-26A, 14A/6, Sadhnagar, Palam Colony Delhi, Palam Village, Delhi-110045, have debarred their daughter-in-law Smt. Madhuri and son Sh. Kamlesh Kumar Sharma, from all their movable and immovable properties and have severed all relations with them because of their quarrelsome and egoistic attitude. My clients shall not be responsible for any of their acts against anyone and anyone dealing with them shall be doing so at their own risk

Girish Kumar Advocate
Chamber No.: 342, Lawyer's Chamber Block, Dwarka Courts,
New Delhi - 110075.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Gokul Chand Upadhyay S/o Late Mr. Suresh Chand is the absolute owner of Freehold Residential built Property no. 229/28-D-1 area measuring 70 Sq. Yds. i.e. 58.52 Sq. Mtrs. out of Khasra no. 548, Situated in the area of Village Mandawali Fazil Pur, in the abadi of Railway Colony, Mandawali Illaqa Shahdara Delhi. by virtue, Relinquishment deed dated 15.07.2011 Vide Doc. No. 11698, Vol. No. 5589, Book No. 1, Page No. 86-88, on dated 15.07.2011 in SRO-VIII New Delhi., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Suresh Chand Upadhyay, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Manju Devi and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Laxmi Nagar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Subender Baisla S/O Balak Ram R/O B-38 street no 2 gazipur dairy farm Delhi 110096, changed my name to Subender Singh.

NAME CHANGE

I, Gunjan Kumari Bansal W/O Gaurav Agarwal R/O H.no- 112A, Sayyad Wara, Old Faridabad Haryana 121002, changed my name to Gunjan Bansal.

NAME CHANGE

I, Sakunt W/O Mohd Ibrahim R/O 170 laherwari Punhana Nuh Mewat Haryana 122508, changed my name to Sakunat

NAME CHANGE

I SURESH RAGHUNATHARAM CHOUDHARY S/O RAGHUNATH RAM CHOUDHARY R/O 846/ FLAT NO- 305, 3RD FLOOR, SHRI BALAJI BHAWAN, JOSHI LANE , KAROL BAGH DELHI-110005, I have changed my name to SURESH CHOUDHARY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, AMALE DADA DNYANDEO, is legally father of Army No. 2815795K, Rank – Nk, Name – AMALE VITTHAL DADA, presently residing at Vill – Sounde, Post – Karmala, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413203, have changed my name from AMALE DADA DNYANDEO to AMALE DADA DNYANDEV for all future purposes. Vide affidavit dated 06/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ASHWINI, is legally spouse of Army No. 2813565X, Rank – Sep, Name – KADAVEKAR AMOL YUVRAJ, presently residing at Vill – Kurla (W), Post – Kurla, Teh – Kurla, Dist – Mumbai, State – Maharashtra – 400070, have changed my name from ASHWINI to KADAVEKAR ASHWINI AMOL for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, RANJANA SUBHASH SHINGOTE, is legally mother of Army No. 2814234H, Rank – Sep, Name – SHINGOTE KAMLESH SUBHASH, presently residing at Vill – Khamundi, Post – Khamundi, Teh – Junnar, Dist – Pune, State – Maharashtra – 410504, have changed my date of birth from 01/06/1970 to 30/06/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/02/2026 before Public Notary Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अरुण, पुत्रः प्रकाश, पताः म. नं. बी-43 गली नं. 7, सफेद गेट, भोपुरा, उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद कोतवाली** ने **FIR No. 420/2022, U/s 392/411/34 IPC, पुलिस थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अरुण** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्षित कर दिया गया है कि उक्त **अरुण** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 420/2022, U/s 392/411/34 IPC, पुलिस थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अभियुक्त **अरुण** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05, पूर्वी जिला, कमरा नं. 03
दूसरी मंजिल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2262/ED/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **महेश पांचाल पुत्र सुखबीर पांचाल, रवि मेडिकल इंडिया एक्स-रे प्लॉट नंबर 206, रेलवे स्टेशन के पास, बेहटा हाजीपुर, गली नंबर 6, लोनी गाजियाबाद यूपी-201102, और ए-188, स्ट्रीट नंबर-3, भागीरथी विहार, दयालपुर, उत्तर पूर्वी दिल्ली-94 ने सीसी संख्या 8429/19 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः करोल बाग, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **महेश पांचाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **महेश पांचाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी संख्या 8429/19 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थानाः करोल बाग, दिल्ली के उक्त महेश पांचाल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
उर्वी गुप्ता
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
(एनआई एक्ट)-01 केंद्रीय उपभवन-II,
कमरा नं.201,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1960/CD/2026

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Vinod Kumar** is purchasing the Front side Upper Ground Floor (without roof/terrace rights), admeasuring 50 sq. yds., (referred to as "said floor"), part of Property bearing No. RZ-D2/26, having land area measuring 100 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 758/99, situated in the abadi known as Mahavir Enclave, in the area of village Nasirpur, New Delhi from Mr. Gaurav Sharma who is the owner of the property vide Sale Deed dated 17.01.2012 which is registered as Doc. No. 541, in Book No. I, Volume No. 6323, Page Nos. 185-193 on 17-01-2012 (SRO-IX) and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Finance. That the Original Sale Deed dated 17.01.2012 in favour of Mr. Gaurav Sharma has been lost/Misplaced.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

It is for general information that I, ANKUR GUPTA S/o ANIL KUMAR GUPTA, R/o FLAT NO-1803, TOWER NO-12, ORANGE COUNTY, INDIRAPURAM, AHINSAKHAND-1, SHIPRA SUN CITY, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as MANNARA GUPTA in my minor daughter ASWI GUPTA, aged 3 years in her BIRTH CERTIFICATE NO-B-2023; 9-56044-013637. The actual name of my minor daughter is ASWI GUPTA, which may be amended accordingly.It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, ANITA KUMARI wife of No.-15681915N, Rank-HAV, Name-RAJNESH KUMAR PONIYA residing at VPO-JATOI, TEHSIL-HATHRAS, DIST-HATHRAS, UTTAR PRADESH-204213, have changed my name from ANITA KUMARI to ANITA PONIYA for all future purposes vide Affidavit dated 16/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RENU D/O SHIV SHANKAR TIWARI W/O SURESH KUMAR R/O H NO-418, Street No-11 Station Block, Prem Nagar-1, Kirari Suleman Nagar, Po: Sultanpuri C Block, Dist; North West Delhi, Delhi-110086 declare that name of mine has been wrongly written as RESHMA in my Pan Card No-DZQPR2118E. The actual name of mine is RENU which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, No-4093901P Rank-NK Name-MANOJ SINGH NAGWAL Presently residing at B-60, VIKAS VIHAR, KAKROLA, PO-NIST, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078, have changed my father's name from NARENDER SINGH NAGWAL to NARENDRA SINGH NAGWAL for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2026 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हर नागरिक को प्रेरित करने वाला होता प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम : डॉ. आशा खेड़ड़

एजेंसी

हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेड़ड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम हर नागरिक को प्रेरित करने वाला होता है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का हौसला भी बढ़ाते हैं। डॉ. आशा खेड़ड़ हिसार विधानसभा क्षेत्र के सब्जी मंडी मंडल के बूथ नंबर 71 पर भाजपा कार्यकर्ता अंजू सोलंकी के आवास पर मन की बात कार्यक्रम सुन रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने रविवार के इस कार्यक्रम में जनता, खासकर युवा वर्ग का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अभिन्न अंग बताया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा करते हुए हर नागरिक से इसमें भागीदारी करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम जन-जन को प्रेरित करने वाला व उत्साह प्रदान करने वाला होता है। हर नागरिक को समय निकालकर यह कार्यक्रम अवश्य सुनना चाहिए। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम का 131वां एपिसोड व इस साल का दूसरा एपिसोड जिले भर में बूथ स्तर पर देखा व सुना गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, अनुज जैन, नितिन शर्मा, अनिल कुकरेजा, दीपक वाल्मीकि, पार्षद मनोहर लाल वर्मा व सज्जन शर्मा सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच : अतुल ढींगड़ा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरुकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयं सेविकाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पूरे समर्पण और उत्साह के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली।

गुरुग्राम की पर्ल चौधरी होंगी महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

गुरुग्राम। कांग्रेस पार्टी ने दक्षिण हरियाणा का संगठन के स्तर पर एक बार फिर मान बढ़ाया है। पहले तो राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, अब पटौदी सुरक्षित सीट से 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ने वाली पर्ल चौधरी को महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। पर्ल चौधरी पटौदी के पूर्व विधायक भूपिंद्र चौधरी की बेटी हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई की है उनकी इस नियुक्ति पर ना केवल उनके विधानसभा क्षेत्र में बल्कि पूरे गुडगांव जिले और संगठन में खुशी की लहर है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से पर्ल चौधरी की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए। पर्ल चौधरी ने हरियाणा महिला कांग्रेस के पद पर सुधा भारद्वाज की जगह ली है। शिक्षित और बिजनेसमैन परिवार से संबंध रखने वाली पर्ल चौधरी जमीन से जुड़ी नेत्री हैं। सरकार के खिलाफ पार्टी का पक्ष रखने की बात हो, सरकार की जनविरोधी नीतियों की बात हो, उन्होंने हर स्तर पर फ्रंट लाइन में आकर मजबूती से अपनी बात रखी है। संगठन के कार्यक्रमों में उनकी हमेशा प्राथमिकता से उपस्थिति रही है। उनकी यह नियुक्ति इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि दक्षिण हरियाणा से ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को पार्टी ने चुना। अब इसी क्षेत्र से ही महिला प्रदेश अध्यक्ष को चुना है। पर्ल चौधरी अनुसूचित जाति से संबंध रखती हैं। इसलिए सवर्ण व अनुसूचित जाति फैक्टर भी कांग्रेस ने चला है। इससे सभी को संगठन में प्रतिनिधित्व देकर कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के लोगों का सम्मान बढ़ाया है।

कूड़ा बीनने वाली महिलाओं ने दुकान से लाखों के उपकरण चुराए

पानीपत। पानीपत की बिशन स्वरूप कॉलोनी स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान का ताला तोड़कर लाखों के उपकरण चोरी हो गए। चोर कोई और नहीं बल्कि सड़कों पर कूड़ा बिनने वाली महिलाएं निकली, जिनका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पुलिस ने दुकान मालिक की शिकायत पर और मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला दर्ज कर चोरी करने वाली महिला गिरोह की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में तहसील कैंप निवासी नरेश ने बताया कि उनकी बिशन स्वरूप कॉलोनी में 'नरेश इलेक्ट्रॉनिक्स' के नाम से दुकान है। वह बीती रात को दुकान बंद कर घर गए थे। सुबह पड़ोसी दुकानदार का फोन आया कि उनकी दुकान के ताले टूटे हुए हैं। जब नरेश मौके पर पहुंचे, तो शटर के ताले टूटे मिले, हालांकि शटर नीचे ही गिरा हुआ था। दुकान के भीतर जाने पर नरेश ने देखा कि सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा है। सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई।

समाज सेवा की मिसाल थे राज्य के पहले मुख्यमंत्री भगवत दयाल शर्मा : कार्तिकेय

एजेंसी

झज्जर। राज्यसभा सदस्य कार्तिकेय शर्मा ने कहा है कि राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री व महान स्वतंत्रता सेनानी रहे पंडित भगवत दयाल शर्मा का राजनीति में समाज सेवा और ईमानदारी की मिसाल थे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे उनके आदर्शों, सिद्धांतों और त्याग की भावना को अपने जीवन में अपनाएं और प्रदेश और देश के विकास में योगदान दें। सांसद कार्तिकेय पंडित भगवत दयाल शर्मा की 33वीं पुण्यतिथि पर उनकी जन्मस्थली बेरी कस्बे में आयोजित समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि सांसद कार्तिकेय शर्मा ने स्व पंडित भगवत दयाल शर्मा के समाधि स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके योगदान का स्मरण किया। इस दौरान एसडीएम रेणुका नांदल व पंडित भगवत दयाल शर्मा ट्रस्ट की अध्यक्ष आशा शर्मा ने स्व. पंडित

भगवत दयाल शर्मा को नमन करते हुए युवा पीढ़ी से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्तिकेय ने कहा कि पंडित भगवत दयाल शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन समाज सेवा, ईमानदारी और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित रहा। उनकी विचारधारा का मूल आधार यह था कि विकास केवल भौतिक प्रगति तक सीमित न रहकर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन और सामंजस्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पंडित जी के परिवार जन आशा शर्मा द्वारा उनके कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, यह एक सराहनीय कदम है। सांसद शर्मा ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे हॉल निर्माण कार्य में हर संभव मदद करने की घोषणा करते हुए कहा कि इस हॉल में जरूरतमंद बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास भी शुरू करें ताकि गरीब बच्चों को शिक्षा का अवसर मिले। उन्होंने पंडित भगवत दयाल शर्मा स्मृति स्थल के जीर्णोद्धार के लिए ट्रस्ट प्रतिनिधियों को हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान उन्होंने बेरी उपमंडल में बाल विवाह मुक्त अभियान रथ पर हस्ताक्षर कर लोगों को बाल विवाह रोकने और समाज को जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने स्व. पंडित भगवत दयाल शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कुरुक्षेत्र पड़ाव बारे किसानों ने निकाला पैदल मार्च

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर भारतीय किसान एकता (बीकेई) के नेतृत्व में किसानों ने सिरसा जिले के कई गांवों में पैदल मार्च निकाल कर किसानों को सीएम आवास कुरुक्षेत्र पड़ाव में पहुंचने का आह्वान किया।

बीकेई के प्रदेशाध्यक्ष लखविंद्र सिंह ने बताया कि सिरसा से सोमवार को किसानों का जत्था रवाना होगा। लखविंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा किसान विरोधी फैसलों में किसानों में रोष है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका से किया गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किसानों के लिए डेथ वारंट से कम नहीं है। इसलिए उपरोक्त डील को रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकारों की गलत नीतियों व फसलों के सही दाम न मिलने के कारण कर्जदार हुए किसानों, खेत मजदूरों की संपूर्ण कर्जा माफी की जाए। नया बिजली कानून व सीड्स बिल रद्द किया जाए। बुजर्गों का सम्मान भत्ता बंद करने के लिए सरकार कोई बहाना न बहाए। मुख्यमंत्री हरियाणा धान घोटाले में लिप्त अधिकारियों को बर्खास्त करते हुए उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करवाएं। मुख्यमंत्री अपनी की गई घोषणाओं के अनुसार 23 फसलों की एमएसपी पर खरीद करवाएं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की त्रुटियों को दूर किया जाए। नदियों, नालों और खालों की सफाई व खुदाई करवाई जाए। यूरिया व डीएपी खाद समय पर मुहैया करवाई जाए, को-ऑपरेटिव बैंक व सोसायटियों को मजबूत करके नए किसानों को मेंबर बनाया जाए। इस मौके पर हरचरण सिंह पंजुआना, गुरलाल सिंह भंगू, पूर्व सरपंच रोहिड़ांवाली गुरदेव सिंह, भरत गोदारा, बलजिंद्र सिंह, दीपू गिल, पूर्व सरपंच नछत्तर सिंह, गोरा सिंह, बिंद्र सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

सनातन धर्म की परंपराओ में बसती भारतीय संस्कृति की आत्मा : कृष्ण बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि सनातन धर्म की परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नही बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। पर्यावरण शुद्धि तथा आमजन को सनातन संस्कृति से जोडने के उद्देश्य से 108 कुंडीय महायज्ञ जैसे भव्य आयोजन समाज को एकजुट करने और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैबिनेट मंत्री सायं जगतगुरु पीठाधीश चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट श्रीश्री 1008 हरिओम महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा 103वां महायज्ञ की महाआरती में शामिल होकर लोगों को संबोधित कर रहे थे। केबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत भूमि सदियों से संतों, ऋषि मुनियों और महापुरुषों की तपोभूमि रही है। भारतीय संस्कृति का मूल आधार आध्यात्मए नैतिकता और मानवता के उच्च आदर्शों पर टिका हुआ है। हमारे संत, महापुरुषों ने अपने उपदेशों, तप और त्याग से समाज को सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा का मार्ग दिखाया है। प्राचीन काल से ही भारत में ज्ञान की परंपरा रही है। वेद, उपनिषद, पुराण और महाकाव्य जैसे ग्रंथों ने मानव जीवन को दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जहां रामायण हमें मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश देती है वहीं महाभारत धर्म और अधर्म के संघर्ष के माध्यम से सत्य की विजय का संदेश देती है। इसी प्रकार भगवद्गीता जीवन के प्रत्येक संकट में कर्तव्य पालन, कर्मयोग और आत्मबल की प्रेरणा प्रदान करती है। भारतीय संस्कृति में संत, महापुरुषों का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन ग्रंथ केवल धार्मिक पुस्तकें नही बल्कि जीवन प्रबंधन, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता के मार्गदर्शक हैं।

हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी चंडीगढ़ में बनाएगी अपना कार्यालय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी ने चंडीगढ़ में अपना अलग कार्यालय बनाने की कवायद शुरू कर दी है। सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष से मुलाकात के बाद उन्हें इस संबंध में पत्र लिख दिया है। चंडीगढ़ में हाई कोर्ट, सिविल सचिवालय तथा रेडक्रॉस भवन जैसी कई इमारतें हैं जो आज भी पंजाब के साथ साझा तौर पर एक ही परिसर में चल रही हैं। अधिकारियों के आवंटन की तर्ज पर इन इमारतों को भी 60 व 40 प्रतिशत के अनुपात में बांटा गया है। रेडक्रास इमारत भी पंजाब के साथ एक ही परिसर में चल रही है। यहां स्टाफ के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। इसके साथ ही स्टोर, जिलों को भेजे जाने वाली राहत सामग्री व अन्य सामान को रखने की भी जगह नहीं है। लिहाजा, इन तमाम

परेशानियों को देखते हुए वाइस चेयरमैन की ओर से राज्यपाल को नए भवन के लिए जगह मुहैया करवाने को लेकर पत्र लिखा गया है। वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी की ओर से पत्र में उल्लेख किया गया है कि हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी मानवीय सहायता में अग्रणी संस्था है, ऐसे में सोसायटी के विस्तार और बेहतर संचालन के लिए रेडक्रॉस भवन की आवश्यकता है। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि रेडक्रॉस भवन निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित की जाए, ताकि भविष्य की योजनाओं और सेवाओं को एक केंद्रीकृत ढांचे में संचालित किया जा सके। राज्यपाल को लिखे पत्र में वाइस चेयरमैन ने यह भी उल्लेख किया है कि रेडक्रॉस का अपना भवन बनने से प्रशासनिक कार्यों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, रक्तदान शिविरों, आपदा प्रबंधन समन्वय और सामाजिक कल्याण योजनाओं को एक ही परिसर में व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सकेगा। इससे कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी का कहना है कि रेडक्रॉस का अपना भवन होने से वाईआरसी, जेआरसी और गतिविधियों का संचालन आसानी से किया जा सकेगा। प्रस्तावित रेडक्रॉस भवन में ब्लड बैंक भी स्थापित किया जा सकेगा, क्योंकि चंडीगढ़ में पीजीआई और ट्राईसिटी में बड़े अस्पताल होने के चलते ब्लड की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ रही है।

आप भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से चार कदम आगे: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में जनता से जो वायदे किए थे वह चार साल बीत जाने के बाद भी पूरे नहीं हुए है। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त है तथा आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लुधियाना स्थित छट पूजा मैदान में आयोजित पूर्वांचल सम्मान रैली को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री का यहां पहुंचने पर पदाधिकारियों ने अभिन्नदन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस मौके पर पूर्वांचल सम्मान रैली के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लुधियाना एक प्रसिद्ध औद्योगिक नगरी है और इस मेहनतकश धरती को मैं शीश नवा कर नमन करता हूं। पंजाब गुरुओं की, पीरों की और वीरों की भूमि है। लुधियाना की इस ऐतिहासिक धरती पर, जिसे पंजाब की औद्योगिक राजधानी और भारत

का 'मैनचेस्टर' भी कहा जाता है, मुझे आमंत्रित करने के लिए आप सब का वंदन करता हूं। यह रैली केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि परिवर्तन का संदेश है। पंजाब भारत की आत्मा है। यह सीमाओं का प्रहरी है, खेतों की खुशबू है, ढोल की थाप है, गुरूओं की वाणी है और शौर्य की पहचान है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कांग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि दोनों पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त है। आम आदमी पार्टी तो भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनानी है। लोग कांग्रेस और आप को बाहर करने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आम आदमी पार्टी ने चार साल में कुछ नहीं किया। लोगों से झूठ बोला, झूठे सब्जबाज दिखाए। एक भी वायदा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने बाहर का रास्ता दिखाने का काम किया है। इतना ही नहीं केजरीवाल व उसके नेता अपने आपको कट्टर ईमानदारी कहते थे उनका असली चेहरा सारे देश के सामने आया है। केजरीवाल के साथ-साथ उसके नेता जेल में रहे है, इस बात का प्रमाण है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को जन्म दिया, जबकि आम आदमी पार्टी ने इस पर अंकुश लगाने की बजाए, उसे बढाया है, चार कदम इनसे भी आगे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां पर शत प्रतिशत फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी दी जा रही है। लगभग 2 लाख युवाओं को नौकरी देने का काम किया गया है। आयुष्मान/चिरायु योजना के माध्यम से 27 लाख परिवारों का निःशुल्क ईलाज किया गया है।

हम जल की महत्ता को समझें, उसकी कद्र करें और जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं : डा. मिड्ढा

एजेंसी

जींद। संत निरंकारी मिशन की प्रेरणा से एवं संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रोजेक्ट अमृत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन के तहत पांडू पिंडारा तीर्थ घाट में विशाल स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा पहुंचे। इस सेवा कार्य में जींद, जुलाना, बीबीपुर, डाहौला ब्रांच की समस्त संगत एवं सेवा दल के लगभग 500 निरंकारी स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर घाटों की सुंदर एवं व्यवस्थित ढंग से सफाई की तथा आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रूप प्रदान किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि स्वच्छता अभियान के माध्यम से सर्वसमाज को जो प्रेरक संदेश दिया जा रहा है वो काबिलेतारिफ है। हम जल की महत्ता को समझें, उसकी कद्र करें और जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। क्योंकि भविष्य में जल की कमी एक गंभीर चुनौती बन सकती है। सेवादार मोहनलाल ने बताया कि मिशन की आदरणीय सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के मार्गदर्शन में पूरे भारतवर्ष में 1500 से अधिक जल स्रोतों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर इसी प्रकार के स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए हैं। यह अभियान केवल सफाई तक सीमित न रह कर जनमानस में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना जागृत करने का एक सशक्त प्रयास है। संत निरंकारी मिशन सदैव मानवता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहा है और आगे भी इसी प्रकार सेवा एवं जागरूकता के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। सफाई अभियान के पश्चात घाट के किनारे पर सत्संग का भी आयोजन किया गया।

श्रवण कुमार के देश में बढ़ रही वृद्धाश्रमों की संख्या : श्री कौशिक जी महाराज

एजेंसी

गुरुग्राम। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला वृंदावन के संचालक एवं विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि माता-पिता की सेवा में दो ही नाम सर्वोपरि हैं-राम और श्रवण कुमार। राम ईश्वर हैं और श्रवण कुमार साधारण इंसान हैं। श्रवण कुमार का नाम माता-पिता की सेवा के उदाहरण के रूप में सबसे पहले लिया जाता है। दुख की बात है कि श्रवण कुमार के इस देश में वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ रही है। घर में वृद्धों को सम्मान नहीं मिल रहा। यह हमारी संस्कृति नहीं है। इसलिए माता-पिता की सेवा से पीछे ना हटें। माता-पिता, गुरु की जो सेवा करेगा, उसे दुनिया सम्मान देगी।श्री कौशिक जी महाराज ओल्ड ज्यूडिशियल कॉम्पलेक्स में 11 दिवसीय श्रीशिव महापुराण कथा के अंतिम दिन प्रवचन कर रहे थे। महाराज जी ने कहा कि वे जहां भी दीक्षा देते हैं, वहां बार-बार आते हैं। उन्होंने गुरुग्राम में दीक्षा दी है तो यहां बार-बार आएंगे ही। श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि माता-पिता के चरण छूने भर से शिवलिंग पर एक लोटा जल चढ़ाने का फल मिलता है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता

अपने बच्चों को बचपन से ही धर्म से भी जोड़ें। उन्हें धार्मिक बनाएं। पूज्य गुरुजी ने कहा कि अच्छे लोगों का सानिध्य करें। संतों के साथ बैठें। अच्छी किताबें पढ़ें। सत्संग करें। सत्संग करेंगे तो गृहस्थ के काम अच्छे होंगें। सत्संग ही ईश्वर का संग दिला सकता है। साथ ही उन्होंने विदुर नीति पढने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विदुर नीति पढने से व्यक्ति किसी के साथ एक रुपये की बेइमारी नहीं करेंगे। महिलाओं का घर में सम्मान करने के लिए आह्वान करते हुए गुरुजी ने कहा कि आपका खानदान ऋणी है, इसलिए इनका नाम गृहिणी है। हर अच्छे काम में इनकी भूमिका, भीड़ रहती है। मंदिर में इनकी भीड़, कथा में इनकी भीड़, चार धाम में इनकी भीड़। पूरे परिवार को ये ही संभालती हैं। इसलिए कभी इनका दिल नहीं दुखाना। इनकी आंखों में आंसु नहीं आने देनना। इसके घर में आने से तरक्की के रास्ते खुलते हैं। देवी स्वरूपी माता-बहनों को सदा सम्मान दिया करें। गुरुजी ने कहा कि जिस घर में भाई अपने भाई का आदर करता है, वह घर अयोध्या बन जाता है। जिस घर में भाई अपने भाई का सम्मान नहीं करता, वहां महाभारत होने से कोई रोक नहीं सकता।

विराट हिंदू सम्मेलन में संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र सेवा का संदेश

एजेंसी

यमुनानगर। भारतीय संस्कृति के मूल्यों, सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से यमुनानगर के सेक्टर-17 के रेडक्रास मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिकों, महिलाओं और युवाओं ने सहभागिता कर सांस्कृतिक चेतना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। सम्मेलन से पूर्व मातृशक्ति द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसने पूरे परिसर को आध्यात्मिक वातावरण से ओतप्रोत कर दिया। इसके उपरांत वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार हवन-यज्ञ आयोजित हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने राष्ट्र की उन्नति और समाज में सद्भाव की कामना करते हुए पूर्णाहुति दी। मुख्य वक्ता संत संत गोपाल जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कारयुक्त जीवन ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल भावनात्मक विषय नहीं बल्कि दैनिक आचरण से जुड़ा कर्तव्य है। भारतीय जीवन पद्धति के 16 संस्कारों को अपनाने से परिवार और समाज दोनों में नैतिक मूल्यों का विकास संभव है। आध्यात्मिक वक्ता दीदी बीके अंजू ने सनातन परंपरा को मानवता के लिए शांति, संयम और

सहअस्तित्व का मार्ग बताते हुए कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों को व्यवहार में उतारना समय की आवश्यकता है। उत्तर क्षेत्र प्रचार प्रमुख अनिल कुमार ने समाज को जोड़ने वाली समदृष्टि को हिंदू जीवन दर्शन का मूल बताते हुए सेवा और संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक यात्रा का उल्लेख किया।

मातृशक्ति लाएगी बड़ा सामाजिक परिवर्तन, भारत बनेगा विश्वगुरु: पवन जिंदल

एजेंसी

गुरुग्राम। उत्तर क्षेत्रीय संघ चालक पवन जिंदल ने कहा है कि मातृशक्ति समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं। जिस दिन भारत की महिलाएं पूरी शक्ति के साथ आगे आएंगी, उस दिन देश विश्व नेतृत्व की ओर बढ़ेगा और विश्वगुरु बनने का मार्ग प्रशस्त होगा। संघ चालक पवन जिंदल सेक्टर-14 के सामुदायिक भवन में हिंदू सम्मेलन समिति की ओर से आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित ऐसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज विश्व स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। विश्व पटल पर सभी मुख्य संस्थानों जैसे की यूनिवर्सिटीज में अनेको विद्वान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क्या है? विषय पर शोध एवं डॉक्ट्रेट कर रहे है। अपने अभिभाषण में पवन जिंदल ने उपस्थित जनमानस, विशेषकर महिलाओं को सम्भोदित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षो के इतिहास से परिचित कराया। इस अवसर पर महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रध्यापक (सेवानिवृत्त) डॉ. बलबीर आचार्य और सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. रणजीत सिंह ने भी सभा को संबोधित करते हुए समाज के उत्थान

के लिए सामान्य सोच से ऊपर उठने का आह्वान किया। उन्होंने देश के सामने मौजूद तीन प्रमुख चुनौतियों आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा पर विशेष रूप से प्रकाश डाला और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई।इससे पहले दिन की शुरुआत सुबह सेक्टर-14 स्थित हनुमान मंदिर से निकली कलश यात्रा से हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित कीर्तन में भजनों और सामूहिक प्रार्थनाओं से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रवक्ताओं के प्रवचनों का आयोजन हुआ, जिसमें सनातन मूल्यों, सामाजिक समरसता और सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में हिंदू सम्मेलन समिति, सेक्टर-14 के कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-14, श्री हनुमान मंदिर सभा, आर्य समाज मंदिर सभा, महिला कीर्तन मंडली, इत्यादि ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

वैदिक मंत्रोच्चारण व जनजागरण के साथ हिंदू महासम्मेलन सम्पन्न

एजेंसी

कैथल। शहर के सेक्टर 19 में हिंदू महासम्मेलन का भव्य आयोजन वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन-यज्ञ और जनजागरण कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र हवन-यज्ञ से हुई, जिसमें महंत रमन पुरी महाराज एवं महंत रूद्र पुरी महाराज ने पूर्ण आहुति डालकर उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। वैदिक विधि-विधान से पं. नरेश शर्मा एवं उनके विद्यार्थियों ने हवन सम्पन्न कराया। वातावरण वेद मंत्रों से गुंजायमान हो उठा और श्रद्धालुओं ने धर्म एवं संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत एवं कुलसचिव डॉ. संजय गोयल ने भी पूर्ण आहुति डालकर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। समाजसेवी रामप्रताप गुप्ता, बहादुर सैनी तथा डॉ. आरपी मान सहित अनेक प्रमुख व्यक्तियों ने यज्ञ में भाग लिया।सभा को संबोधित करते हुए महंत रमन पुरी महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदू समाज को संगठित और जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से धर्म, संस्कार और संस्कृति के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। कुलगुरु प्रो. अनायथ ने हिंदू धर्म के सिद्धांतों की व्यावहारिकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सनातन परंपरा जीवन को संतुलित, अनुशासित और नैतिक दिशा प्रदान करती है।डॉ. आरपी मान ने समाज सेवा को धर्म का सर्वोच्च रूप बताते हुए चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज के प्रति समर्पित रहने की घोषणा की। समाजसेवी बहादुर सैनी ने नई पीढ़ी को मोबाइल फोन के दुष्प्रभावों से बचाने की अपील की और अभिभावकों से बच्चों के संस्कारों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

स्कोडा की नई रणनीति, काइलैक से सीएनजी और ईवी में बदलाव

लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी

नई दिल्ली। स्कोडा आटो इंडिया की कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक ब्रांड के विकास का प्रमुख आधार बन चुकी है। 2025 की शुरुआत में लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी है और 2026 में भी इसी गति के बनाए रखने की संभावना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, काइलैक अब कंपनी की कुल बिक्री में लगभग 60 फीसदी योगदान देती है। समूह स्तर पर स्कोडा आटो वोक्सवेगन इं डिया की कुल बिक्री में इस श्रेणी का 40 फीसदी हिस्सा है। कंपनी फैक्टरी-फिटेड सीएनजी मॉडल पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा पहले से ही सीएनजी पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि थर्ड-पार्टी रेट्रोफिट के विकल्प पर विचार नहीं किया जाएगा और कोई भी सीएनजी पेशकश फैक्टरी में तैयार होगी। हालांकि लॉन्च की सटीक समय-सीमा नहीं बताई गई, लेकिन संकेत दिए गए हैं कि सीएनजी वेरिएंट जल्द ही उपलब्ध हो सकता है। ईवी के मामले में कंपनी सतर्क दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उनका कहना है कि भारत में मुख्य खिलाड़ी बनने के लिए ईवी पोर्टफोलियो आवश्यक है। फोकस भारत में बनी ईवी पर है, जिसमें निर्यात की संभावना भी शामिल है। यूरोपीय ईवी का सीमित आयात रणनीतिक रूप

से उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। आगामी कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी फेज-3 मानदंड उत्सर्जन लक्ष्यों को कड़ा करेंगे। ऐसे में सीएनजी और ईवी में विस्तार अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि व्यापक बाजार वाली श्रेणियों में बिक्री बढ़ने पर उत्सर्जन संतुलन के लिए आवश्यक बन गया है।

रूस के तेल पर प्रतिबंधों का असर, भारत का कच्चा तेल आयात बदलते संतुलन की ओर

मुंबई ।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात धीरे-धीरे घट रहा है। फरवरी 2026 की शुरुआत में रोजाना लगभग 1.09 मिलियन बैरल तेल रूस से आया, जो जनवरी के 1.22 मिलियन बैरल से 10 फीसदी कम है। शिपिंग डेटा और विशेषज्ञों के अनुसार मार्च में यह और घटकर 8-10 लाख बैरल प्रतिदिन रह सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से डिस्काउंट पर बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था, लेकिन अब वह दौर धीरे-धीरे स्थिर हो रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण रूस से आयात बढ़ाना सीमित है। रूस से घटती सप्लाई की जगह मध्य पूर्व के देश भर रहे हैं। सऊदी अरब फरवरी में भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है, जहां से रोजाना 1-1.1 मिलियन बैरल तेल मिलने की उम्मीद है। महीने के आंकड़े अभी तक 1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक जा चुके हैं।

मार्च की शुरुआत में थोड़ी कमी की संभावना है। इसके बाद रूस और इराक क्रमशः सप्लाई देंगे। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इराक को पछाड़कर भारत के कुल आयात का लगभग 40 फीसदी हिस्सा ले लिया था, लेकिन अब यह हिस्सा घट रहा है। फरवरी के पहले 18 दिनों में भारत का औसत आयात 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 5.25 मिलियन बैरल से 8 फीसदी कम है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव केवल कीमतों से नहीं बल्कि सैंक्शन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स से आएगा।

जीडीपी का नया आधार वर्ष, डब्ल्यूपीआई को लेकर मतभेद

- वास्तविक वृद्धि के आकलन में गड़बड़ी की आशंका

नई दिल्ली । भारत इस शुक्रवार से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय आय के आंकड़ों को अधिक समकालीन, सटीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों के बीच इस बात पर मतभेद है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का आधार वर्ष 2011-12 ही बने रहने से वास्तविक (रियल) वृद्धि के अनुमान प्रभावित हो सकते हैं या नहीं। सांख्यिकी मंत्रालय ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का आधार 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है, लेकिन डब्ल्यूपीआई का आधार वर्ष अब तक संशोधित नहीं हुआ है। डब्ल्यूपीआई के आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय संकलित करता है और राष्ट्रीय लेखा में इसका उपयोग विभिन्न उद्योगों के उत्पादन को डिफ्लेट करने के लिए किया जाता है। बाजार के जानकारों ने डब्ल्यूपीआई को राष्ट्रीय लेखा की सबसे कमजोर कड़ी बताया है। उनका कहना है कि भले ही सूचकांक की टोकरी और भार न बदले जाएं, आधार वर्ष का अद्यतन आवश्यक है ताकि नॉमिनल और रियल जीडीपी के बीच विसंगतियां न पैदा हों। उन्होंने सीपीआई और डब्ल्यूपीआई के रुझानों में तालमेल की कमी पर भी चिंता जताई। वहीं भारत के एक सांख्यिकीविद् का मानना है कि डब्ल्यूपीआई का उपयोग उद्योग-विशेष स्तर पर किया जाता है और इसका प्रभाव समग्र जीडीपी पर सीमित हो सकता है। उनके अनुसार, अद्यतन डेटा होना बेहतर है, लेकिन स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी आउटडेटेड सीपीआई के मामले में होती। नई जीडीपी श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र के लिए डबल डिफ्लेशन पद्धति लागू की जा सकती है, जिससे उत्पादन और लागत को अलग-अलग समायोजित कर अधिक सटीक वास्तविक वृद्धि का अनुमान लगाया जा सके।

टैरिफ बढ़ोतरी से सोना और चांदी में जोरदार उछाल

- सोना 1.60 लाख पार, चांदी भी 2,63,061 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है, जिसका असर सोना और चांदी के वायदा भाव पर साफ दिखाई दे रहा है। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं ने आज तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,582 रुपये की तेजी के साथ 1,58,458 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,56,876 रुपये था। फिलहाल सोना 3,173 रुपये की बढ़त के साथ 1,60,049 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसने 1,60,600 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,58,117 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के मार्च वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी मजबूती रही। यह 10,117 रुपये की तेजी के साथ 2,63,061 रुपये पर खुला। बाद में 14,729 रुपये की बढ़त के साथ 2,67,673 रुपये पर कारोबार करता दिखा। चांदी ने दिन में 2,67,929 रुपये का उच्च और 2,63,061 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के शिखर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूती का रुख है। कॉमेक्स पर सोना 5,128.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 5,188.20 डॉलर तक पहुंच गया। वहीं चांदी 84.60 डॉलर पर खुलकर 87.11 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ बढ़ोतरी से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोना-चांदी को मजबूत समर्थन मिल रहा है।

होली पर 80 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, देसी उत्पादों की धूम

- पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा

मुंबई ।

इस साल होली देशभर के व्यापारियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कॉन्फेडरेशन आफ आल इं डिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार त्योहार के मौके पर 80,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान का असर अब बाजारों में साफ नजर आ रहा है। अब होली के रंग, पिचकारियां और सजावटी सामान स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों से भरे बाजारों में मिल रहे हैं। ग्राहकों में सेहत और त्वचा को लेकर जागरूकता बढ़ने से केमिकल रंगों की बजाय हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग तेजी से बढ़ी है। बच्चों के लिए स्पाइडर-मैन और छोटा भीम वाली पिचकारियां खास आकर्षण बनी हैं। कपड़ों में सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और प्रिंटेड टी-शर्ट की बिक्री बढ़ी है। राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कैट के अनुसार अकेले दिल्ली में 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। मिठाई की दुकानों पर गुजिया की मांग चरम पर है, और ड्राई फ्रूट्स, गिफ्ट आइटम्स और एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी है। त्योहार के दौरान सर्विस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी लाभान्वित हुआ है। दिल्ली में 3,000 से ज्यादा सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, और बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और बड़े रेस्टोरेंट लगभग फुल बुक हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.94 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे उछलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी करने की आशंकाओं के बीच डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.76 पर खुला और फिर 90.73 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.94 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 97.47 पर रहा।

आरबीआई बैठक में सीतारमण ने बैंकों को मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देने का सुझाव दिया

अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी

नई दिल्ली । नई दिल्ली में स्थित आरबीआई भवन में रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 61वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा मौजूद थे। सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्री हालात की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बैंकों को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए और बीमा उत्पादों की गलत बिक्री से बचना चाहिए। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सोने-चांदी का आयात चिंताजनक स्तर पर नहीं है और रिजर्व बैंक इस पर नजर रख रहा है। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी है। आरबीआई गवर्नर ने आश्वासन दिया कि सोने के आयात को लेकर कोई खास चिंता नहीं है। बाहरी क्षेत्र मजबूत है और चालू खाता घाटा नियंत्रण योग्य स्तर पर है, जिससे अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

बिटकॉइन 64,300 डॉलर पर फिसला, क्रिप्टो मार्केट में गिरावट

- 65,000 डॉलर के नीचे लुढ़का भाव

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 65,000 डॉलर के अहम स्तर से नीचे फिसलकर लगभग 64,300 डॉलर पर आ गई। यह पिछले आठ महीनों का सबसे निचला स्तर है। काइन मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन में गिरावट लगभग 4.8 फीसदी दर्ज की गई। इसी तरह, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथे रियम 5 फीसदी से अधिक टूट गई। इसके अलावा, प्रमुख टोकन जैसे एक्सआरपी और बाइनेंस काइन में भी 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। स्टेबलकॉइन टेथर लगभग 1 डॉलर पर स्थिर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित 15 फीसदी ग्लोबल टैरिफ ने निवेशकों को जोखिम संपत्तियों से दूर रहने पर मजबूर किया। इससे पहले यूएस सुप्रीम कोर्ट ने आईईईपीए के तहत लगाए गए पुराने टैरिफ को रद्द किया था, लेकिन कुछ ही घंटों में नए शुल्क लागू कर दिए गए। इस अप्रत्याशित कदम ने बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी। बाजार में जोखिम से बचाव की रणनीति अपनाते हुए निवेशक अब सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर झुक रहे हैं, जहां लगभग 2 फीसदी की तेजी देखी गई। मुद्रेक्स के क्वांट विश्लेषकों का कहना है कि क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार निकासी भी बिकवाली को तेज कर रही है। इस वजह से सिर्फ बिटकॉइन ही नहीं, बल्कि पूरी क्रिप्टो इंडस्ट्री प्रभावित हुई। कुल क्रिप्टो मार्केट कैप घटकर लगभग 2.23 ट्रिलियन डॉलर रह गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 479, निफ्टी 141 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। सकारात्मक वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की वापसी और बैंकिंग सेक्टर में मजबूती से भी बाजार को समर्थन मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स479.95 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,294.66 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। आज । निफ्टी मिडकैप 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एनएसई स्मॉलकैप 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ आज निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर शेयरों में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी केमिकल्स इंडेक्स भी फिसला।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही और ये सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। वहीं, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

इस तरह, भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में लगातार दूसरे सत्र में बढ़त रही। पीएसयू बैंक और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी से बाजार धारणा मजबूत हुई । इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ आये अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे पहले सुबह बाजार की मजबूत शुरुआत हुई। संबह सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 82,906 पर खुला। वहीं निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,678 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 149.10 अंक की बढ़त के साथ 25,720 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं पिछले दिन शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक उछलकर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ था।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने धोखाधड़ी के आरोपों से किया इनकार

हरियाणा सरकार ने सरकारी कामकाज से अस्थायी रूप से समिति से किया बाहर

नई दिल्ली । हरियाणा सरकार ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को सरकारी कामकाज से अस्थायी रूप से समिति से बाहर (डी-एम्पैनल्ड) कर दिया है। यह कदम दोनों बैंकों पर धोखाधड़ी के आरोपों के मद्देनजर उठाया गया। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि उसके द्वारा खोले गए सरकारी खाते सभी आवश्यक केवाईसी जांच और प्राधिकरण प्रक्रिया के अनुरूप थे। बैंक ने यह भी कहा कि उसके पास पूर्ण ऑडिट ट्रेल और सभी दस्तावेज मौजूद हैं, जिन्हें संबंधित सरकारी विभाग को उपलब्ध करा दिया गया है। सरकारी खाते में पहले 25 करोड़ रुपये की राशि एक बड़े निजी बैंक से स्थानांतरित की गई। इसके बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से 47 करोड़ रुपये 14 लेनदेन के माध्यम से प्राप्त हुए। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन सरकारी विभाग के निर्देशानुसार और सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के तहत किए गए। बैंक ने बताया कि खाता 15 जनवरी 2026 को बंद कर दिया गया और शेष राशि मूल बैंक को ब्याज सहित लौटा दी गई। आंतरिक जांच जारी है और कुछ कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाया गया। बैंक ने कहा कि प्रारंभिक समीक्षा में किसी वित्तीय नुकसान या धोखाधड़ी का संकेत नहीं मिला। 17 फरवरी 2026 तक बैंक में हरियाणा सरकार की जमा राशि 735 करोड़ रुपये थी, जो 21 फरवरी तक घटकर 538 करोड़ रुपये रह गई। बैंक ने पारदर्शिता और सरकारी धन की सुरक्षा पर जोर देते हुए पुनः समिति में शामिल होने के लिए सरकार और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत जारी रखी है।

क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी का आईपीओ खुला

- मीडियम-लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अवसर

नई दिल्ली । क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का आईपीओ सोमवार, 23 फरवरी से खुल गया है और यह 25 फरवरी तक खुला रहेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 20 फरवरी को लगी थी। आईपीओ का प्राइस बैंड 1,000 से 1,053 रुपए प्रति शेयर रखा गया है। निवेशक कम से कम 14 शेयरों का एक लॉट खरीद सकते हैं, जिससे एक लॉट की कीमत लगभग 14,742 रुपए होगी। शेयर 2 मार्च 2026 को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने की संभावना है। कंपनी कुल 3,100 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखती है। इसमें 1,200 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसके तहत लगभग 1.14 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 1,900 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसमें प्रमोटर बीजीटीएफ वन होल्डिंग्स और केएमपीआईएनसी एलएलपी अपने शेयर बेचेंगे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ की धोखाधड़ी, शेयर 20 फीसदी तक लुढ़के

- निवेशकों के डूबे 14,000 करोड़, बैंक का मार्केट कैप घटकर 57,485.60 करोड़ रह गया

मुंबई।

चंडीगढ़ स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा में लगभग 590 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी सामने आई है। बैंक के अनुसार शाखा के कुछ कर्मचारी हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में बिना अनुमति के लेनदेन कर रहे थे, जिससे जमा राशि में बड़ा अंतर उत्पन्न हुआ। यह राशि बैंक की तिमाही कमाई से भी अधिक बताई जा रही है। इस घटना से बैंक के शेयरों और निवेशकों को बड़ा झटका लगा। सोमवार को एनएसई पर शेयर 20 फीसदी तक गिरकर 67 रुपए के लोअर सर्किट पर पहुंच गए। बैंक का मार्केट कैप 71,854.85 करोड़ से घटकर 57,485.60 करोड़ रुपए रह गया, यानी एक ही दिन में लगभग 14,369 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। यह मार्च 2020 के बाद बैंक के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। धोखाधड़ी तब उजागर हुई जब हरियाणा सरकार ने अपने खातों को बंद कर राशि अन्य बैंक में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मिलान प्रक्रिया के दौरान बैंक रिकॉर्ड और सरकारी विभागों द्वारा बताई गई राशि में अंतर पाया गया। 18 फरवरी 2026 के बाद अन्य सरकारी संस्थानों से संपर्क करने पर और विसंगतियां सामने आईं।

बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से फोरेंसिक ऑडिट शुरू किया। दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक, दीवानी और आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। संदिग्ध खातों में जमा रकम पर रोक लगाने के लिए संबंधित बैंकों से संपर्क किया गया। बैंक का कहना है कि मामला केवल चंडीगढ़ शाखा और कुछ सरकारी खातों तक सीमित है, अन्य ग्राहकों पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा। निवेशक अब जांच की प्रगति और बैंक की अगली रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ठाणे में 18 एकड़ की नई आवासीय परियोजना बनाएगा

भूस्वामी के साथ की साझेदारी, 7500 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मुंबई क्षेत्र में अपने विस्तार के तहत ठाणे में 18 एकड़ के भूखंड के विकास के लिए संयुक्त विकास समझौता (जेडीए) किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह परियोजना मुख्य रूप से आवासीय होगी और इससे 7,500 करोड़ रुपए से अधिक का संभावित राजस्व अर्जित होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी ने भूस्वामी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज रणनीतिक रूप से जमीन की सीधी खरीद और भूस्वामी के साथ संयुक्त विकास दोनों मॉडल के माध्यम से परियोजनाओं का विकास करती है। कंपनी का कहना है कि उच्च संभावनाओं वाले सूक्ष्म बाजारों में विस्तार उसकी वृद्धि रणनीति का अहम हिस्सा है और इसका उद्देश्य मकान खरीदारों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ठाणे मुंबई महानगर क्षेत्र का सबसे आकर्षक स्थान बनकर उभरा है। यह परियोजना ठाणे में कंपनी की चौथी परियोजना होगी, जिससे क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 फीसदी बढ़कर 24,008 करोड़ रुपए हुई।

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा-निदेर्शों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है। जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है।

राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है। सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू-धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे। मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है।

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी।

आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है। इन वादों को सामाजिक लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर के केंद्र में लाने का विचार समाजवादी राजनीतिक दलों का रहा है, लेकिन इसे मूर्त रूप में लाने वाले कांग्रेसी मूल के राजनेता ही रहे हैं। समाजवादी दलों के ही परोक्ष समर्थन से पहली बार तीस मई 1933 को बिहार के मौजूदा रोहतास जिले के करगहर में त्रिवेणी संघ की स्थापना हुई थी। जिसमें कोइरी यानी कुशवाहा, कुर्मी और यादव जातियों के नेता साथ आए थे और पिछड़ावादी राजनीति की नींव डाली थी। एक तरह से जातिवादी राजनीति की नींव आजादी के पहले ही पड़ गई थी। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करते वक्त विश्वनाथ प्रताप सिंह भले ही जनता दल नामक समाजवादी विचारधारा वाले दल के नेता थे, लेकिन महज तीन साल पहले तक वे कांग्रेसी थे। अर्जुन सिंह भी कांग्रेसी ही थे। आज राहुल गांधी भी जाति जनगणना को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। पता नहीं राहुल गांधी को पता है या नहीं, अर्जुन सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह को जानकारी जरूर रही होगी। राहुल गांधी की दादी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून 1961 को देश के मुख्यमंत्रियों के नाम तीस पैराग्राफ का एक लंबा खत लिखा था। उसके चौबीसवें से छब्बीसवें पैरे में नेहरू ने आज की जाति आधारित आरक्षण को एक तरह से नकार दिया है। उस चिट्ठी में उन्होंने भारत को बनाने को लेकर उनकी जो सोच रही, उसका गहन जिक्र किया है। इस पत्र में नेहरू स्पष्ट रूप से अपने विचार को जाहिर करते हैं। वे आरक्षण आधारित विकास और समाज नहीं चाहते थे, बल्कि ज्ञान केंद्रित समाज का विकास चाहते थे। नेहरू के लिखा था, 'मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है। खासकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है।'

यूजीसी की गाइडलाइन का विरोध कर रहे लोग अगर आज यही बात कहें तो उन्हें सामाजिक न्याय का विरोधी माना जाएगा। मंडल आयोग की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद से जिस तरह का राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज अपने लोगों के विकास और आरक्षण विरोध की बात करने की हिम्मत नहीं दिखा पाता था। ऐसा करने से उसे दकियानूस माने जाने का खतरा नजर आता था। इसलिए उसने चुप्पी साधे रखी। लेकिन बाद के वर्षों में एससी-एसटी कानून का सवर्ण समाज के खिलाफ जारी दुरूपयोग ने सामाजिक रूप से आगे माने जाते रहे वर्णों और जातियों को मौका मिला। बाढ़ का पानी जब नाक तक पहुंच जाता था, तब व्यक्ति उससे बचाव के लिए छटपटाने लगता है। सवर्ण समाज के लिए यूजीसी की गाइडलाइन नाक तक पहुंचा बाढ़ का पानी है। उसी पानी से बचाव की छटपटाहट ही है कि गाइडलाइन के खिलाफ समूचे देश के सवर्ण समाज में गहन क्षोभ और गुस्सा नजर आ रहा है। अब सवर्ण समुदाय के नौजवान तर्क देने से हिचक नहीं रहे कि जब पिछड़ावाद हो सकता है, दलितवाद प्रगतिशील विचार हो सकता है, अल्पसंख्यकवाद सामाजिक न्याय का प्रतीक हो सकता है तो ब्राह्मणवाद या सवर्णवाद दकियानूस क्यों? सवर्ण समुदाय के बच्चों का कहना है कि माना कि उनके पूर्वजों ने गलती की तो उसकी सजा हम क्यों भुगतें। ध्यान देने की बात है कि राममंदिर आंदोलन के बाद सवर्ण समाज ने पूरी तरह बीजेपी का दामन थाम लिया। उसे बीजेपी में अपनी दबी भावनाओं की अभिव्यक्ति की राह दिखती रही है। लेकिन यूजीसी की गाइडलाइन से वह भौंचक्क रह गया। यही भौंचक्कापन अब गुस्से के रूप में नजर आ रहा है। सत्ता पर निगाह जमाए बैठे विपक्षी दल पर्दे के पीछे से इस गुस्से को हवा दे रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें पिछड़ा वोटर के बिदकने का खतरा भी नजर आ रहा है, इसी सोच के चलते वे गाइडलाइन के खिलाफ खुलकर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

ऐसा नहीं कि बीजेपी में इस आफत की काट नहीं खोजी जा रही होगी। बीजेपी संगठन और सरकार के आलानेता इस जातीय विमर्श को ठंडा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन इस समस्या का समाधान ढूंढ़ने में जितनी देर होगी, जाति विमर्श उतना ही बढ़ेगा। अगर सवर्ण समुदाय का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बीजेपी की चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

संपादकीय

कचरे का बोझ

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है। दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुमार्ना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है।

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधारः केंद्रीय उत्पाद शुल्क

दिलीप कुमार पाठक

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है।

इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है। विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझेगा। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम कर चोरी जैसी बुराइयों को खत्म करने में सहयोग करेंगे और एक ईमानदार करदाता बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। हमारी छोटी सी ईमानदारी ही कल के समृद्ध भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी'

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

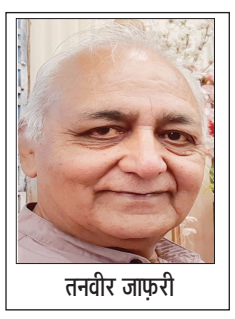

तनवीर जाफ़री

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ़्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट खरीदने की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी रेवड़ी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीं इस मुफ़्त रेवड़ी का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप अगले महीने जाएंगे चीन की यात्रा पर, टैरिफ पर रहेगा फोकस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 31 मार्च से दो अप्रैल तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान ट्रंप अपने चीनी समकक्ष शी जिनफिंग से मुलाकात करेंगे और टैरिफ समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को इस यात्रा की पुष्टि की। यह यात्रा ऐसे समय में घोषित की गई है, जब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की ओर से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए शुल्कों (टैरिफ) को रद्द कर दिया है। इनमें चीन के खिलाफ लगाए गए कुछ शुल्क भी शामिल थे।

379 राजनीतिक कैदियों की जल्द रिहाई, विरोधी नेताओं को राहत

वेनेजुएला, एजेंसी। राजनीतिक कारणों से कैद 379 लोगों को इस सप्ताहांत रिहा किया जा सकता है। यह रिहाई हाल ही में पारित आम क्षमा कानून के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस कानून के तहत विपक्षी सदस्य, कार्यकर्ता, मानवाधिकार रक्षक, पत्रकार और कई अन्य कैदियों को लाभ मिलेगा। विशेष आयोग के अध्यक्ष जॉर्ज अरेजा ने कहा कि 379 क्षमा आवेदन प्राप्त हुए हैं और शुक्रवार से शनिवार तक रिहाई की प्रक्रिया पूरी होगी। कानून के तहत हत्या, मादक पदार्थ तस्करी, गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन और सैन्य विद्रोह में दोषी पाए गए लोग शामिल नहीं हैं। फोरो पेनाल के अध्यक्ष अल्फ्रेडो रोमेरो ने कहा कि यह असमान और असंवैधानिक है कि कुछ राजनीतिक कैदियों को बाहर रखा गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि सभी राजनीतिक कैदियों पर कानून लागू होना चाहिए। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि यह कानून राजनीतिक नेताओं की सहिष्णुता बढ़ाने और देश में नए राजनीतिक मार्ग खोलने का संकेत है।

अमेरिकी दबाव में वेनेजुएला ने क्यूबा के सुरक्षा बलों को हटाया

वॉशिंगटन , एजेंसी। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर अमेरिका की ओर से लैटिन अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण वामपंथी गठबंधन को खत्म करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इसके कारण क्यूबा के सुरक्षा सलाहकार और डॉक्टर वेनेजुएला छोड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अपनी सुरक्षा के लिए वेनेजुएला के अंगरक्षकों को नियुक्त किया है।

लेबनान पर इस्राइली हमले में हिजबुल्ला नेता समेत 14 मरे

लेबनान, एजेंसी। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्राइली हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ नेता समेत 14 लोग मारे गए। हमले में कम से कम 50 लोग घायल हुए हैं जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। लेबनान में हमले ऐसे समय में किए गए हैं जब परमाणु समझौते के मुद्दे पर ईरान व अमेरिका के बीच तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अशांति का खतरा बढ़ गया है।

अग्निकांड पीड़ितों के क्षतिग्रस्त घरों को खरीदेगी हांगकांग सरकार

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग की सरकार ने अग्निकांड के पीड़ितों के लिए पुनर्वास योजना का एलान किया है। इसके तहत लोगों से बुरी तरह जल चुके उनके अपार्टमेंट्स के मालिकाना हक खरीदने की पेशकश की गई है। सरकार का लक्ष्य प्रभावित लोगों को वित्तीय रूप से स्वतंत्र करना है ताकि वे कहीं और अपनी पसंद का घर ले सकें। नवंबर 2025 में वांग फुक कोर्ट में आवासीय परिसर में लगी भीषण आग ने 1948 के बाद की सबसे बड़ी तबाही मचाई थी, जिसमें 128 से अधिक लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए थे।

मधेश में मस्जिद के सामने बारात निकालने पर दंगा, घरों में की तोड़फोड़; दो पुलिसकर्मी समेत आठ घायल

नेपाल, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश के सीमावर्ती रौतहट जिले के गौर नगरपालिका क्षेत्र में मस्जिद के सामने से बारात निकालने पर दंगा हो गया। दो समुदायों में झड़प के बाद आगजनी की घटनाएं शुरू हो गईं। पथराव और मारपीट में दो पुलिसकर्मी समेत आठ लोग घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार दोपहर से अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया है। इसके बाजवूद गौर के भीतरी इलाकों में तनाव बना हुआ है। आगजनी की घटनाएं पूरी तरह नहीं रुक सकी हैं। प्रशासन के अनुसार, गौर नगरपालिका-6 स्थित सनगढ़ा गांव में बृहस्पतिवार शाम को मस्जिद में नमाज पढ़ी जा रही थी। इसी दौरान मस्जिद के सामने से बारात निकली, जिसमें बाजे बज रहे थे। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बाजा बजाए जाने पर आपत्ति जताई और बारात को रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हो गई। इस दौरान किसी ने एक वाहन में आग लगा दी। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सैकड़ों दंगा पुलिस को इलाके में तैनात कर दिया।

संविधान मानिए, एकतरफा नहीं चल सकता टैरिफ, राष्ट्रपति ट्रंप को नील कात्याल की खुली चुनौती

वॉशिंगटन, एजेंसी। नील कात्याल का कहना है कि अगर टैरिफ वाकई अच्छे और जरूरी हैं तो सरकार को कांग्रेस को मनाकर कानून के जरिए मंजूरी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान भी यही प्रक्रिया बताता है। इस विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि क्या व्यापार घाटे को भुगतान संतुलन घाटा माना जा सकता है, जबकि आर्थिक और कानूनी विशेषज्ञ इसे अलग-अलग मानते हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए नए वैश्विक टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। मशहूर भारतीय-अमेरिकी वकील नील कात्याल ने ट्रंप के फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं और कहा है कि अगर राष्ट्रपति को इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाना है तो उन्हें संविधान के अनुसार कांग्रेस से मंजूरी लेनी चाहिए, न कि सिर्फ अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके ऐसा करना चाहिए।

ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 का आधार कमजोर : कात्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ट्रंप जिस कानून, ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122, का सहारा लेकर 15त्न तक का वैश्विक टैरिफ लगा रहे हैं, वह कानूनी तौर पर कमजोर आधार है। उन्होंने बताया कि पहले इसी मामले में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि यह धारा यहां लागू ही नहीं होती, क्योंकि व्यापार घाटा और भुगतान संतुलन घाटा दोनों अलग चीजें हैं। अब सरकार उसी धारा का इस्तेमाल कर रही है, जो खुद उसकी पहले की दलील से टकराता है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को किया रद्द : यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पुराने व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि टैक्स लगाने का अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस के पास होता है और राष्ट्रपति ने आईईईपीए कानून का गलत इस्तेमाल किया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने तुरंत नया रास्ता अपनाते हुए पहले 10त्न का वैश्विक टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 15त्न कर दिया गया। ट्रंप ने इसे अस्थायी आयात शुल्क बताया और कहा कि यह अमेरिका के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। कात्याल का कहना है कि अगर टैरिफ वाकई अच्छे और जरूरी हैं तो सरकार को कांग्रेस को मनाकर कानून के जरिए मंजूरी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान भी यही प्रक्रिया बताता है। इस विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि क्या व्यापार घाटे को भुगतान संतुलन घाटा माना जा सकता है - जबकि आर्थिक और कानूनी विशेषज्ञ इसे अलग-अलग मानते हैं।

पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने किया कात्याल का समर्थन इस बहस को और वजन तब मिला जब अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्री और आईएमएफ की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी गीता गोपीनाथ ने भी कात्याल की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कात्याल इंटरनेशनल इकॉनॉमिक्स की बुनियादी बात समझा रहे हैं और सरकार का तर्क आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर लगता है। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर पड़ सकता है असर इस बीच, इस फैसले का असर भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि भारत समेत सभी देशों पर यह नया टैरिफ लागू होगा, जब तक कोई नया समझौता नहीं हो जाता। भारत सरकार ने कहा है कि वह इस पूरे घटनाक्रम का अध्ययन कर रही है और उसके असर का आकलन किया जा रहा है।

ईरान पर सीमित सैन्य हमले पर विचार कर रहे ट्रंप, खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने के लिए सीमित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने स्पष्ट किया, मैं कह सकता हूं कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, हालांकि तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सीएनबीसी के रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, इस पर वे 10 से 15 दिनों में फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान के साथ समझौता हो जाता है, तो सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। हालांकि ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो वह जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर किए गए सीमित अमेरिकी हमलों से कहीं ज्यादा गंभीर होगा। परमाणु वार्ता में नहीं झुकेगा ईरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता के बीच उनका देश विश्व शक्तियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

ट्रंप के सामने खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प : ट्रंप के सामने सैन्य विकल्पों के रूप में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या जैसे विकल्प भी प्रस्तुत किए गए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ने फिलहाल ईरान पर हमले के मुद्दे पर फैसला नहीं लिया है। ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के हवाले से एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष कई परिदृश्यों पर चर्चा की गई। इनमें से एक था- खामेनेई, उनके बेटे मोजतबा व अन्य मुल्लाओं को हमले में मार गिराना। मोजतबा को व्यापक रूप से उनके पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है। तेल बाजार पर असर ÷ कीमतें स्थिर, लेकिन जोखिम बरकरार ईरान पर संभावित अमेरिकी कार्रवाई की आशंका के बीच वैश्विक तेल बाजार सतर्क नजर आ रहा है। इस सप्ताह ट्रेडरों द्वारा सैन्य जोखिम को कीमतों में शामिल किए जाने के बाद तेल में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई थी। शुक्रवार को अमेरिकी कच्चा तेल 4 सेंट गिरकर 66.39 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जबकि वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 10 सेंट बढ़कर 71.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

मिडिल ईस्ट पर इस्राइल का हक? अमेरिकी राजदूत के बयान से मचा बवाल, अरब देशों का तीखा विरोध

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी के एक बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। हुकाबी ने एक इंटरव्यू में कहा कि इस्राइल को मध्य पूर्व के बड़े हिस्से पर अधिकार हो सकता है। उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी रूढ़िवादी कमेंटेटर टकर कार्लसन को दिए इंटरव्यू में की। कार्लसन ने बाइबिल के संदर्भ में पूछा था कि क्या इस्राइल को उस भूभाग पर अधिकार है, जो आज पूरे मिडिल ईस्ट के बड़े हिस्से में फैला है। इस पर हुकाबी ने कहा अगर वे सब ले लें तो भी ठीक होगा। हालांकि बाद में उन्होंने जोड़ा कि इस्राइल फिलहाल अपने क्षेत्र का विस्तार नहीं चाहता और उसे अपने वैध क्षेत्र में सुरक्षा का अधिकार है। अरब और मुस्लिम देशों की कड़ी प्रतिक्रिया हुकाबी के बयान के बाद सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन, इस्लामिक सहयोग संगठन और अरब लीग ने कड़ी आपत्ति जताई। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने इसे अत्यधिक उग्र और अस्वीकार्य बयानबाजी बताया और अमेरिकी विदेश विभाग से स्पष्टीकरण की मांग की। मिस्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन कहा और दोहराया कि इस्राइल का कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों या अन्य अरब भूमि पर कोई संप्रभु अधिकार नहीं है। अरब लीग ने कहा कि ऐसे बयान क्षेत्र में धार्मिक और राष्ट्रीय भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं।

सीमाएं और संघर्ष का इतिहास : 1948 में स्थापना के बाद से इस्राइल की सीमाएं कई युद्धों, संघर्ष विराम समझौतों और शांति संधियों के चलते बदलती रही हैं। 1967 के छह-दिवसीय युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, गाजा, सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स पर कब्जा किया था। बाद में मिस्र के साथ शांति समझौते के तहत सिनाई खाली किया गया और 2005 में गाजा से एकतरफा वापसी की गई। हाल के महीनों में इस्राइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार और प्रशासनिक बदलावों के जरिए नियंत्रण मजबूत करने की कोशिश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह वेस्ट बैंक के औपचारिक विलय की अनुमति नहीं देंगे।

चीन के ह्यूमनॉइड रोबोट बने कुंग फू स्टार, एक साल में बदली तस्वीर; टेक रेस में अमेरिका को दी चुनौती

बीजिंग , एजेंसी। जो ह्यूमनॉइड रोबोट एक साल पहले सार्वजनिक प्रदर्शनों में गिरते-पड़ते नजर आते थे और जिनकी तकनीकी क्षमता पर संदेह जताया जाता था, वही अब कुंग फू फ्लिप्स, जिम्नास्टिक और हाई-प्रिसिजन डांस मूव्स के साथ चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में छा गए हैं। दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इस टीवी शो में चीनी स्टार्टअप्स के रोबोट्स ने यह साफ कर दिया कि तकनीक कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस प्रदर्शन ने जहां दर्शकों को रोमांचित किया, वहीं अमेरिका-चीन टेक रेस, नौकरियों के भविष्य और एआई आधारित मशीनों की बढ़ती ताकत पर वैश्विक बहस भी तेज कर दी है। हालांकि विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि असली परीक्षा अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल और जटिल मानवीय वातावरण में

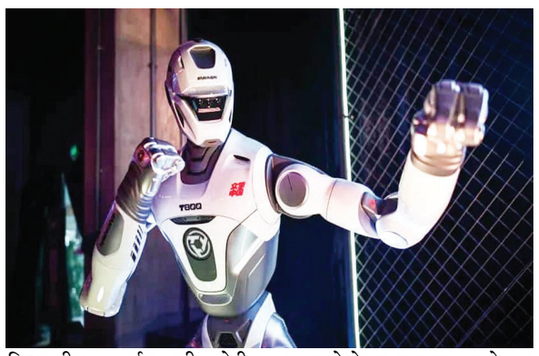

विश्वसनीय प्रदर्शन की होगी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में इस बार कई स्टार्टअप कंपनियों के ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने हिस्सा लिया। इन रोबोट्स ने कुंग फू स्टंट, समन्वित नृत्य और जिम्नास्टिक जैसे जटिल प्रदर्शन किए। यह प्रस्तुति 2025 के गाला से बिल्कुल अलग रही, जब अपेक्षाकृत कम उन्नत रोबोट्स रूमाल घुमाते हुए लोकनृत्य करते नजर आए थे और उनकी चाल अस्थिर दिखी थी। पिछले वर्ष अप्रैल में आयोजित एक रोबोट मैराथन भी सुर्खियों में रहा था, जहां कई रोबोट ठोकर खाते, गिरते या तकनीकी खराबी के कारण रुक जाते देखे गए थे। उस समय इन मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठे थे। लेकिन केवल एक वर्ष में तकनीकी सुधार ने धारणा बदल दी है। इस संबंध में सेमीएनालिसिस के विश्लेषक रेक नूटसेन ने कहा कि अब इन रोबोट्स को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके अनुसार स्प्रिंग गाला के प्रदर्शन के बाद रोबोट पहले से अधिक संतुलित, लचीले और सक्षम दिखे हैं। निर्माण और तैनाती में चीन की शुरुआती बढ़त बार्कलेज के आंकड़ों के अनुसार 2025 में दुनिया भर में लगभग 15,000 ह्यूमनॉइड रोबोट इंस्टॉलेशन हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत से अधिक चीन में थे, जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 13 प्रतिशत रही। बार्कलेज की थीमैटिक एफआईसीसी रिसर्च प्रमुख जोर्नित्सा तोदोरोवा के मुताबिक चीन की सबसे बड़ी ताकत उसकी लगभग पूर्णतः वर्टिकली इंटीग्रेटेड रोबोटिक्स वैल्यू चेन है।

बलूचिस्तान की अम्मा हूरी का इंतजार अधूरा, लापता बेटे की राह देखते-देखते दुनिया को कहा अलविदा

क्वेटा , एजेंसी। लूचिस्तान की एक साहसी मां, अम्मा हूरी, जो अपने लापता बेटे गुल मोहम्मद मर्री की वापसी के लिए पिछले 14 वर्षों से संघर्ष कर रही थीं, का इंतजार कभी पूरा नहीं हुआ। 16 फरवरी को 80 वर्ष की उम्र में अम्मा हूरी ने अंतिम सांस ली। वह बलूचिस्तान की उन हज़ारों माताओं की प्रतीक बन गईं, जो पाकिस्तान सरकार की सामूहिक दंड की नीतियों का शिकार हो चुकी हैं।

अम्मा हूरी ने पिछले कई वर्षों में बिना थके अपने बेटे की वापसी के लिए शासन से कई बार अपील की, लेकिन उनका संघर्ष कभी सफल नहीं हुआ। वह जबरन गुमशुदगी के खिलाफ पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में धरनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल होती रही थीं। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय अदालतों और थानों में भी न्याय की मांग की, जिससे उनका संघर्ष एक प्रतीक बन गया था।

बलूचिस्तान में लापता लोगों की समस्या : रिपोर्टों के मुताबिक, अम्मा हूरी के बेटे गुल मोहम्मद मर्री को 2012 में कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा जबरन गायब कर दिया गया था। इसके बाद अम्मा हूरी अपने बेटे के लिए न्याय की लड़ाई लड़ती रही थीं, और यह संघर्ष पूरे बलूचिस्तान में एक राजनीतिक चेतना का हिस्सा बन गया। बलूचिस्तान की हर मां की तरह अम्मा हूरी ने भी लगातार प्रयास किए, लेकिन अंततः उनका इंतजार अधूरा ही रहा।

सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष : उनकी जैसी माताओं का दर्द अब बलूचिस्तान के जनजीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। ÷द बलूचिस्तान÷ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अम्मा हूरी जैसे संघर्षशील व्यक्तियों ने बलूचिस्तान और पाकिस्तान राज्य के बीच के रिश्तों पर गहरा असर डाला है। बलूचिस्तान में लापता व्यक्तियों के परिवारों की अपीलों को पाकिस्तान सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया है, बावजूद इसके ये संघर्ष जारी रहे।

'अम्मा हूरी' का संघर्ष और उनकी विरासत : पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन के अनुसार, अम्मा हूरी ने जीवनभर अपने बेटे की वापसी की उम्मीद में सार्वजनिक रूप से न्याय की मांग की। वह अक्सर सड़कों पर और लापता व्यक्तियों के कैंप में अपने बेटे के लिए न्याय की आवाज उठाती थीं। उनके संघर्ष की कहानी अब तक कई अन्य बलूच महिलाओं को प्रेरित करती है, जो आज भी लापता व्यक्तियों के लिए संघर्ष कर रही हैं।

नसरुल्लाह बलूच, जो वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के चेयरमैन हैं, कहते हैं, ÷अम्मा हूरी के निधन के बाद उनकी लड़ाई को कोई नहीं भुला सकता।÷ सोशल मीडिया पर उनके संघर्ष के वीडियो और संदेश आज भी वायरल हो रहे हैं, जो उनकी दृढ़ता और साहस का प्रतीक बने हुए हैं।

छह जनवरी के बाद ट्रंप के खाते बंद किए, जेपीमॉर्गन बैंक का कोर्ट में कबूलनामा; समझें पूरा विवाद

वॉशिंगटन , एजेंसी। जेपीमॉर्गन चेज ने अदालत में स्वीकार किया कि 6 जनवरी 2021 के हमले के बाद ट्रंप और उनकी कंपनियों के खाते बंद किए गए थे। ट्रंप ने बैंक और जेमी डाइमोन पर पांच अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने राजनीतिक भेदभाव और ब्लैकलिस्ट में डालने का आरोप लगाया है। छह जनवरी 2021 को अमेरिकी कैपिटल पर हुए हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के बैंक खातों को बंद किए जाने का मामला फिर चर्चा में है। जेपीमॉर्गन चेज ने पहली बार अदालत में स्वीकार किया है कि फरवरी 2021 में ट्रंप और उनकी कुछ कंपनियों के खाते बंद किए गए थे। यह स्वीकारोक्ति उस मुकदमे के दौरान सामने आई है जिसमें ट्रंप ने बैंक और उसके प्रमुख जेमी डाइमोन पर 5 अरब डॉलर का दावा ठोका है। ट्रंप का आरोप है कि उनके खाते राजनीतिक कारणों से बंद किए गए, जिससे उनके कारोबार को नुकसान हुआ। दायर हलफनामे में बैंक के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डैन विल्कनिंग ने लिखा कि फरवरी 2021 में निजी बैंक और कमर्शियल बैंक से जुड़े कुछ खाते बंद करने की सूचना दी गई थी। अब तक बैंक केवल सामान्य तौर पर खाते बंद करने की नीतियों पर बात करता रहा था, लेकिन यह पहली बार है जब उसने सीधे तौर पर ट्रंप के खातों के बंद होने की पुष्टि की है। बैंक ने पहले कहा था कि यह मुकदमा बेबुनियाद है। ट्रंप ने यह मुकदमा पहले फ्लोरिडा की अदालत में दायर किया था, जहां अब उनका मुख्य निवास है। उनका कहना है कि बैंक ने 'ट्रेड लाइबल' किया और फ्लोरिडा के अनुचित और भ्रामक व्यापार कानून का उल्लंघन किया। मुकदमे में आरोप है कि जब खाते बंद किए जा रहे थे, तब ट्रंप ने जेमी डाइमोन से व्यक्तिगत रूप से बात की थी और उन्होंने मामले को देखने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में कोई कार्रवाई नहीं हुई। ट्रंप के वकीलों ने आरोप लगाया है कि बैंक ने राष्ट्रपति और उनकी कंपनियों को एक ब्लैकलिस्ट में डाल दिया। उनका कहना है कि इस सूची का उपयोग अन्य बैंक भी करते हैं। इससे भविष्य में नए खाते खोलने या सेवाएं लेने में दिक्कत आती है। वकीलों का दावा है कि इससे ट्रंप परिवार और उनके कारोबार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यह मामला तथाकथित डीबैंकिंग की बहस को फिर से तेज कर रहा है। डीबैंकिंग तब होता है जब बैंक किसी ग्राहक के खाते बंद कर देता है या उसे सेवाएं देने से मना कर देता है। पिछले कुछ वर्षों में यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले चुका है। कई रूढ़िवादी नेताओं का आरोप रहा है कि 6 जनवरी की घटना के बाद जोखिम के नाम पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। जेपीमॉर्गन अब इस केस को न्यूयॉर्क स्थानांतरित कराने की कोशिश कर रहा है, जहां खाते संचालित होते थे। यह ट्रंप का किसी बड़े बैंक के खिलाफ पहला मामला नहीं है। मार्च 2025 में ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने क्रेडिट कार्ड कंपनी कैपिटल वन पर भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जो अभी लंबित है।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का हवाई हमला

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान ने हालिया आतंकी हमलों के बाद अफगानिस्तान सीमा पर टीटीपी और अन्य आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की। इस्लामाबाद ने हमलों के पीछे अफगान धरती से संचालित नेटवर्क का दावा किया।

पाकिस्तान ने रविवार तड़के अफगानिस्तान सीमा से सटे इलाकों में कथित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले करने का दावा किया है। सरकार के मुताबिक यह इंटेलिजेंस आधारित, चयनित ऑपरेशन था, जिसमें प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके सहयोगी गुटों के सात ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में मरने वाले लोगों का आधिकारिक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि सीमा क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक गुट के ठिकानों पर भी प्रहार किया गया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि हमले अफगानिस्तान के किस हिस्से में हुए। काबुल की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अफगानिस्तान के पक्तिका में मदरसे पर हमला, कई जिलों में एयरस्ट्राइक : अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में एक धार्मिक मदरसे पर पाकिस्तानी वायुसेना द्वारा हवाई हमला किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस कार्रवाई में लड़ाकू विमानों ने बरमल के अलावा नंगरहार प्रांत के खोगयानी जिले में भी कई ठिकानों को निशाना बनाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक पक्तिका के बरमल और अर्गुन तथा नंगरहार के खोगयानी, बहसूद और गनी खेल जिलों में कई हवाई हमले किए गए हैं।

हालिया आत्मघाती हमलों के बाद कार्रवाई : यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में पाकिस्तान में आतंकी

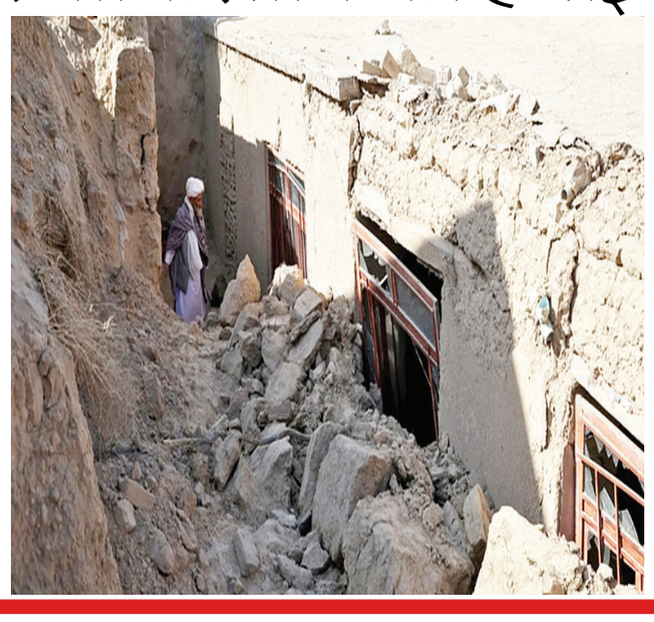

हमलों में तेजी आई है। बाजौर जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने सुरक्षा चौकी को निशाना बनाकर 11 सैनिकों और एक बच्चे की जान ले ली थी। इसके अलावा बन्नू जिले में भी एक और आत्मघाती हमले में दो सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वह जिम्मेदार लोगों के खिलाफ स्थान की परवाह किए बिना कार्रवाई करेगी। इस बयान से इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़ते तनाव के संकेत मिले थे। अफगान धरती से साजिश का आरोप अताउल्लाह तरार ने दावा किया कि हाल के हमले, जिनमें इस महीने इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद पर हुआ आत्मघाती हमला भी शामिल है, अफगानिस्तान में बैठे नेतृत्व के इशारे पर अंजाम दिए गए। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगान क्षेत्र से संचालित हो रहा है, हालांकि काबुल और टीटीपी दोनों इन आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

फल भी हुए ग्लोबलाइज

ठंड में भी आप आम का मजा ले सकते हैं और गर्मी में अमरूद खा सकते हैं, लेकिन विदेशी। ये विदेशी फल स्वाद और सेहत के साथ-साथ स्टेटस सिंबल भी बनते जा रहे हैं।

कुछ दिनों पहले की बात है, मैं सुबह-सुबह अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी एक आदमी साइकल पर 'भुट्टे ले लो' की आवाज के साथ सामने से निकला। कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल ने उसे रोका और पूछा 'अमेरिकन भुट्टे हैं क्या?' मेरे मन में यह विचार कौंधा कि अब सब कुछ ग्लोबलाइज्ड हो गया है। बड़े शहरों के पॉश इलाकों से लेकर छोटे शहरों में कई स्टोर खुल गए हैं, जो विदेशी फल भी बेचते हैं। यही नहीं, कुछ फेरी वाले तो इन विदेशी फलों को गली-मुहल्ले तक भी ले आते हैं। बदलते जमाने की यह भी एक तस्वीर है।

फलों की दुकानें संसार के अलग-अलग कोनों से आयातित फलों को लोगों तक पहुँचा रही हैं। इसके लिए किसी खास मौसम का इंतजार करने की जरूरत नहीं। ठंड में भी आप आम का मजा ले सकते हैं और गर्मी में अमरूद खा सकते हैं, लेकिन विदेशी। ये विदेशी फल स्वाद और सेहत के साथ-साथ स्टेटस सिंबल भी बनते जा रहे हैं। महानगरों में इनकी खरीदी करने वाले लोग बड़ी संख्या में हैं। खासतौर पर बड़े तथा नामी स्टोर्स में विभिन्ना देशों की चीजें आसानी से मिल जाती हैं फिर चाहे वे अमेरिका के सेब हों या इसराइल के संतरे। अफ्रीका का बब्बूगोशा तो हर जगह किसी भी मौसम में मिल जाता है। अब इस फल का स्वाद चखने के लिए रामपुर के बब्बूगोशे के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता। इसी तरह थाईलैंड की पीली लीची भी खूब बिकती है। आइए जानें ऐसे ही कुछ और फलों के बारे में।

आम- फलों का राजा आम जब बिना सीजन के खाने को मिल जाए तो भला कोई क्यों गर्मियों का इंतजार करे। इसलिए लोगों को थाईलैंड से आया आम भी बहुत आकर्षित करता है।

सेब- पूरी दुनिया में खाए जाने वाले इस फल के विदेशी संस्करण देश में कई जगह मिलने लगे हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सेब बहुत मशहूर हैं। देखने में सबसे अच्छा वाशिंगटन का सेब और खाने में सबसे अच्छा न्यूजीलैंड का सेब होता है। फिर हर मामले में हमारे बाजार पर छाने वाला चीन भी इस मामले में कैसे पीछे रह सकता है। सो, वहाँ का सेब भी हमारे यहाँ मिलने लगा है।

नाशपाती- देसी नाशपाती का तो मौसम अलग ही होता है, लेकिन अब नाशपाती हमें सालभर उपलब्ध रहता है। इसका कारण यूएसए से आने वाली फलों की खेप है। यह उस समय आती है, जब यहाँ नाशपाती का सीजन नहीं होता।

कीवी- यह फल अपने सर्वथा अलग स्वाद के कारण मशहूर है। यह मुख्यतया न्यूजीलैंड, इटली और चीन से आयात किया जाता है।

इस तरह के जितने भी फल आयात किए जाते हैं उनकी कीमत देसी फलों की तुलना में ज्यादा होती है। इसका कारण आयात में लगने वाला शुल्क है। खैर...यूँ भी फल खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक ही है, फिर चाहे वह देसी हो या विदेशी।

आभूषण पहने मगर...

प्राचीन काल से आभूषण नारी सौन्दर्य के प्रतीक रहे हैं, आभूषणों के अभाव में नारी सौन्दर्य को अपूर्ण माना जाता है लेकिन इसके साथ यह भी सत्य है कि आभूषणों का उपयुक्त चयन जहां सौन्दर्य को आकर्षक रूप प्रदान करता है वहीं आभूषणों का गलत चयन अच्छे-भले सौन्दर्य को भी अनाकर्षक बना देता है इसलिए आभूषण पहनें मगर रखें ख्याल-

- आभूषणों का चुनाव करते समय सर्वप्रथम अपनी आयु एवं अवस्था का ध्यान रखें।
- डिजाइनर आभूषणों का चुनाव सदैव अपनी लाइफ स्टाइल व शरीर की बनावट के अनुरूप करें।
- युवतियों को सदैव नाजुक और स्टाइलिश आभूषण पहनने चाहिएं।
- अधिक आयु की महिलाओं को न अधिक हैवी और न ही बहुत लाइटवेट आभूषणों को धारण करना चाहिए।
- सगाई या शादी के शुभ अवसर पर लाइट और फैंसी आभूषण वस्त्रों के रंग से मिलता हुआ चयन करना चाहिए।
- दुबली-पतली महिलाओं द्वारा अधिक भारी आभूषण पहनना उन्हें हास्यास्पद बनाता है। इससे बचें।
- गोल चेहरे की महिलाओं को बड़े ईयर रिंग पहनने चाहिएं न कि छोटे टॉप्स या छोटे रिंग।
- चेहरा यदि लम्बा है तो बड़े ईयर रिंग पहनने की बजाय छोटे टॉप्स पहनें। वे अधिक सुंदर लगेंगे।
- साड़ी पहन रही हों तो उसके साथ लम्बी या छोटी चेन पहनें। छोटी चेन के साथ बड़ा पैडेंट अधिक आकर्षक दिखाई पड़ता है।

ज्ञान हो कि ओवल शेप फेस गहनों के लिए आइडियल होता है क्योंकि ओवल शेप फेस पर हर प्रकार की ज्यूलरी सूट करती है।

बेक्ड मैंगो कुकीज

सामग्री- आम (तोतापरी) 1 किलोग्राम, शकर (पिसी) 350 ग्राम, मैदा 500 ग्राम, बेकिंग पावडर 1/2 टी स्पून, घी 250 ग्राम, इलायची पावडर 1 छोटा चम्मच।

विधि- आम को छीलकर कद्दूकस करें। मैदा व बैकिंग पावडर छान लें। घी गरम करके इसमें मिलाएँ। अब इलायची पावडर, पिसी शकर और किसा हुआ आम मिलाएँ, फिर रोटी जैसा गूँथ लें। यदि जरूरत हो तो दूध के छींटे दें। अब 1/2 इंच मोटी रोटी बेलें, इसे मनचाहे डिजाइन में काट लें और गर्म ओवन में सुनहरे होने तक (लगभग 15 मिनट) बेक करें। ठंडा होने पर खाएँ-खिलाएँ।

खूबसूरत त्वचा का राज

त्वचा को कोमल,चमकदार बनाए रखने के लिए जरूरत होती है। तो बस थोड़ी देखभाल की। इसके लिए पहले यह जानना करूरी है कि हमारी त्वचा किस प्रकार की है? त्वचा, चार तरह की होती है सामान्य त्वचा, रूसी त्वचा, तैलीय त्वचा और मिश्रित त्वचा।

देखभाल कैसे करें:-

- सामान्य त्वचा हो तो दिन में दो बार हल्के चिकनाईयुक्त क्लींजर से साफ करके किसी सौम्य साबुन से चेहरा धोएं।
- इसके बाद चेहरे की टोनिंग करें। कॉटन वूल पर कुछ बूंदें टोनर की डाल कर चेहरे और गर्दन पर थपथपाएं। यह त्वचा को कसाव प्रदान करेगा।
- अब चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाएं। आंखों के चारों ओर कोई अच्छा जैल या आई क्रीम लगाएं।
- रात को सोने से पहले किसी भी तरह का मेकअप साफ करके सोएं।
- विटामिन ई युक्त कोल्ड क्रीम लगाकर पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें फिर गीली रूई से साफ कर दें।

फेस पैक:-

- त्वचा की चमक कायम रखने एवं मृत त्वचा को क्रीम लगाएं।
- अब गीली रूई से चेहरा साफ कर कोई अच्छी नाइट क्रीम लगा कर सोएं। इससे रूसी त्वचा पर नमी बनी रहेगी।

जैसा चेहरा, वैसा हो हेयर स्टाइल

महिलाएं दूसरों की देखादेखी अपना हेयर स्टाइल न बदले

नए हेयर कट के ट्रेंड को फॉलो न कर युवतियां अपने बाल फेस के मुताबिक ही कटवाएं, ताकि आपके बाल आपकी पहचान न बदल दें। अक्सर नए ट्रेंड के चक्कर में अपने पुराने हेयर स्टाइल से भी हाथ धो बैठती हैं। इसलिए ट्रेंड को अपने फेस के मुताबिक ही अपनाएं। हेयर स्टाइलिस्ट मानते हैं कि हेयरकट के लिए ज्यादातर युवतियां सिर्फ फैशन को ध्यान में रखती हैं, जिस वजह से उनकी पर्सनेलिटी और फेस के मुताबिक हेयर कट देना कठिन हो जाता है। हेयर कट के समय फेस के फीचर्स को ध्यान में रखना बेहद जरूरी होता है। हेयर स्टाइलिस्ट मैक्स बताते हैं कि हर किसी का हेयर टाइप व हेयर कलर अलग होता है। हेयर कट से पहले केवल फैशन को ध्यान में न रखते हुए व्यक्ति के फीचर्स को ध्यान में रखा जाता है। स्कवेयर फेस वाली युवतियों को सेंटर पार्टिंग के लिए मना किया जाता है, वहीं ओवल शेप फेस पर कोई भी कट अच्छा लग सकता है। इसीलिए हम हेयर कट से पहले क्लाइंट को उसके फेस पर अच्छे लगने वाले हेयर स्टाइल के बारे में बता देते हैं।

कैसा है आपका फेस कट?

- अगर आपका चेहरा लंबा है, तो आप पार्म या लेयर्स कट करवा सकती हैं। लंबे चेहरे वालों पर ब्लंट कटिंग बिलकुल अच्छी नहीं लगती।
- जिनका फेस ओवल शेप में होता है, उन पर लॉन्ग और शॉर्ट दोनों तरह की हेयर कट अच्छे लगते हैं। ऐसे लोग कोनिकल कट करवाएं, तो अच्छा लगता है।
- अगर आपकी गर्दन लंबी है और फेस छोटा है, तो आप पर इटैलियन और शॉर्ट लेयर्स ज्यादा अच्छे लगेंगे।
- आपका चेहरा चौड़ा या स्कवेयर शेप है, तो आपको ऐसा हेयर स्टाइल करवाना चाहिए, जो आपकी जॉ बोर्न को ढंक सके। ऐसा करने से आपका चेहरा बैलेंस्ड लगेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1997

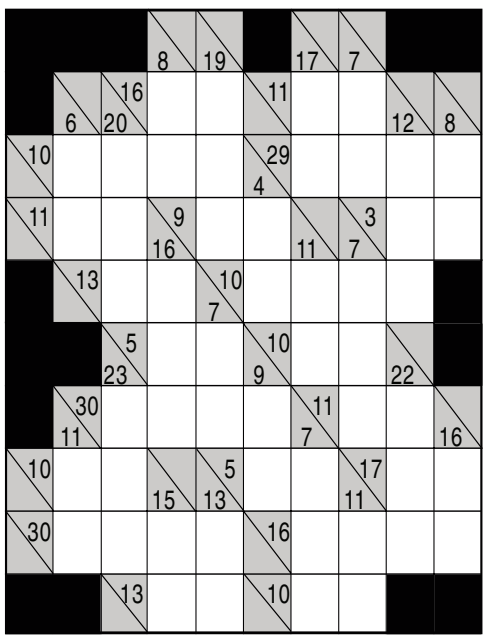

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

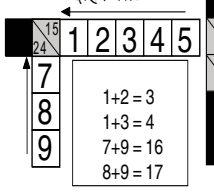

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1996 का हल

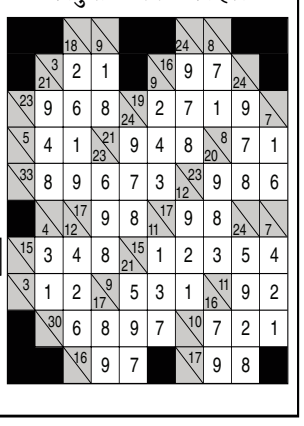

हंसी के फव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?
मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.
राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.
मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 1997

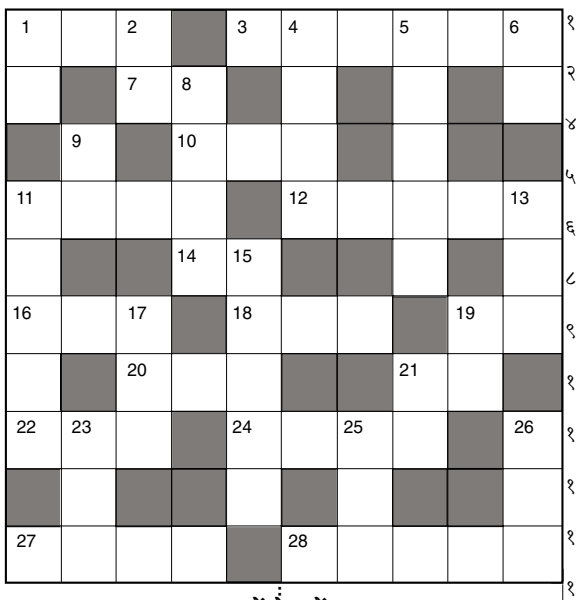

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1996

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष्य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	स
क	बी	ला		ग		प्पा		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	मां				ड		स्ते		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

सूडोकु -1997

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1996 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 1997

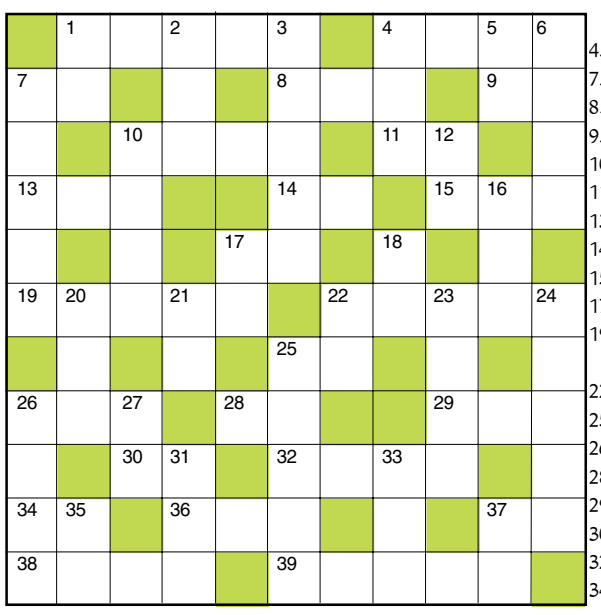

बाएँ से दाएँ

1. राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4. उदारता,बडप्पन-4
7. भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8. प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9. अपशिष्ट पदार्थ-2
10. कामदेव,चंद्रमा-4
11. नाड़ी,नस-2
13. जबरन,जबरदस्ती-3
14. वायदा,वचन-2
15. भवन,आलय-3
17. आर्ट,हुनर-2
19. ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22. उद्देश्यहीनता-5
25. परिणाम-2
26. अंजन,नेत्रांजन-3
28. सांझ,संध्या-2
29. अधीन-3
30. निश्चित-2
32. निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34. बेइमान,सेंधमार-2
36. दाम,मूल्य-3
37. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38. मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39. अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ण,कनक-2
2. गुजर करना-3
3. धैर्यवान-3,2
4. राशिचक्र की एक राशि-3
5. आंशिक भीगा हुआ-2
6. सामंजस्य-4
7. यायावर,बंजारा-5
10. चुनाव,वोटिंग-4
12. दुख,कष्ट-2
16. यज्ञ,होम-3
17. कमरा,रूम-2
18. उम्मीद,आस-2
20. जुड़वा-3
21. प्याला-2
22. हृदय,हार्ट-2
23. निकृष्टतर-4
24. बलवान,दमदार-5
25. स्वदेशवासी-5
26. आलसी,निठल्ली-4
27. बुरी आदत-2
31. भरोसा,विश्वास-3
33. आंचल,पल्लू-3
35. अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37. समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 1996 का हल

आ	ला	क	मा	न			क	मी	ज	
रा	ल		न		श	प	थ		मा	मा
म			ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा	न			अ		ल	ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र		ह	
	सा	ल		ल		न		सु	र	
	हि		ब	गा	व	त		र		हा
ज	ल	न		म			अ	भि	मा	नि
ग			चु		रा	ज	न			का
त	र		ना	ह	क		ब		चा	र
	ब	हा	व			म	न	मो	ह	क

रिश्वत लेते लोकायुक्त के जाल में फंसे भाजपा विधायक डॉ. चंद्रू लामणि

एजेंसी

कोलकात। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के 43वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर कोलकाता के कला मंदिर में रविवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आश्रम से संबद्ध पूर्वांचल कल्याण आश्रम ने जनजाति (वनवासी) समाज के साथ मिलकर विशेष समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजाति समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सांस्कृतिक जागरण के माध्यम से सशक्त कर उन्हें राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन एवं प्रख्यात उद्योगपति प्रमोद गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय कोषाध्यक्ष और प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बंगाल की राजनीति में अनुशासन की आवश्यकता है। अनुशासन से ही समाज का कल्याण संभव है। उन्होंने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम जनजाति समाज को सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहा है। मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, लेखक एवं अभिनेता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि सभ्यता का विकास वन से नगर की ओर हुआ है। रामायण का उल्लेख करते हुए उन्होंने वनांचलों की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि वन क्षेत्रों में भी ज्ञान और संस्कृति का गहरा आधार मौजूद है।

जयपुर में बदला मौसम : घने बादलों के साथ रिमझिम फुहारें, पर होली पर छूटेगा पसीना; 38 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर सहित राजस्थान के कई हिस्सों में पांच दिन बाद एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। सोमवार सुबह से ही जयपुर और आसपास के इलाकों में घने बादल छाए हुए हैं और रुक-रुक कर हो रही बारिश ने हवा में हल्की ठंडक घोल दी है। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यह राहत क्षणिक है और मार्च की शुरुआत के साथ ही प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो जाएगा। जयपुर और आसपास के इलाकों में बारिश का दौर सोमवार सुबह करीब 7 बजे से जयपुर के मालवीय नगर, सीकर रोड और आसपास के क्षेत्रों में रिमझिम बारिश शुरू हुई। चौमूं में तेज बारिश : जयपुर के पास चौमूं शहर में करीब 15 मिनट तक तेज बरसात हुई, जिससे सड़कों पर पानी जमा हो गया। पदयात्रियों की बढ़ी मुश्किलः सीकर रोड पर हवा के साथ हुई बारिश के कारण खाटूश्यामजी जा रहे पदयात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ठंडी हवाएं : रविवार रात से ही इलाके में चल रही ठंडी हवाओं के कारण सुबह के समय सर्दी का अहसास हुआ।

सुखबीर बादल दोहरी राजनीति कर रहे हैं, पुराने झूठ से पंजाब को कर रहे हैं गुमराह : कुलदीप सिंह धालीवाल

अमृतसर। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने शिरोमणि अकाली दल की लीडरशिप पर निशाना साधते हुए कहा कि सुखबीर सिंह बादल अपने पिता प्रकाश सिंह बादल की तरह 'दोहरी राजनीति' कर रहे हैं और पुराने रटे-रटाए भाषणों और नए दावों से पंजाब के लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अमृतसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुलदीप धालीवाल ने कहा कि गैंगस्टरवाद को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे करने से पहले सुखबीर सिंह बादल को अपने पुराने रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप एक हलके में एक जाने-माने गैंगस्टर के परिवार के सदस्य को अपना उम्मीदवार बनाते हैं और फिर दूसरे चरण से गैंगस्टरों का सफाया करने की बातें करते हैं। यह सरासर पाखंड पंजाब के लोगों से छिपा नहीं रहेगा। तरनतारन के चुनावों का हवाला देते हुए 'आप' पंजाब के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि अकाली दल ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों से जुड़े लोगों का खुलकर समर्थन किया और वोट मांगे। उन्होंने कहा कि आज वे दावा करते हैं कि वे गैंगस्टरों के घर ढहा देंगे, लेकिन कल वे उनके पारिवारिक समारोहों में शामिल हो रहे थे और उनके रिश्तेदारों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा कर रहे थे। पंजाब सब कुछ याद रखता है।

विज्ञान के गुमनाम भारतीय सितारों को हमें नमन करना चाहिए : सुरेश सिंह रावत

जयपुर। विज्ञान भारती अजयमेरु द्वारा आयोजित बारहवीं विज्ञान जागरूकता परीक्षा का पुरस्कार वितरण समारोह राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में पॉलिटेक्निक कॉलेज सभागार अजमेर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंग्रेजी गुलामी के 190 साल के समय में जिन भारतीय वैज्ञानिकों को भुला दिया गया उनके कार्य को याद करके हमें प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए । उन्होंने काह की ऐसे सितारों में डॉ प्रमथ नाथ बोस, राधानाथ सिकदर, चिंतामणि रघुनाथ आचार्य, पुरुषोत्तम शंकर आगरकर, किशोरी मोहन बंदोपाध्याय, जगदीश चंद्र बसु, प्रफुल्ल चंद्र राय प्रमुख है। प्राचीन भारत में विज्ञान ने भारत की प्रतिष्ठा को आसमान की बुलंदियों तक पहुँचा दिया था जिसके उदाहरण वेदों और पुराणों में वर्णित प्रयोग हैं। विज्ञान संपूर्ण विश्व और मुख्यतः मानव जीवन के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण उपादान है तथा दैनिक जीवन में यह प्रत्येक कदम पर हमारे सहायक की भूमिका निभाता है ।

आध्यात्मिक, पर्यावरण और सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र बनेगा कोटा : ओम बिरला

एजेंसी

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा के पाटनपोल स्थित वल्लभ सम्प्रदाय की प्रथम पीठ श्री बड़े मथुराधीश जी मंदिर कॉरिडोर के प्रथम चरण एवं अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कोटा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हैरिटेज वॉक में भी भाग लिया। बिरला ने कहा कि श्री मथुराधीश जी मंदिर केवल श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि हाड़ौती की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि मंदिर के परिक्रमा मार्ग एवं अन्य विकास कार्यों की शुरुआत ऐतिहासिक अवसर है। मंदिर की प्राचीन गरिमा को सुरक्षित रखते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाएँ विकसित की जाएँगी, ताकि देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिल सके। 18.24 करोड़ से प्रथम चरण का विकास – पाटनपोल में

आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बिरला ने कहा कि मथुराधीश मंदिर कॉरिडोर के प्रथम चरण के अंतर्गत केडीए द्वारा 18.24 करोड़ रुपये की लागत से श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य किए जाएंगे। इसके पश्चात बिरला के नेतृत्व में गणमान्यजन हैरिटेज वॉक में शामिल हुए। हैरिटेज वॉक श्री मथुराधीश जी मंदिर से पाटनपोल होते हुए गढ़ पैलेस पहुँची, जहाँ साफा फेस्ट के अंतर्गत अतिथियों का साफा बांधकर स्वागत किया गया। हैरिटेज वॉक के दौरान कैथूनीपोल थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ने 9.82 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली कैथूनीपोल चौराहे से सेंट पॉल स्कूल तक लिंक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। हैरिटेज वॉक श्रीपुरा, सब्जी मंडी और अग्रसेन बाजार होते हुए रामपुरा बाजार पहुँची, जहाँ पीपल चौक पर इसका समापन हुआ। इस दौरान उन्होंने 2.5 करोड़ रुपए की लागत से महात्मा गांधी विद्यालय, महारानी विद्यालय रामपुरा, घंटाघर और लक्खी बुर्ज पर फसाड लाइट इंस्टॉलेशन कार्य का भी शिलान्यास किया। बिरला ने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या, उज्जैन, सोमनाथ और खाटू श्यामजी जैसे प्रमुख धामों का विकास हुआ है, उसी भावना से श्री मथुराधीश जी मंदिर को भी आध्यात्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रदेश के सर्वस्पर्शी विकास को समर्पित ऐतिहासिक बजट : जोगाराम पटेल

एजेंसी

जोधपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में ग्राम पंचायत बोरानाडा में 352.37 लाख रूपये के 14 विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 131 वें एपिसोड को सुना। '5 हजार करोड़ रूपये से पेरी अर्बन एरिया में होगी जलापूर्ति' पटेल ने कहा हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के सर्वस्पर्शी विकास को समर्पित ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत 5 हजार करोड़ रूपये की लागत से पेरी अर्बन एरिया के 6 हजार 245 गांवों में चरणबद्ध रूप से पेयजल आपूर्ति संबंधी कार्य करवाए जाएंगे।

'जोजरी पुनरुद्धार के लिए 50 करोड़ रूपये'

विधि मंत्री ने कहा जोजरी पुनरुद्धार के लिए ट्रीटेड जल से सिंचाई एवं जोधपुर जिले की औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए प्रथम चरण में 50 करोड़ रुपये के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा जोजरी, लूणी एवं बांडी नदी में गिरने वाले ट्रीटेड वाटर को पाइप लाइन द्वारा पचपदरा रिफाइनरी तक पहुंचाने के लिए डीपीआर बनायी जायेगी। पटेल ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को बोरानाडा में समुचित जलापूर्ति के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों बोरानाडा में सीवरेज लाइन के लिए आवश्यक सर्वे करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा बोरानाडा पीएचसी भवन के लिए भूमि आवंटन शीघ्र किया जाएगा।

सूर्य किरण और सारंग एयर शो प्रेरणा देने वाला, जोश जगाने वाला : राज्यपाल बागडे

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जलमहल पाल पर भारतीय वायु सेना द्वारा एयरोबेटिक सूर्यकिरण एवं सारंग का मनोहारी प्रदर्शन देखा। उन्होंने इसे सेना का ऐतिहासिक बताते हुए जोश जगाने वाला, माँ भारती के लिए संकल्पबद्ध हो कार्य करने की प्रेरणा देने वाला बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस दौरान कहा कि हवाई सेना का प्रदर्शन

हमारी सीमाओं पर अहर्निश कार्य करने वाले सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करने वाला है। उन्होंने कहा कि सूर्यकिरण एवं सारंग का प्रदर्शन माँ भारती के प्रति हर नागरिक को संकल्पबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देने वाला है।

राज्यपाल ने जनवरी में जयपुर में आयोजित आर्मी परेड की चर्चा करते हुए कहा कि पहली बार सेना क्षेत्र से बाहर राजस्थान की धरती पर हमने भारतीय सेना की ताकत और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भता के प्रदर्शन साक्ष्यात हुए। उन्होंने ऑपरेशन सिन्दुर के दौरान भारतीय

वायु सेना की रणनीतिक श्रेष्ठता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश की रक्षा के साथ साथ आतंकवाद उन्मूलन में भी सेना ने निरंतर श्रेष्ठता साबित की है। उन्होंने राजस्थान को शौर्य और वीरता की धरा बताते हुए वायु सेना के सूर्यकिरण और सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन के पायलटों, सेना अधिकारियों, प्रशासन की सराहना की। राज्यपाल ने भारतीय वायु सेना द्वारा सारंग हेलीकॉप्टर के अंतर्गत जलमहल के पास आकाश को अपने रंगों से सजाने, साहस, कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन से रूबरू हुए। उन्होंने 'उत्कृष्टता के माध्यम से प्रेरणा' के ध्येय वाक्य के साथ वायु सेना के हेलीकॉप्टरों की कलाबाजियों, वायु योद्धाओं के धैर्य के साथ किये गये कौशल प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने ''वंदे मातरम्' के भाव के साथ सूर्य किरण और सारंग के एयर शो को प्रेरणादायक, माँ भारती के प्रति जोश जगाने वाला बताया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में वायु सेना के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित रहे।

कोलकाता के कालीघाट पहुंची दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, की पूजा-अर्चना

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विभिन्न राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का बंगाल आना-जाना लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच सुबह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर में मां काली की पूजा-अर्चना की।

सुबह-सुबह कालीघाट मंदिर पहुंचीं रेखा गुप्ता हल्के गुलाबी रंग की साड़ी और भगवा रंग का उत्तरीय पहने नजर आईं। कड़ी सुरक्षा के बीच उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर मां काली के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में उनकी मौजूदगी को लेकर राजनीतिक हलकों में स्वाभाविक रूप से चर्चाएं शुरू हो गईं।

राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह सवाल उठने लगा कि क्या यह दौरा केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है या फिर विधानसभा चुनाव से पहले कोई राजनीतिक संदेश देने की तैयारी है। इस संबंध में जब पत्रकारों ने उनसे सवाल किए तो उन्होंने मुस्कुराते हुए किसी भी राजनीतिक टिप्पणी से परहेज किया। राज्य

भाजपा सूत्रों के अनुसार, रेखा गुप्ता दोपहर को कोलकाता के साइंस सिटी ऑडिटोरियम में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित एक महिला सम्मेलन में भी शामिल हुईं। इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री देवश्री चौधुरी सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय नेतृत्व के नेताओं का इस तरह लगातार बंगाल आना केवल संयोग नहीं है। यह महज शिष्टाचार भेंट है या फिर किसी बड़ी चुनावी रणनीति का हिस्सा, इसका जवाब आने वाला समय देगा।

श्रद्धा, समर्पण एवं राष्ट्रभावना को अर्पित रहा श्रीरामार्चनम्

एजेंसी

अयोध्या। समान वेश में घोष वादकों की थाप पर एक साथ पूरे तालमेल से उठते कदम, साथ में भारतीय रागों पर आधारित स्वरलहरी संपूर्ण वातावरण को अलौकिक बनाती रही। अयोध्यावासियों ने एक तारतम्य में ऐसा अनूठा संचलन संभवतः पहली बार देखा और सजीव प्रसारण के माध्यम से पूरा संसार संघ के अनुशासन का अनूठा दृश्य देखता रहा। विशेष कार्यक्रम 'श्रीरामार्चनम्' प्रभु श्रीराम के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं राष्ट्रभावना को समर्पित रहा।यह थे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के घोष दल के स्वयंसेवक, जो पूर्ण गणवेश में सरयू तट से प्रारम्भ होकर पथ संचलन करते हुए प्रभु श्रीराम की अर्चना करने निकले थे। रागों के भाव बदले वीणा चौक पर आकर। यहां बलिदानी कारसेवकों और स्वरसाम्राज्ञी लता जी को स्वराञ्जलि समर्पित किया। यहां से संचलन करते हनुमानगढ़ी पहुंचे घोष दल ने पवन पुत्र का अभिनन्दन किया। इससे आगे रामपथ पर लगभग 10 मिनट रुक कर स्थिरवाद किया गया। अंत में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के

प्रमुख द्वार पर श्रीरामार्चनम् की प्रस्तुति दी। संपूर्ण संचलन में वादक दल जहां से निकला उस मार्ग के दुकानदार व राहगीर अपने स्थान पर खड़े होकर मानों वादकों का अभिनंदन कर रहे हों। सभी टकटकी लगाए एक लय और धुन में वाद्य बजा रहे घोष दल को निहरते रहे।

संघ के घोष वादक पारंपरिक वाद्यों से भारतीय सांगीतिक परंपरा की गरिमा सजीव करते दिखाई दिए। वाद्यों में शंख (बिगुल), श्रृंग (तूर्य) एवं वेणु (बांसुरी) की मनोहारी रचनाएँ (स्वर) तथा आनक (छोटा ड्रम) की ओजस्वी एवं उत्साहवर्धक प्रस्तुतियाँ जीवंत होती रहीं। समस्त घोष रचनाएं विभिन्न भारतीय शास्त्रीय रागों एवं निर्धारित तालों पर आधारित रहीं। कार्यक्रम की प्रस्तुति में शास्त्रीयता एवं अनुशासन का समन्वय साथ दिखाई दे रहा था। रागों की मधुरता और ताल की संतुलित गति से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत होता रहा। कार्यक्रम में चार प्रमुख गीतों की घोष रचनाएँ वीर सावरकर रचित 'जयस्तुते ', 'राम स्तुति ', 'राम भक्त ले चला रे राम की निशानी' व 'श्रीराम चंद्रकृपालु भजमन्' वातावरण को प्रेरणादायी व भक्तिमय बनाता रहा।

'श्रीरामार्चनम' का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक भारतीय परंपरा, अनुशासन, सांस्कृतिक गौरव एवं राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुँचाना था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घोष वादन ने अपने सामूहिक अनुशासन, सांगीतिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लिए विशेष पहचान बनाए रहा। महीनों के श्रम से प्रशिक्षित वादकों के सधे हाथ अपने वाद्यों से निरन्तर निर्देशित ध्वनि निकाल रहे थे। देखने सुनने वाले हतप्रभ रहे, सब कुछ अकल्पनीय सा प्रतीत होता रहा। सबसे अंत में घोष दल ने राम मंदिर परिसर में ग्रीन हाउस मैदान के सामने रामलला को 'श्रीरामार्चनम्' की प्रस्तुति दी। इसके बाद परकोटे के सिंह द्वार पर घोष शाखा लगाई गई। लगभग 45 मिनट की शाखा में विभिन्न रचनाओं के वादन के बाद शाखा विकिर हुई और वादक दल रामलला के दर्शन करने मंदिर में गया।

बीकानेर की घटना पर बोले- अशोक गहलोत, राजस्थान अब और चीखें नहीं सुन सकता, जवाब दीजिए मुख्यमंत्री जी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि बीकानेर के रणजीतपुरा में परीक्षा देने जा रही नाबालिग छात्रा के साथ अपहरण, दुष्कर्म और फिर निर्मम हत्या की रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि राजस्थान के माथे पर गहरा कलंक है। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि प्रदेश में 'पर्ची सरकार' के आने के बाद कानून व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर है। आज हालात यह हैं कि हमारी बेटियाँ घर से बाहर कदम रखने से भी डरने लगी हैं। आखिर राजस्थान को अपराध की किस आग में झोंक दिया गया है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, कोरी घोषणाओं और फोटोबाजी से बाहर निकलकर प्रदेश की कानून व्यवस्था को संभालिए। मेरी मांग है

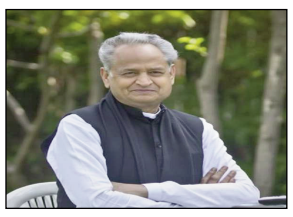

कि इस प्रकरण के दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर मामले की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में की जाए और अपराधियों को ऐसी कठोरतम सजा मिले जो एक नजीर बने। प्रदेश अब और चीखें नहीं सुन सकता। जवाब दीजिए मुख्यमंत्री जी!

कांग्रेस ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर उठाए सवाल, अमेरिका के साथ समझौते की आलोचना की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की एक बार फिर आलोचना करते हुए मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाया है। पार्टी ने सरकार से पूछा है कि अमेरिका के साथ समझौता करने से पहले वहां के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया? साथ ही यह भी पूछा कि अब क्या समझौते पर पुनर्विचार होगा? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार नहीं करने की वजह से हम एक जाल में फंस गए। इसके चलते हमने अमेरिका को बहुत ज्यादा रियायत दे दी। व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हमने भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिकी सामानों के लिए खोल दिया, 500 अरब डॉलर की खरीद और रूस से तेल नहीं खरीदने का वादा कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह बताना चाहिए कि आखिर किस कारण से किसके दबाव में भारत के राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक सहायता के साथ समझौता किया गया।

मद्रास हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार मामले में मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का दिया निर्देश

एजेंसी

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी विभाग (डीवीएसी) को नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद सियासत गर्मा गई है। तमिलनाडु भाजपा ने सत्तारूढ़ डीएमके सरकार से मंत्री को हटाने की मांग की है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि कोर्ट का आदेश डीएमके सरकार के लिए एक गंभीर झटका है। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से केएन नेहरू को तुरंत मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। एएनएस प्रसाद ने सीबीआई से जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि केवल केंद्रीय एजेंसी से ही अनियमितताओं की व्यापक और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से लगाए गए आरोपों और उसके सामने पेश साक्ष्यों पर विचार करते हुए यह निर्देश जारी किया।

अक्टूबर 2025 में तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को दी गई

शिकायत में ईडी ने नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग के भीतर नियुक्तियों और निविदा प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

आरोप है कि इसमें 630 करोड़ रुपए से लेकर 1,020 करोड़ रुपए तक की वित्तीय अनियमितताएं शामिल हैं। एजेंसी ने दावा किया कि 2,538 नियुक्तियों के संबंध में प्रति पद 25 से 35 लाख रुपए तक की रिश्वत ली गई।

ईडी ने कोर्ट के समक्ष डिजिटल साक्ष्य भी रखे, जिनमें व्हाट्सएप बातचीत, स्क्रीनशॉट, स्थानांतरण आदेश और वित्तीय रिकॉर्ड शामिल हैं, जो कथित तौर पर मंत्री से जुड़े व्यक्तियों से संबंधित परिसरों में की गई तलाशी के दौरान बरामद किए गए थे। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश ने भाजपा के इस लंबे समय से चले आ रहे आरोप को और मजबूत किया है कि डीएमके शासन के दौरान भ्रष्टाचार एक व्यापक समस्या है।

डीएमके ने अभी तक इस ताजा घटनाक्रम पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के निर्देश का मतलब दोष सिद्ध होना नहीं है।

2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में आने वाले हफ्तों में यह मुद्दा भाजपा और सत्ताधारी डीएमके के बीच राजनीतिक टकराव को और तेज कर सकता है।

जलमहल की पाल पर सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले का आयोजन

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की गरिमामयी उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और तकनीकी कौशल की सराहना करते हुए कहा कि जयपुर की धरती पर यह आयोजन गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड के भव्य एवं सफल आयोजन के बाद वायु सेना की ओर से आयोजित इस अद्भुत कार्यक्रम से यह साबित हुआ है कि जयपुर ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सेना का गौरव लगातार बढ़ रहा है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर वायु सेना के अद्भुत पराक्रम एवं भारत की सुरक्षा मजबूत हाथों में होने का परिचायक है। उन्होंने कहा कि हमारी वायु सेना सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं और महामारी में भी लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने अद्वितीय हवाई

कौशल और उत्कृष्ट करतबों से मंत्रमुग्ध करती है। भारतीय वायुसेना के एम्बेसडर्स सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के तीन पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वॉड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही हैं। इन पायलट्स ने वर्षों की कठिन मेहनत, अटूट अनुशासन और असाधारण कौशल के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। शर्मा ने कहा कि यह आयोजन नागरिक और सेना के बीच अटूट रिश्ते का उत्सव है। इस तरह के आयोजन से युवाओं के मन में सेना में जाने का संकल्प जन्म लेता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय गौरव और रक्षा सेवाओं के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा देता है। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात मुख्यमंत्री ने मौजूद जनसमूह के बीच जाकर उनका अभिनंदन स्वीकार किया। आसमान में गूंजा ''खम्मा घणी'' और ''राम-राम सा'' जल महल पर खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। टीम ने सारंग स्पिलिट, एरोहैड, डॉल्फिन लीप, लेवल क्रॉस, हाई स्पीड क्रॉस, क्रॉस ओवर ब्रेक, डायमंड एवं इन्वर्टेड वाइन ग्लास जैसी अनेक आकृतियां आसमान में बनाई। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने इन्वर्टेड रन, बैरल रोल, बॉम्ब बर्स्ट, डीएनए संरचना जैसी अनेक आकृतियां के साथ आसमान में दिल बनाकर वायु सेना की ओर से जयपुरवासियों का अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों टीमों द्वारा कॉकपिट से ''खम्मा घणी'' और ''राम-राम सा'' का उद्घोष जनता के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह, सशस्त्र शक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन 24 फरवरी को दिल्ली में

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) 24 फरवरी को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ईसीआई और राज्य निर्वाचन आयुक्तों (एसईसी) का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित करेगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

चुनाव आयोग के अनुसार यह गोलमेज सम्मेलन 27 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। पिछली बैठक वर्ष 1999 में आयोजित की गई थी। यह बैठक देश में चुनावी प्रक्रिया को और पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में आयोजित की जा रही है। सम्मेलन में निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित रहेंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य निर्वाचन आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे। सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) भी सम्मेलन में शामिल होंगे। इस सम्मेलन का प्राथमिक लक्ष्य 'सहकारी संघवाद' की भावना को मजबूत करते हुए केंद्रीय और राज्य चुनाव निकायों के बीच बेहतर तालमेल बिठाना है। दिनभर चलने वाले सम्मेलन के दौरान चुनावी प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के अलावा प्रौद्योगिकी, ईवीएम और मतदाता सूची साझा करने पर चर्चा होगी। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की मजबूती, पारदर्शिता और सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा की जायेगी। ईसीआई के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म 'ईसीआईएनईटी' पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी, जो चुनावी सेवाओं को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित करेगा।

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

टी20 विश्व कप: टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे।

अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब,

शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 'जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं। चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इस सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्शन को लेकर बहस तेज हो वहीं एक दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इस गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, वो लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिली है. उन्होंने कहा, 'उनकी गेंद को विकेट के पीछे से देखना काफी अच्छा अनुभवी है। वो जिस तरह से फ्लाइट देते हैं और अचानक गेंद को तेजी से टर्न कराते हैं, वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों को सबूतों पर बात करनी चाहिए, सिर्फ कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुपर-8 में पहुंचने में तारिक की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों पर बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई है। इस गेंदबाज ने अभी तक किसी भी बायोमैकेनिकल टेस्ट में अपनी कोहनी की जांच नहीं करायी है। ऐसे में अगर जांच में उनकी कोहनी 15 डिग्री से अधिक मुड़ती दिखी तो उनपर प्रतिबंध लगना तय है।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, 'मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।' टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 'अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।' द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, अब करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्कराम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है।।''

वरुण ने अर्शदीप का रिकार्ड तोड़ा : लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में एक विकेट लेते ही एक नया रिकार्ड बनाया है। वरुण अब लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वरुण लगातार 18 पारियों में भारत के लिए विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ा। अर्शदीप सिंह ने साल 2024-25 में लगातार 17 पारियों में विकेट लेने का रिकार्ड बनाया था। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने 2025-26 के बीच अब तक कुल 18 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसी सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा है। नेहरा ने साल 2016 में 13 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए थे।

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

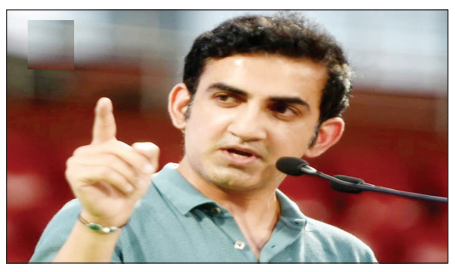

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरुआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

एफआईएच प्रो लीग: स्पेन के खिलाफ आज जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी टीम इंडिया, साख दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला।

कोच क्रेग फुल्टन आलोचनाओं का सामना कर रहे

टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने में सफल रही थी।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों टीमों के बीच वर्षों से कड़ी प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें दोनों ने एक दूसरे को समान रूप से टक्कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत एक समय जीत की स्थिति में था। अमित रोहिदास और जुगराज सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मैच के अंत में गोल खाने की वही पुरानी समस्या फिर से सामने आ गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में मैच जीत लिया।

इससे पहले राउरकेला में खेले गए चारों मैचों में भारत की हार को देखते हुए इस टीम का अच्छा प्रदर्शन माना जा सकता है। राउरकेला में भारत को अर्जेंटीना से 0-8 की करारी शिकस्त भी मिली थी। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी तेज दौड़ और रिवर्स-हिट ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को चकमा दे दिया, हालांकि बैक-स्टिक के इस्तेमाल के कारण उनके इस गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। युवा आदित्य ललागे ने भी अपनी छाप छोड़ी। भारतीय टीम को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अब अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा क्योंकि नौ टीमों वाली एफआईएच प्रो लीग तालिका में वह छह मैचों में सिर्फ एक अंक के साथ आठवें स्थान पर है। भारत के पीछे केवल पाकिस्तान है जिसने अब तक अपने सभी आठ मैच हारे हैं और अभी तक अपना खाता नहीं खोला है। होबार्ट चरण में भारतीय टीम स्पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेलेगी।

इसके बाद जून में यूरोप में मुकाबले होंगे, जहां भारत नीदरलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड में खेलेगा। लेकिन उससे पहले भारत का तात्कालिक लक्ष्य अंक हासिल करना और तालिका में आगे बढ़ना होगा। बेल्जियम (आठ मैच, 22 अंक) तालिका में अभी सबसे आगे है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (सात मैच, 20 अंक) और अर्जेंटीना (आठ मैच, 17 अंक) का नंबर आता है। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा। एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। दुनिया के पूर्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत मंगलवार से मुलहेम एन डेर रूर के वेस्टएनर्जी स्पोटहॉल में शुरू होने वाले जर्मन ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती अगुवाई करेंगे। पुरुषों की एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत, इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दो क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के बाद जर्मन ओपन में उतरेंगे। उन्हें आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने भारत के लिए अपने दोनों एकल रबर जीते थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रॉ में किदांबी श्रीकांत के साथ उनके हमवतन किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी होंगे। ओलंपियन और दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव पुरुष एकल में टॉप सीड हैं और पहले राउंड में किरण जॉर्ज से भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में दुनिया की नंबर 40 तन्वी शर्मा महिला सिंगल्स में भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, जो पिछले साल BWF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही थीं, उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज और इशारानी बरुआ होंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में भारत की अकेली जोड़ी अश्विनी भट और शिखा गौतम हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।'

इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रही भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भी कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है। न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद् होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी. भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी. वहीं एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में उतरेगी। अगर भारतीय टीम अपने शेष दो मैचों में से एक भी हार जाता है, तो उसका खिताबी सफर सुपर 8 स्टेज में ही समापत हो जाएगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट काफी नीचे चला गया है।

‘लोका 2’ पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया अपडेट

पिछले साल मलयालम फिल्म ‘लोका चैप्टर 1’ ने दर्शकों को हैरान किया। फिल्म की कहानी वुमन सुपरहीरो चंद्रा पर थी। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने कमाल का कलेक्शन किया। अब इसका दूसरा पार्ट भी बनने वाला है। फिल्म को लेकर लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने अपडेट दिया है।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

हाल ही में एक इवेंट में कल्याणी प्रियदर्शन शामिल हुईं। इस दौरान ही एक्ट्रेस ने ‘लोका 2’ को लेकर बात की। वह कहती हैं, ‘फिल्म ‘लोका 2’ की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। मैं फिल्म का हिस्सा हूं। आप फिल्म का इंतजार करें।’

क्या थी कहानी?

मलयालम फिल्म ‘लोका’ एक वुमन सुपरहीरो की कहानी थी। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर होती हैं। वह बेंगलुरु में रहने आती है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई की थी।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की छप्परफाड़ कमाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ‘लोका’ का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रास 183.96 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को कई एक्ट्रेस से सराहा। इस पहली वुमन सुपरहीरो मूवी कहा।

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने संघर्ष पर चर्चा की

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने पहुंचीं। यहां उन्होंने अपने देश और बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने सफर पर चर्चा की। उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में बताया। साथ ही वे हॉलीवुड तक पहुंचीं, इसका क्रेडिट ऐश्वर्या राय और इरफान खान सरीखे सितारों को दिया। प्रियंका का कहना है कि इन सितारों ने हॉलीवुड के रास्ते खोले।

प्रियंका ने शेयर किया इमोशनल नोट

प्रियंका चोपड़ा ने हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अपने करियर और हॉलीवुड तक के सफर का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने हॉलीवुड में रास्ता बनाने का क्रेडिट ऐश्वर्या राय, इरफान खान और मिंडी कालिंग को दिया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें अपनी करियर जर्नी पर एक इमोशनल नोट लिखा है।

इन हस्तियों ने दूसरों के लिए रास्ते आसान बनाए

प्रियंका चोपड़ा ने यह स्वीकार किया कि किस तरह एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय, दिवंगत एक्टर इरफान खान और अमेरिकन एक्टर-कॉमेडियन मिंडी कालिंग के सफर ने हॉलीवुड में उनके अपने करियर में योगदान दिया। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज को ट्रेलब्लेजर बताया, जिनकी कामयाबियों ने दूसरों के लिए रास्ते तैयार किए। उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया।

प्रियंका ने जाहिर किया उत्साह

प्रियंका चोपड़ा ने साझा किए गए पोस्ट के साथ लिखा है, ‘मेरे दिन की शुरुआत ऐसे हुई। मुझे अपनी सबसे करीबी दोस्तों और बिजनेस पार्टनर अंजुला आचार्य के साथ मशहूर हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में इंडिया वीक खत्म करने के लिए एक फायरसाइड कीनोट एड्रेस देना था। टॉपिक था ‘जैसा इंडिया हम सोचते हैं’। यहां ऑडियंस में देखते हुए मेरे मन में बस एक ही ख्याल आया, ‘तुम वही इंडिया हो, जिसकी मैंने कल्पना की थी’। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म ‘वाराणसी’ में नजर आएंगी।

कैनेडी को लेकर सनी लियोनी के दिल में बैठा डर, अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर बड़े नामों से जुड़ा प्रोजेक्ट कलाकारों के लिए एक सपने जैसा होता है। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री सनी लियोनी ने साझा किया। अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म ‘कैनेडी’ को लेकर सनी लियोनी ने बताया कि इसका हिस्सा बनने पर उन्हें आखिरी दिन तक यकीन नहीं हो रहा था। उन्हें हमेशा रिप्लेस होने का डर रहा। सनी लियोनी इन दिनों अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी ‘कैनेडी’ की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसके अलावा, फिल्म ने कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में सराहना प्राप्त की है। सनी ने कहा, ‘‘जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं काफी हैरान थी। मुझे भरोसा ही नहीं था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। ट्रायल्स, वर्कशॉप्स और मीटिंग्स सब कुछ होने के बावजूद, मेरे मन में यह डर बना रहा कि कहीं आखिरी समय पर मुझे फिल्म से रिप्लेस न कर दिया जाए।’’

उन्होंने कहा, ‘‘एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में चीजें पल भर में बदल जाती हैं। मैंने कई बार ऐसा देखा है कि सब कुछ तय होने के बाद भी कलाकार बदल दिए जाते हैं। इसी वजह से मुझे तब तक चैन नहीं मिला, जब तक मैंने सेट पर पहुंचकर कैमरे के सामने शॉट नहीं दिया। पहला सीन शूट होने और फिर अगला सीन शुरू होने के बाद मुझे यकीन हुआ कि अब शायद उन्हें रिप्लेस नहीं किया जाएगा।’’ सनी लियोनी ने कहा, ‘‘पहला शॉट ओके होने के बाद मेरे मन में एक अलग ही सुकून था। मुझे लगा कि मैंने अपना काम ठीक से किया है और शायद यही वजह है कि टीम अब मुझ पर भरोसा कर रही है।’’

फिल्म ‘कैनेडी’ में सनी लियोनी चार्ली नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। अपने किरदार के एक खास सीन का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि यह सीन एक होटल रूम में शूट हुआ है, जहां मेरा किरदार चार्ली एक पुलिस ऑफिसर का इंतजार करती है। वह डरी हुई है, परेशान है और वहां रहना नहीं चाहती, लेकिन उसे पता है कि आगे क्या होने वाला है। इस सीन में बाथरूम से बाहर आकर चेहरे पर नकली मुस्कान लाना, उनके लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। सनी ने कहा, ‘‘यह सीन आम जिंदगी से जुड़ा हुआ है। कई बार हम सब भी ऐसे हालात से गुजरते हैं, जहां अंदर से टूटे हुए होते हैं, लेकिन बाहर से मुस्कुराना पड़ता है। यही वजह है कि यह सीन मेरे लिए बेहद खास है।’’

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने अजित कुमार के लिए लिखा खास नोट

मलयालम एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने हाल ही में तमिल सुपरस्टार अजित कुमार के लिए एक खास नोट शेयर किया है। फिल्म ‘गुड बैड अगली’ में उनके साथ काम कर चुकीं प्रिया उन्हें चीयर करने पहुंची थी। इसी की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्होंने अजित के लिए कुछ खास लिखा। प्रिया ने अबू धाबी के यास मरीना सर्किट से कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, ‘प्योर पैशन, डिसिप्लिन और निडर समर्पण... जिस तरह वह जिंदगी और रेसिंग दोनों में बेहतरीन बनने की कोशिश करते हैं, वह बेहद प्रेरित करने वाला है। असली महानता अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, विनम्र रहने और अपने जुनून को कभी न छोड़ने में है। अजित सर, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद! आपके और आपकी शानदार टीम के साथ रहना बहुत खास लगा। हम आपके लिए चीयर कर रहे हैं।’ बता दें, अजित कुमार इन दिनों अपनी रेसिंग टीम के साथ इंटरनेशनल कार रेसिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रिया से पहले तमिल स्टार शिवकार्तिकेयन भी अबू धाबी पहुंचकर अजित और उनकी टीम से मुलाकात कर चुके हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगी प्रिया

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर हाल ही में निर्देशक अखिल सथ्यान की फिल्म ‘सर्वम माया’ में कैमियो रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ निविन पॉली और रिया शिबू भी अहम भूमिकाओं में थे। अब खबर है कि प्रिया जल्द ही हीस्ट थ्रिलर फिल्म ‘3 मंकीज’ में दिखाई देंगी, जिसे डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मस्तान बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अर्जुन रामपाल और रानी मुखर्जी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं।

हॉरर-थ्रिलर हुई रजनीश दुग्गल सुपरनैचुरल की वापसी

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है और इसे देखकर आपके रोंगटे जरूर खड़े हो जाएंगे। फिल्म को ज्योति राज गवाली प्रोड्यूस कर रही हैं। वहीं राज गवाली को-प्रोड्यूसर हैं और निर्देशन की कमान सौरभ चौबे ने संभाली है।

पोस्टर ने बढ़ाई धड़कनें

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल ‘द वॉर्डरोब’ अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है।

अनुराग कश्यप ने ‘निशांची’ को बताया ‘सिनर्स’ से बेहतर

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘कैनेडी’ को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच अनुराग कश्यप ने अपनी पिछली फिल्म ‘निशांची’ को बनाने पर गर्व जताते हुए इसके स्पेशल इफेक्ट्स को हॉलीवुड फिल्म ‘सिनर्स’ से भी बेहतर बताया है। ‘निशांची’ दो भागों में बंटी एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें कानपुर में रहने वाले जुड़वां भाइयों बबलू और डब्लू की कहानी है।

अनुराग ने स्पेशल इफेक्ट्स के लिए की रेड चिलीज की तारीफ

बातचीत के दौरान अनुराग ने कहा कि अन्य फिल्म निर्माताओं के साथ काम करते हुए, मैं काम करने की एक नई शैली देख रहा हूं। यह शैली आ रही है और दक्षिण में हर जगह देखने को मिल रही है। वे वहीं पर शूटिंग और एडिटिंग करते हैं। वे एक दिन में एक ही सीन शूट करते हैं और शॉट्स नहीं लेते। मेरे लिए स्पेशल इफेक्ट्स के साथ ‘निशांची’ के दोनों भाग, जिनमें अभिनेता ने दो अलग-अलग तरह की दोहरी भूमिका निभाई है - जिस पर मुझे बहुत गर्व है। स्पेशल इफेक्ट्स के मामले में सिल्वेस्टर और रेड चिलीज ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो वाकई कमाल है। मैं गर्व से कह सकता हूं कि यह ‘सिनर्स’ से भी बेहतर है। वे सचमुच दो अलग-अलग लोग हैं और हमने दो महीने के अंतराल पर शूटिंग की। ऐसा नहीं था कि आप कपड़े बदलकर आ गए हों। यह सब वास्तविक था।

ऑस्कर में ‘सिनर्स’ ने हासिल किए रिकॉर्ड नॉमिनेशन

हॉलीवुड फिल्म ‘सिनर्स’ में माइकल बी जॉर्डन ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें उन्होंने जुड़वां भाइयों एलिजा स्मोक मूर और एलियास स्टैक मूर का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अपने अभिनय के लिए अभिनेता को अपना पहला ऑस्कर नामांकन मिला। रयान कूगलर द्वारा निर्देशित ‘सिनर्स’ ने 98वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह में रिकॉर्ड तोड़ 16 नामांकन हासिल करके इतिहास रच दिया, जो किसी एक फिल्म के लिए अब तक का सबसे अधिक नामांकन है।

ऐसी है ‘निशांची’ की कहानी

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित ‘निशांची’ पिछले साल दो भागों में रिलीज हुई थी। इस क्राइम ड्रामा की कहानी कानपुर में रहने वाले दो भाइयों बबलू और डब्लू के ऊपर आधारित है। फिल्म का पहला पार्ट सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जिसे क्रिटिक्स से तो अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। इसके बाद दूसरा पार्ट मेकर्स ने सीधे ओटीटी पर रिलीज किया था। इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे दोहरी भूमिका में नजर आए हैं।

20 फरवरी को रिलीज हुई है ‘कैनेडी’

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘केनेडी’ के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इससे पहले फिल्म का प्रीमियर 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। जहां इसे काफी सराहना मिली थी। इसके अलावा भी कई फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को काफी सराहा गया है। और इसे सात मिनट तक स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। मेलबर्न इंडियन ‘कैनेडी’ में राहुल भट्ट और सनी लियोन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पूरी दुनिया में मशहूर हैं दस शहर

दुनिया बेहद खूबसूरत है। अगर प्राकृतिक ने हमारी गोद में सुंदरता की बरमार सौगात में दी है तो लोगों ने भी इस दुनिया को सजाने में अपनी मेहनत के रंग भरे हैं। आज हम आपको दिखाते हैं दुनिया के सबसे रंगीन शहर जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।

Nyhavn, Copenhagen

डेनमार्क में बसे इस शहर में 17 और 18वीं शताब्दी की इमारतें, बार, कैफ़े, रेस्टोरेंट्स आदि हैं जो लकड़ी, ईंट और प्लास्टर से बने हैं। नहर के पास बने इस शहर की खूबसूरती किसी का भी मन मोह लें।

Buenos Aires, Argentina

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में ला बोका (La Boca) नाम की जगह है जो अपने खुले म्यूज़ियम के लिए मशहूर है। यहां के लोगों ने अपने आस-पड़ोस की दीवारों पर कबाड़ के सामान और बचे हुए रंगों से बहुत ही सुन्दर म्यूरल्स और ग्राफ़िटी बनाई हैं।

St. John's, Newfoundland and Labrador, Canada

सेंट जॉन न्यूफ़ाउंडलैंड, लैब्राडोर की राजधानी है। यह कनाडा के सबसे पुराने शहर हैं, जिसका इतिहास 1400 साल पुराना है। इस जगह का आर्किटेक्चर बहुत ही निराला है क्योंकि पुराने समय में जहाज के कप्तान अपने घर के लिए एक रंग चुनते थे, जिससे समुद्र से घर को आसानी से पहचाना जा सके। यही वजह है कि ये शहर इतना रंगीन है।

Valparaiso, Chile

समुद्र पर बसा वल्परईसो शहर, चिली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गढ़ है। यहां लोगों ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाकर घरों को रंग-बिरंगे रंगों से सजाया है।

Izamal, Mexico

इस शहर को ₹मैजिकल सिटी₹ नाम दिया गया है क्योंकि यहां की इमारतों से सूर्य जैसा पीला रंग छलकता है। पत्थर से बनी सड़कें और लाइमस्टोन के चर्च और सरकारी इमारतें इस शहर की सुंदरता को और बढ़ाती हैं।

Wroclaw, Poland

पोलैंड के इस शहर में पर्यटकों के देखने लायक बहुत सारी चीजें हैं जैसे रेस्टोरेंट, कैफे आदि लेकिन इस शहर का सबसे सुन्दर भाग है, यहां के रंग-बिरंगे घर जो पूरे वातावरण को सजीव बनाता है।

Rio de Janeiro, Brazil

2010 में ब्राज़ील की सरकार ने रिओ की बस्तियों को सजाने का काम शुरू किया था। आज यहां की बस्तियां एक बड़ा सा रंग-बिरंगा कैनवास बन गई हैं। इस इलाके में अब टूरिस्ट्स का तांता लगा रहता है।

Jodhpur, India

भारत के राजस्थान में बसा जोधपुर शहर जो ब्लू सिटी के नाम से मशहूर है। यहां के घरों और इमारतों को रॉयल ब्लू रंग में रंगा गया है। ये प्रचलन जोधपुर के राज परिवार ने शुरू किया था। नीले रंग में रंगा गया ये शहर, शान्ति और शीतलता का एहसास देता है।

Pattaya, Thailand

पट्टाया में सुन्दर बीच तो है ही लेकिन यहां की इमारतों के रंग हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां के घर और होटलों को कई रंगों में रंगा गया है जो इस शहर को दुनिया का सबसे रंगीन शहर बनाता है।

Burano Island, Italy

चार आइलैंड के द्वीप समूह में स्थित इस शहर में मोहक सड़कें और नहरें हैं लेकिन उससे भी खूबसूरत यहां की इमारतें हैं जो खूबसूरत रंगों से चमचमाती हैं। यहां खास बात यह है कि यहां सरकार निर्धारित करती है कि आप अपने घर को किस रंग से रंगवा सकते हैं।

जमीन के ऊपर नहीं अंदर हैं 10 शानदार झीलें

झीलों की ख़ूबसूरती हमेशा से ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है। इनकी सुंदरता का जिक्र कई गीतों, शायरों की शायरी और बहुत सारी प्रेम-कहानियों में भी हुआ है। आपने भी वैसे तो बहुत सारी झीलें देखी होंगी लेकिन जिन झीलों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वह रोमांच से भरी पड़ी हैं क्योंकि ये झीलें जमीन पर नहीं बल्कि अंडर ग्राउंड हैं। यह झीलें पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

रीड फ्लूट लेक

चीन के तांग वंश के समय में गुइलिन में स्थित रीड फ्लूट लेक लगभग 1300 साल पुरानी है।

वूकेई होल

ब्रिटेन के सामर सेट में स्थित ये गुफ़ा दुनिया के सबसे बड़ी गुफ़ाओं में से एक है।

चेडर नदी घाटी

ब्रिटेन की 9000 साल पुरानी इस घाटी में 1903 में पूर्ण नर कंकाल मिला था। लाइम स्टोन की बनी हुई ये घाटी एक अंडर ग्राउंड नदी का परिणाम है।

मेल्लिअसनी लेक

कैलीफोर्निया में स्थित इस झील की खोज 1943 में आए एक भूकंप की वजह से हुई थी।

लेचुगुइल्ला लेक

मेक्सिको के कार्ल्सबैड सवेर्न्स नैशनल पार्क यहां की सबसे बड़ी गुफ़ा में शामिल है, जहां ये झील अपनी छटा बिखेरती है।

सेवर्न लेक

चूना पत्थर से बनी मेक्सिको की गुफ़ाओं में स्थित इस झील में दीवारें एक वॉटर फाल की तरह दिखता है।

बंफ्फ लेक

कनाडा के बंफ्फ नैशनल पार्क में स्थित ये झील अपनी ख़ूबसूरती के लिए दुनियाभर में जानी जाती है।

युकाटन लेक

दुनिया के सबसे खूबसूरत झीलों में से एक युकाटन लेक मेक्सिको के मेकन चे में स्थित है।

लुरेई सवेर्न्स

अमरीका के वर्जीनिया में स्थित इस झील को देखने दुनिया भर से पर्यटक यहां आते हैं।

हेमिल्टन पुल

टेक्सस में स्थित हेमिल्टन पूल का निर्माण एक गुफ़ा की छत ढहने से हुआ था।

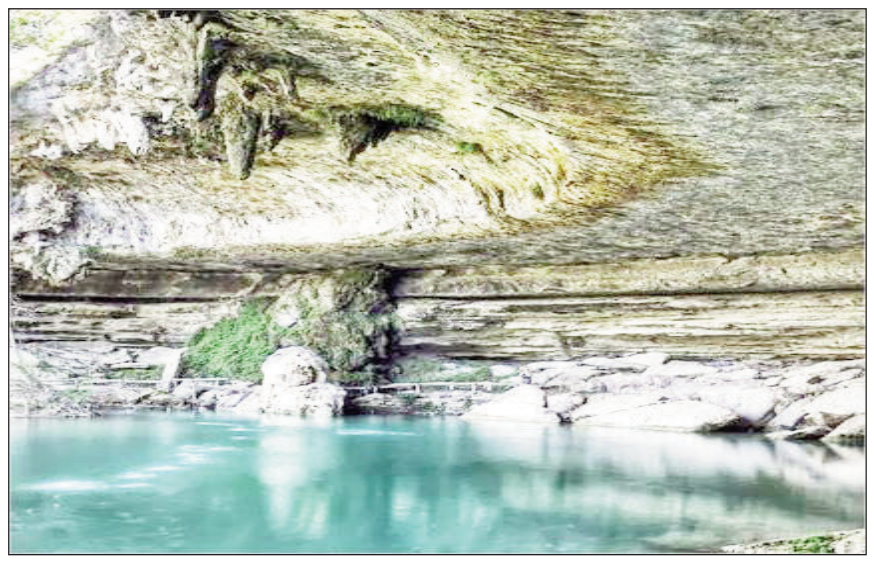

नाव और कुत्तों की सवारी के लिए मशहूर हैं आठ देश

हजारों सालों से पेरू और बोलीविया के टीटीकाका झील के किनारों पर एक खास तरह की टोटोरा बोट मिलती है जिसे रीड बोट्स भी कहा जाता है। जो दुनिया की सबसे पुरानी बोट्स में शामिल हैं। अलग-अलग साइज में मिलने वाली इन नावों को यहां के ऊरोज जनजाति के लोग अपने हाथों से तैयार करते हैं। ड्रेगन की शेप वाले इस नाव को पुराने जमाने में बुरी आत्माओं को भगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, ऐसा लोग मानते हैं। हल्की होने के कारण पानी में ये बहुत ही तेज रफ़्तार से चलती है। जिससे सफर आसानी से कट जाता है और मंजिल तक समय से पहुंच जाते हैं।

नार्वे के शांत वातावरण का एक्सपीरिएंस कुछ अनोखे तरीके से करना हो तो डॉग स्लीडिंग बेहतरीन ऑप्शन है। यहां के साल्टफेले-स्वार्टिसेन और जॉटुनहाइम नेशनल पार्क अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए जाने जाते हैं जहां तक पहुंचाने में बिनापहिए वाली गाड़ी, जिसे साइबेरियन डॉग खींचते हैं की मदद ली जा सकती है। इस स्लीडिंग का मजा लेने के लिए ओस्लो से 3 घंटे तक का सफर तय करना पड़ता है। टुकटुक, रिक्शे जैसा दिखने वाला वाहन जिसमें आगे साइकिल नहीं बाइक होती है और टुकटुक चलाने वाला बकायदा हेलमेट पहने नजर आएगा। तीन पहिए वाली ये गाड़ी मोटर की मदद से चलती है और इसका भी बहुतायत तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। सबसे पहले टुकटुक थाईलैंड में चलाई गई थी उसके बाद ये लाओस, कंबोडिया, पाकिस्तान से होते हुए इंडिया में आईं। धूल और प्रदूषण से परे इसकी सवारी वाकई मजेदार होने के साथ ही अन्य वाहनों के मुकाबले सस्ती भी होती है। ट्रेन, बस, अलग-अलग सुविधाओं वाली कार के होते हुए भी थाईलैंड में लोग हाथी की सवारी करना ज्यादा पसंद करते हैं। शाही सवारी का अनुभव कराने के साथ ही थाईलैंड के जंगलों को घूमने का मजा इसी से आता है। यहां एक छोटा सा हाथियों का गांव भी है जहां जाकर हाथियों को खिला सकते हैं, बेबी एलिफेंट के साथ मस्ती कर सकते हैं और उनके साथ फोटो भी खिंचवा सकते हैं। थाईलैंड साल भर टूरिस्टों से भरा रहता है। तो बीच पर घूमने के अलावा जंगलों की सैर हाथी पर करना भी एक अच्छा ऑप्शन है।कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह के बत्तामबैंग शहर में लोहे की नहीं बल्कि बांस की ट्रेन देखने को मिलती है। बांस की लकड़ियों से बने खांचे के ऊपर छोटे इलेक्ट्रॉनिक इंजन और नीचे पटरी पर आराम से दौड़ने वाले पहिए, वाकई आवाजाही के लिए गजब का इनवेन्शन है। बड़ी-बड़ी ट्रेनों और बसों को पीछे छोड़ कंबोड़िया में लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए ज्यादातर इसका ही इस्तेमाल करते हैं। इसे वहां की सरकार ने भी मान्यता दे रखी है। कंबोडिया के खमेर इलाके में इसे "नौरी" कहते हैं। लेकिन इसकी सबसे अजीबोगरीब चीज है कि लोहे की ट्रेन सामने आने पर इस पर से कूदना पड़ता है।

कई तरह की लग्जरी सुविधाओं से लैस ट्रेन, बसों, हवाई जहाज से बहुत सारे सफर किए होंगे, लेकिन कभी बांस की ट्रेन, हाथियों और ऊंट की पीठ पर सवारी की है? शायद नहीं। दुनिया भर में ऐसी कई सारी जगहें हैं जहां टूरिस्टों को बिल्कुल अनोखे अंदाज में शहर घूमने का मौका मिलता है जो वाकई एक अलग ही एक्सपीरिएंस होता है। तो ऐसे ही अलग राइड्स का मजा कहां और किससे मिलता है, इसे जानेंगे और जब भी जाने का मौका मिले तो एक बार इनपर सवारी करना तो बनता है।

न्यूजीलैंड शहर को एक्सप्लोर करने की सोच रहे हैं तो इन ट्रांसपेरेंट गेंदों(जोर्ब) की मदद ले सकते हैं। घाटियों और पहाड़ों से लुढ़काई जाने वाली इस गेंद में बहुत स्पेस होता है जिसमें एक या दो नहीं बल्कि कई सारे लोग एक साथ बैठ सकते हैं। जोर्ब की सबसे मजेदार बात होती है कि ये पहाड़ों, सड़कों के अलावा पानी में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। वहां के लोग इसे किवी कहते हैं जो बंजी जम्पिंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग और स्काईडाइविंग जैसे खेलों जितना ही मजेदार खेल है। रंग-बिरंगी, नियॉन लाइट्स और वूडू पोस्टर्स से सजी हुई बसें ग्वाटेमाला में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसे "चिकन बस" के नाम से पुकारा जाता है। पुरानी बसों को बिल्कुल अलग तरह से तैयार कर इसे स्कूल बस के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। बड़े-बड़े पहाड़ों पर इससे सफर करना आसान होता है। पहले बसों में बकरियों और मुर्गियों की भी सवारी होती है इसलिए इस चिकन बस कहा जाने लगा। लेकिन ग्वाटेमाला में सबसे ज्यादा लूट-पाट भी इन्हीं बसों में होती हैं।